शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 263 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 21 अप्रैल, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

एनएसए की टीम ने डिब्रूगढ़ जेल में अमृतपाल के सहयोगियों से की मुलाकात पेज 3
भगवान बुद्ध के मार्ग पर चलते तो नहीं आता जलवायु परिवर्तन का संकट... पेज 4
तीसरी बार अपना महापौर बनाने में जुटी भाजपा पेज 5
मजबूत लोकतंत्र के लिए लोक सेवकों की भूमिका अहम : मुख्यमंत्री पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम-अरुणाचल सीमा विवाद समाप्त

नई दिल्ली। असम और अरुणाचल प्रदेश की सरकारों ने दोनों राज्यों के बीच दशकों पुराने सीमा विवाद को खत्म करने के लिए गुरुवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के समक्ष एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने इस समझौते पर हस्ताक्षर किए। असम और अरुणाचल प्रदेश 804.1 किलोमीटर लंबी सीमा साझा करते हैं। शर्मा और खांडू ने 15 जुलाई, 2022 को *नामसाई घोषणापत्र* पर हस्ताक्षर करके सीमा विवाद का समाधान निकालने का संकल्प लिया था और तभी से दोनों राज्यों के बीच इस पर बातचीत हो रही थी। अधिकारियों ने बताया कि दोनों राज्यों ने 123 गांवों के इस विवाद को खत्म करने का फैसला लिया है। असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि सीमा समझौता *बड़ा और सफल* क्षण। वहीं, अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू ने इसे *ऐतिहासिक* बताया। हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच 1972 से सीमा विवाद था। आज हमने सभी विवादों को बातचीत के जरिये सुलझा लिया है। गृह मंत्री शाह के मार्गदर्शन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से यह विवाद सुलझ गया है, यह एक मील का पत्थर साबित होगा। असम कैबिनेट ने अरुणाचल प्रदेश के साथ दशकों से चल रहे सीमा विवाद के मुद्दे को हल करने के लिए राज्य सरकार की गठित 12 क्षेत्रीय समितियों द्वारा दी गई सिफारिशों को बुधवार (19 अप्रैल) को मंजूरी दी थी। कैबिनेट के फैसलों की घोषणा करते हुए असम के मंत्री अशोक सिंघल ने कहा था कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच लंबे समय से लंबित सीमा विवाद का मुद्दा सुलझने जा रहा है। वहीं खांडू ने इस समझौते -शेष पृष्ठ दो पर

बहुत बड़ी उपलब्धि : गृह मंत्री

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में गुरुवार को पूर्वोत्तर के दो राज्यों असम और अरुणाचल के बीच करीब 800 किमी लंबी सीमा से जुड़े विवाद का समाधान करने के लिए करार किया गया। गृहमंत्री ने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

मानहानि केस : राहुल गांधी की याचिका खारिज

अहमदाबाद। गुजरात में सूरत की एक सत्र अदालत ने *मोदी उपनाम* वाले बयान को लेकर एक आपराधिक मानहानि मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दोषसिद्धि पर रोक लगाने संबंधी याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश आरपी मोगेरा ने, दोषसिद्धि के खिलाफ दायर कांग्रेस नेता की अर्जी आज खारिज कर दी। अगर 52 वर्षीय गांधी की दोषसिद्धि पर रोक संबंधी अर्जी मंजूर हो जाती तो उनकी लोकसभा सदस्यता बहाल होने का रास्ता साफ हो सकता था। कोर्ट ने राहुल की याचिका पर सिर्फ एक शब्द कहा कि अपील डिसमिस्ड। वहीं राहुल गांधी के वकील किरीट पानवाला ने कहा कि सत्र अदालत के आदेश को -शेष पृष्ठ दो पर

असम, अरुणाचल और मेघालय में भारी बारिश की आशंका

गुवाहाटी। कम से कम तीन पूर्वोत्तर राज्यों - असम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में आने वाले दिनों में भारी बारिश और आंधी आने की संभावना है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पूर्वोत्तर में एक वायुमंडलीय अस्थिरता आने वाले दिनों में गरज के साथ बारिश (और यहां तक कि उच्च ऊंचाई पर बर्फ भी) लाने की उम्मीद है। भारी बारिश (64.5 मिमी-115.5 मिमी) अरुणाचल प्रदेश में गुरुवार (20 अप्रैल) और -शेष पृष्ठ दो पर

2047 तक नशा मुक्त भारत सुनिश्चित करेंगे : हिमंत

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम पुलिस ने 1,329 करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की और इस साल मई 2021 से मार्च तक 8,724 लोगों को गिरफ्तार किया। असम सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, इस दौरान 5,246 मामले दर्ज किए गए हैं और पुलिस ने 759 वाहनों को सीज किया है। हिमंत विश्व शर्मा ने ट्वीट किया कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व और गृह मंत्री के मार्गदर्शन में, हम 2047 तक नशा मुक्त भारत सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे। राज्य सरकार के आंकड़े बताते -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
गरीब वह है, जिसका खर्च आमदनी से ज्यादा है।
- बुएयर

दिलीप कुमार नाथ का देहावसान

गुवाहाटी (विभास)। दिलीप कुमार नाथ नहीं रहे। वे राइट मीडिया के प्रोपराइटर थे। 59 वर्षीय दिलीप कुमार नाथ लेफ्टिनेंट मनोरजंन नाथ के सुपुत्र थे। उन्होंने 17 अप्रैल को अंतिम सांस ली। वे मृदुभाषी थे। उनकी व्यवहार कुशलता और सदस्यता के सभी कायल थे। उनके अचानक देहावसान से उनके सगे-संबंधी सहित उनके साथ काम करने वाले शोक संतप्त हैं। वे इतने मिलन सार थे कि जो उनसे मिल लेता था, उन्हें भूलता तो नहीं ही था, बल्कि उनके सहज-सरल स्वभाव का मुरीद -शेष पृष्ठ दो पर

नरोदा नरसंहार : सभी आरोपी निर्दोष

नई दिल्ली। गुजरात के नरोदा पटिया नरसंहार मामले में आज अहमदाबाद की विशेष अदालत फैसला सुनाया। कोर्ट ने इस मामले में सभी आरोपियों को निर्दोष बताया है। 21 साल पहले हुए एक दंगे में कुल 11 लोग मारे गए थे, जिसके बाद पूर्व राज्य मंत्री समेत 82 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। हालांकि, इसमें से 18 लोगों की मौत हो चुकी है। एसआईटी मामलों के विशेष जज एस के बक्शी की बेंच 20 अप्रैल यानी आज 68 आरोपियों के खिलाफ फैसला सुनाया, जिसमें सभी को निर्दोष करार दिया गया। आज का दिन नरोदा गांव मामले के लिए काफी अहम रहा। दरअसल, 2002 में गोधरा कांड हुआ था, जिसमें 11 कारसेवकों समेत 58 लोगों की मौत हो गई थी। इसके अगले -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया के सबसे बड़े रॉकेट लॉन्च होते ही ब्लास्ट

नई दिल्ली। एलन मस्क की स्पेस रिसर्च कंपनी स्पेस एक्स के स्टारशिप रॉकेट में लॉन्च के साथ ही ब्लास्ट हो गया। स्टारशिप रॉकेट के हवा में ही चीथड़े उड़ गए। यह इस रॉकेट के लॉन्च का पहला प्रयास था। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा है कि स्टारशिप के साथ वह हुआ है जिसमें वह रेपिड अनप्लांड डिसेम्बली कहते हैं। तीन दिन पहले भी स्टारशिप रॉकेट की लॉन्चिंग शेड्यूल की गई थी। हालांकि कुछ कारणों की वजह से लॉन्चिंग को गुरुवार के लिए शेड्यूल किया गया था। गुरुवार शाम को जैसे ही स्पेस एक्स ने इस रॉकेट को लॉन्च किया। शुरूआत में तो सब ठीक लग रहा था, -शेष पृष्ठ दो पर

पुंछ आतंकी हमला के बाद आग, पांच शहीद

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर में गुरुवार को भारतीय सेना के ट्रक में आग लगने से 5 जवानों की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि जम्मू-कश्मीर के राजौरी सेक्टर में अज्ञात आतंकवादियों द्वारा ग्रेनेड के संभावित उपयोग के कारण सेना के ट्रक में आग लग गई थी। घटना में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए तैनात राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के 5 जवानों की मृत्यु हुई है, एक जवान बुरी तरह घायल है। आतंकी संगठन पीपुल्स एंटी फासिस्ट फ्रंट (पीएएफएफ) ने पुंछ के भिंबर गली क्षेत्र में सैन्य वाहन पर हमले की जिम्मेदारी ली है। पीएएफएफ के प्रवक्ता तनवीर अहमद राथर ने इंटरनेट मीडिया पर एक बयान जारी कर हमले की जिम्मेदारी ली और कश्मीर -शेष पृष्ठ दो पर

श्री गणेशाय नमः
॥ श्री परशुरामाय नमः ॥

आत्मीय स्वजन,
विप्र बंधुओं को सूचित करते हुए परम हर्ष हो रहा है कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी अखिल भारतवर्षीय श्री खाण्डल विप्र महासभा के अन्तर्गत प्रान्तीय संगठन पूर्वोत्तर प्रदेशीय खाण्डल विप्र संगठन के तत्वावधान में श्री परशुराम जन्मोत्सव दिनांक 22 अप्रैल को निम्न स्थान व समय पर मनाने का निश्चय किया गया है।
समस्त विप्र समाज एवं सामाजिक बंधुओं की सपरिवार उपस्थिति सादर प्रार्थनीय है। जय श्री परशुराम।
: स्थान :
श्री परशुराम भवन सेवा सदन
सबसे ऊपरी तल्ला (टेरिस)
गौशाला के सामने, छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी
: दिनांक व समय :
22 अप्रेल, शनिवार, प्रात: 9 बजे से पूजा अर्चना, आरती व प्रसाद वितरण
निवेदक
कन्हैयालाल पीपलवा
अध्यक्ष
पूर्वोत्तर प्रदेशीय खाण्डल विप्र संगठन

सूडान से भारतीयों को निकालने की आपात योजना तैयार : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली (हि.स.)। विदेश मंत्रालय ने सूडान में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए आपात योजना तैयार की है। हालांकि यह संघर्षरत क्षेत्र के हालात पर निर्भर करेगा। फिलहाल वहां फंसे भारतीयों को सलाह दी गई है कि वे जहां हैं, सुरक्षा की दृष्टि से वहीं रहें। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को पत्रकार वार्ता में कहा कि विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय न्यूयार्क में हैं तथा वे सूडान की स्थिति के बारे में -शेष पृष्ठ दो पर

प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड देने के लिए प्रचार जरूरी : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड न मुहैया होने पर राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों को तीन महीने का और समय दिया है। ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड मुहैया करवाने लिए ये समय दिया गया है। जस्टिस एमआर शाह और एहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने कहा कि केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्रालय के पोर्टल पर पंजीकृत प्रवासी मजदूरों को राशन कार्ड देने का व्यापक प्रचार किया जाना चाहिए। इससे राष्ट्रीय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

लू के खतरे के क्षेत्र में दिल्ली समेत देश का 90 फीसदी हिस्सा

नई दिल्ली। दुनिया में हर जगह जलवायु परिवर्तन से लोगों पर खासा असर पड़ा है और ज्यादातर जगहों पर यह स्थिति लगातार खराब होती जा रही है। भारत भी जलवायु परिवर्तन से पड़ने वाली मार से अछूता नहीं है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में *लू* (हीटवेव) लगातार और भी खतरनाक बनती होती जा रही है। एक नए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि भारत में झुलसाने वाली गर्मी की स्थिति जलवायु परिवर्तन की वजह से लगातार गंभीर होती जा रही हैं, देश के 90 फीसदी से अधिक लोग इसकी वजह से *बेहद सतर्क* या फिर खतरे के क्षेत्र में हैं। यह अध्ययन कैंब्रिज यूनिवर्सिटी में रमित देबनाथ और उनके सहयोगियों ने किया है, जिसमें कहा गया है कि राजधानी दिल्ली लू के प्रभावों की वजह से संवेदनशील है और खतरे के क्षेत्र में है। खबरों के अनुसार, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन की वैज्ञानिक कमलजीत रे, आर के गिरि, एस एस रे और एपी डिमरी के साथ मिल तैयार किए गए रिसर्च के अनुसार, हीटवेव की वजह से

भारत में पिछले 50 सालों में 17,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। हालांकि यह पेपर 2021 में प्रकाशित हुई थी, जिसमें बताया गया कि 1971 से लेकर 2019 तक देश में लू की 706 घटनाएं हुईं। पिछले रविवार को महाराष्ट्र के नवी मुंबई में एक पुरस्कार समारोह के दौरान लू लगने की वजह से 13 लोगों की मौत हो गई थी। यह लू की वजह से हुई मौत की लेटेस्ट मामला है। भारत की जलवायु की स्थिति का आकलन करने के लिए, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने क्लाइमेट वल्नरबिलिटी इंडेक्स के साथ देश के हीट इंडेक्स का भी अध्ययन किया। हीट इंडेक्स (एचआई) के जरिए तापमान और नमी को देखते हुए इंसानी शरीर कितना गर्म महसूस करता है, मापा जाता है। जबकि क्लाइमेट वल्नरबिलिटी इंडेक्स एक समग्र सूचकांक है जो लू से पड़ने वाले प्रभाव का आकलन करने के लिए आजीविका और जैव-भौतिक कारकों के अलावा सामाजिक आर्थिक जैसी चीजों का इस्तेमाल करता है। इस अध्ययन से यह पता चला कि देश का 90 फीसदी हिस्सा लू की वजह से बेहद सतर्क या खतरनाक श्रेणी में है। साथ ही अध्ययन में चेतावनी दी गई कि यदि भारत गर्म हवाओं के असर को तुरंत कम करने में नाकाम रहता है, तो उसके सतत विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दिशा पर असर पड़ सकता है। भारत में 1901 से मौसम से जुड़े रिकॉर्ड रखे जा रहे हैं और इस साल फरवरी अब तक का सबसे गर्म फरवरी रहा, हालांकि लगातार बढ़ते तापमान मार्च में गिरा क्योंकि इस दौरान कई बारिश ने गर्मी को कम कर दिया। पिछले साल मार्च अब तक का सबसे गर्म और 121 साल के इतिहास में तीसरा सबसे सूखा साल साबित हुआ। 1901 के बाद से ही देश का तीसरा सबसे गर्म अप्रैल भी देखा गया।

पुंछ हमले पर सेना प्रमुख ने रक्षामंत्री से की बात

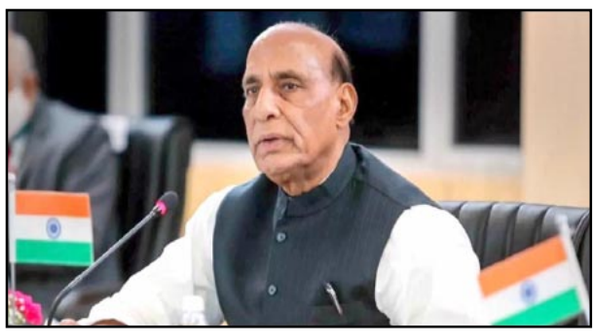

पुंछ। जम्मू कश्मीर के पुंछ में वीरवार को आतंकी हमले के बाद वाहन में आग लगने से पांच जवान शहीद हो गए। घटना में एक जवान गंभीर रूप से झुलस गया। उसे उपचार के लिए सैन्य अस्पताल ले जाया गया है। सेना ने बयान में कहा है कि शहीद आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए तैयार राष्ट्रीय राइफल्स की एक इकाई में शामिल थे। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को इस घटना की विस्तृत जानकारी दी है। इलाके में आतंकियों को खोजने के लिए अभियान चलाया गया है। इसके साथ ही ड्रोन से निगरानी भी की जा रही है। पूरे इलाके में चेकिंग की जा रही है। सेना के मुताबिक जिस वाहन में जवान सवार थे उस पर आतंकवादियों ने अचानक फायरिंग कर दी। संभावना जताई जा रही है कि ग्रेनेड में विस्फोट होने के कारण वाहन में आग लगने से जवान इसकी चपेट में आ गए। जिस समय यह हमला हुआ उस दौरान इलाके में बारिश के कारण बहुत कम दृश्यता थी। आतंकियों ने इसी का फायदा उठाया। अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों को पकड़ने के लिए अभियान जारी है। स्थानीय सैन्य अधिकारी और पुलिस पूरे इलाके में तलाशी अभियान चला रहे हैं।

सूरत कोर्ट के फैसले पर कांग्रेस ने जताई नाराजगी

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी को मोदी सरनेम केस में सूरत कोर्ट से झटका लगा है। सूरत कोर्ट ने मोदी उपनाम वाले बयान को लेकर राहुल गांधी को आपराधिक मानहानि मामले में दोषी ठहराए जाने के फैसले पर रोक लगाने की उनकी याचिका गुरुवार को खारिज कर दी। जिसको लेकर कांग्रेस ने नाराजगी जताई है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक मनु सिंघवी ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक प्रेसवार्ता के दौरान कहा कि सूरत कोर्ट के फैसले को लेकर वह अन्य कोर्ट जाएंगे। सिंघवी ने कहा कि उन्हें आशा है कि हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट सूरत कोर्ट के फैसले को ठीक करेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास जितने भी कानूनी विकल्प हैं, उसमें हम अपने अधिकार क्षेत्र का इस्तेमाल करेंगे। सिंघवी ने कहा कि जो ओबीसी के अपमान की बात कह रहे हैं, अब उसका उल्टा असर हो रहा है। ओबीसी वर्ग समझ चुका है कि मोदी सरकार राजनीतिक रूप से उनके नाम का दुरुपयोग कर रही है। उल्लेखनीय है कि सूरत की अदालत ने राहुल गांधी

अब रुपए और टाका में व्यापार करेगा भारत-और बांग्लादेश

नई दिल्ली/ढाका। भारत और बांग्लादेश ने दोनों देशों के बीच वाणिज्यिक लेनदेन में एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। दोनों देशों ने निर्णय लिया है कि अब से वे भारतीय रुपए और बांग्लादेशी टाका में वाणिज्यिक लेनदेन करेंगे। मालूम हो कि बांग्लादेश से भारत को निर्यात की जाने वाली रकम करीब दो अरब डॉलर है। दूसरे शब्दों में, दोनों देश टाका और रुपए में दो अरब डॉलर के लेन-देन को पूरा करेंगे। त्रिपुरा के आयात-निर्यात व्यापार से जुड़ी बिजनेस सोसाइटी के मुताबिक, इसके परिणामस्वरूप दोनों देशों के आयात-निर्यात व्यापार में तेजी आएगी। पिछले वित्त वर्ष में भारत से बांग्लादेश का आयात करीब 13।69त्न था। इसमें से दो बिलियन डॉलर का लेन-देन रुपए में किया जाएगा, लेकिन बाकी का भुगतान हमेशा की तरह अमेरिकी डॉलर में किया जाएगा। दोनों देशों के बैंक अधिकारियों ने बताया कि वैश्विक आर्थिक संकट के चलते दोनों देशों ने अलग-अलग देशों में डॉलर संकट से निपटने के लिए यह फैसला किया है। अब से, दोनों देश किसी तीसरी मुद्रा को शामिल किए बिना टाका-रुपए में सीधे व्यापार करेंगे। अब बांग्लादेश का सोनाली बैंक और ईस्टर्न बैंक इंडियन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक में एक-दूसरे की मुद्रा में लेनदेन के लिए खाते खोलेंगे।

भाजपा विधायक ने मणिपुर डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष पद से दिया इस्तीफा

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर में पिछले एक सप्ताह में भाजपा के तीन नेताओं ने महत्वपूर्ण पदों से इस्तीफा दे दिया है। करम श्याम, विधायक थकचम राधेश्याम के बाद भाजपा के एक और विधायक ने आज एक स्वायत्त निकाय के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। विधायक पी ब्रजेन सिंह ने गुरुवार को मणिपुर डेवलपमेंट सोसाइटी के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। ब्रजेन सिंह थौबल जिले के अंतर्गत वांगजिंग तेंथा विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित विधायक थे। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को आज 20 अप्रैल को लिखे पत्र में उन्होंने अपने इस्तीफे की वजह *निजी कारण* बताया है। ब्रजेन सिंह का इस्तीफा ऐसे समय में आया है जब कुकी समुदाय के कुछ निर्वाचित विधायक केंद्रीय नेतृत्व से हस्तक्षेप की मांग को लेकर नई दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। कुकी समुदाय के विधायक शिकायत कर रहे हैं कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह की सरकार पारदर्शी ढंग से काम नहीं कर रही है। इसके अलावा,

बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा नहीं कर रही है। इसलिए वे वर्तमान राज्य नेतृत्व के प्रति अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए नई दिल्ली जा रहे हैं। 17 अप्रैल को भाजपा विधायक करम श्याम ने पर्यटन निगम के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। लांगथबल विधानसभा क्षेत्र के विधायक करम श्याम ने यह कहते हुए अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया कि राज्य सरकार का वरिष्ठ नेतृत्व अपने सहयोगियों के साथ समान व्यवहार नहीं कर रहा है। अपने सहयोगियों को धमकी देने वाला नेता अस्वीकार्य है। श्याम ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने उनके निर्वाचन क्षेत्र में एक ऐतिहासिक स्थल विकसित करने का वादा किया था लेकिन अब वह इसे नजरंदाज कर रहे हैं। मुख्यमंत्री को भेजे त्याग पत्र में उन्होंने लिखा कि 21 नवंबर 2022 को मुझे पर्यटन निगम का अध्यक्ष नियुक्त किया गया था लेकिन अध्यक्ष के रूप में कोई जिम्मेदारी नहीं सौंपी गई है। इसी कड़ी में बीते मंगलवार को मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के सलाहकार के पद से थकचाम राधेश्याम ने इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मणिपुर में नेतृत्व की तानाशाही कायम हो गई है। इससे कई विधायक नाखुश हैं। मुख्यमंत्री हों या राज्य पार्टी नेतृत्व, वे बदलाव चाहते हैं।

कुछ नौकरशाहों के पास राजनेताओं से ज्यादा ताकत : धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने गुरुवार को कहा कि राज्य स्तर पर कुछ नौकरशाहों के पास राजनेताओं की तुलना में अधिक शक्ति है। उन्होंने आत्मनिरीक्षण और उनकी काउंसलिंग करने का आह्वान किया ताकि सिविल सेवा को लेकर जो लोगों का विश्वास है उसके अनुरूप वे काम कर सके। सिविल सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि देश के कुछ हिस्सों में राजनीतिक आकाओं की मिलीभगत, संघीय ढांचे पर दबाव और पारदर्शिता एवं जवाबदेही को नुकसान पहुंचाने के कारण *भारत के मजबूत ढांचे* को कमजोर किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने 16वें सिविल सेवा दिवस के दो दिवसीय समारोह के उद्घाटन के मौके पर कहा कि राज्य स्तर पर कुछ नौकरशाह राजनेताओं के लिए एक वास्तविक चुनौती बन रहे हैं। उनके पास अधिक शक्ति है जिससे कोई भी राजनेता ईर्ष्या कर सकता है। इस मामले में आत्मनिरीक्षण और उनकी काउंसलिंग करने की आवश्यकता है ताकि उनकी सेवा लोगों के उस विश्वास के अनुरूप बनी रहे, जिसका प्रतिष्ठा के साथ दशकों से पालन किया गया है। उन्होंने कहा कि ये महत्वपूर्ण मुद्दे आपस में उलझने के बजाय समाधान की मांग करते हैं। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय सेवा (आचरण) नियम, 1968 और संबंधित कानूनी व्यवस्था का

ईमानदारी से पालन करना वैकल्पिक व्यवस्था नहीं है। उन्होंने नियमों के एक प्रावधान का उल्लेख किया, जिसमें कहा गया है एक सिविल सेवक के लिए यह अनिवार्य है कि जब वह अपने वरिष्ठ अधिकारी से मौखिक निर्देश प्राप्त करता है, उसके बाद जल्द से जल्द लिखित में इसकी पुष्टि करेगा। धनखड़ ने कहा कि कुछ मामलों में इसका उल्लंघन देखा गया है। उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह एक संवैधानिक अनिवार्यता है कि केंद्र और राज्यों के प्रशासन में एकरूपता होनी चाहिए ताकि संघवाद सहकारी संघवाद में विकसित हो सके जैसा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल्पना की थी। उन्होंने कहा, मुद्दों का हल करने की तत्काल आवश्यकता है ताकि सिविल सेवा की प्रभावकारिता और उदात्तता खो न जाए। धनखड़ ने कहा कि नौकरशाही स्वाभाविक रूप से विधायिका, न्यायपालिका और राजनीतिक कार्यपालिका के हस्तक्षेप से ग्रस्त है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों से सद्भाव में कार्य करने की अपेक्षा की जाती है। वे टकराव में नहीं आ सकते। वे शिकायतकर्ता मोड में नहीं हो सकते। उन्हें सहयोगी रूप में रहना होगा ... इसके लिए हम सभी को काम करना चाहिए। यदि हमारे लोकतंत्र को फलते-फूलते और बनाए रखना है तो शक्तियों के बंटवारे के सिद्धांत का पालन करना होगा उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि संगठनों से खतरे निकल रहे हैं।

SHORT TENDER NOTICE

This is for general information to all concerned that timber lots procured from seized/departmental/Wind fallen timber lying in various Forest Depots under Sonitpur East Division, Biswanath Chariali are intended to be Sale by e-tender from 20/04/2023 to 19/05/2023 upto 2:00 PM (IST), as per Assam Sale of Forest Produce Coups and Mahal Rules. 1977. The tender will open on the same day at 2:30 PM (IST). If this office does not function on the above day for any reason beyond control. tender will be opened on the next working day. E-tender will be conducted through the web portal www.asssamforestonline.in

Interested bidders may obtain details of the sale notice from the website www.assamforestonline.in

Divisional Forest Officer
Sonitpur East DiMision,
Biswanath Chariali.

-- Janasanyog /C/1233/23

पृष्ठ एक का शेष

असम-अरुणाचल सीमा...

को *ऐतिहासिक* बताया। क्षेत्र विशेष पर चर्चा के लिए पिछले साल क्षेत्रीय समितियों का गठन किया गया था, जिनमें मंत्री, स्थानीय विधायक और दोनों राज्यों के अधिकारी शामिल थे। गौरतलब है कि अरुणाचल प्रदेश लगातार कहता रहा है कि मैदान हिस्सों में स्थित कई वन क्षेत्र पारंपरिक रूप से पहाड़ी के आदिवासी प्रमुखों और समुदायों के हुआ करते थे, और उन्हें एकतरफा फैसले में असम को दे दिया गया। अरुणाचल प्रदेश को 1972 में केंद्र शासित प्रदेश घोषित किया गया था। अरुणाचल प्रदेश को 1987 में पूर्ण राज्य का दर्जा मिलने के बाद एक समिति का गठन किया गया, जिसने असम के कुछ क्षेत्रों को वापस अरुणाचल प्रदेश को देने की सिफारिश की। असम ने इसको चुनौती दी थी और मामला लंबे समय तक उच्चतम न्यायालय में लंबित था।

नरोदा नरसंहार : सभी...

दिन वीएचपी ने बंद बुलाया गया था, सुबह ही लोग अपनी दुकानें बंद कर के भागने लगे, अपने घरों में ताला लगा लिया और सड़क पर जितने लोग मौजूद थे, वो इधर-उधर भागने लगे। दरअसल, बंद का आह्वान कर रहे लोगों ने पथराव और आगजनी शुरू कर दी। देखते-ही-देखते नरोदा गांव का पूरा हुलिया बदल गया था। इस दौरान नरोदा गांव और नरोदा पटिया दोनों ही क्षेत्र प्रभावित हुए थे, इस दौरान कुल 97 लोगों के मौत की खबर सामने आई थी। लगभग 10 घंटे तक चले इस नरसंहार के बाद पूरे गुजरात में दंगे फैल गए थे। इस मामले में एसआईटी ने जांच शुरू की और पूर्व राज्य मंत्री माया कोडनानी को मुख्य आरोपी बताया। दंगे ने इतना भयानक रूप ले लिया था कि 27 शहरों और कस्बों में कर्फ्यू लगाना पड़ा था, क्योंकि वहां के लगभग तमाम मुस्लिमों के घरों को पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया था।

मानहानि केस : राहुल ...

गुजरात हाई कोर्ट में चुनौती दी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि सत्र अदालत ने निचली अदालत के 23 मार्च के फैसले के खिलाफ अपील की सुनवाई के लिए 20 मई की तारीख मुकर्रर की है। राहुल ने निचली अदालत के आदेश के खिलाफ तीन अप्रैल को सत्र अदालत का रुख किया था। उनके वकील ने गांधी को दो साल की सजा के निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर मुख्य अपील के साथ दो अर्जियां भी दायर की थीं, जिनमें एक अर्जी जमानत के लिए थी, जबकि दूसरी अर्जी मुख्य अपील के निस्तारण तक दोषसिद्धि पर रोक के लिए। गांधी की अर्जी खारिज करते हुए अदालत ने कहा कि उनके वकील यह प्रदर्शित करने में विफल रहे कि यदि उन्हें (गांधी को) दोषसिद्धि पर रोक न लगने के कारण जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 8(3) के तहत चुनाव लड़ने के अवसर से वंचित किया जाता है, तो उन्हें अपरिवर्तनीय और अप्रतिसंहरणीय क्षति होने की संभावना है। राहुल गांधी 2019 के लोकसभा चुनाव में केरल के वायनाड से सांसद बने थे। गत 23 मार्च को सूरत की एक अदालत ने भाजपा के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर आपराधिक मानहानि के मामले में राहुल गांधी को दोषी करार दिया था और दो साल के कारावास की सजा सुनाई थी, जिसके एक दिन बाद उन्हें लोकसभा की सदस्यता से अयोग्य करार दिया गया।

2047 तक नशा ...

हैं कि 2016 से इस साल फरवरी तक 295.07 किलोग्राम हेरोइन, 111789.7 किलोग्राम गांजा, 463.16 किलोग्राम अफीम, 9,46,412 खांसी की दवाई की बोतलें, 19,812 किलोग्राम याबा की गोलियां, 3316 किलोग्राम पोस्त भूसा, 44.89 किलोग्राम चूर्ण राज्य में मॉर्फिन 14.04 किलोग्राम मेथामफेटामाइन, 1151 फॉर्टवाइन जोसिन इंजेक्शन, 1.64 किलोग्राम कोकीन, 8.37 किलोग्राम क्रिस्टलाइन जब्त किया गया।

बहुत बड़ी उपलब्धि...

अब पूर्वोत्तर को विकसित, शांत और विवाद मुक्त रखने का सपना साकार हो रहा है। सीमा विवाद को लेकर आज असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री प्रेमा खांडू के बीच एक समझौता ज्ञापन पर यहां गृह मंत्रालय में हस्ताक्षर किए गए। इस क्षण को ऐतिहासिक बताते हुए गृह मंत्री ने कहा कि जिन विवादों का समाधान आजादी के समय हो जाना चाहिए था उनका 75 साल बाद अब समाधान हो रहा है। यह एक बड़ी उपलब्धि है।

असम, अरुणाचल और ...

शनिवार (22 अप्रैल) के बीच होगी। वहीं, असम और मेघालय में शुक्रवार (21 अप्रैल) और शनिवार (22 अप्रैल) को भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, अगले पांच दिनों (20-24 अप्रैल) के दौरान पूर्वोत्तर में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम तीव्रता की काफी व्यापक बारिश होने की संभावना है। इस सप्ताह के शेष दिनों के लिए पूर्वोत्तर में येलो अलर्ट जारी की गई है।

दिलीप कुमार नाथ का...

बन जाता था। उनके साथ काम करनेवाले लोगों का मानना है कि मनुष्य हो तो उनकी तरह। यह कहते हुए उनकी आंखें नम हो जाती है। उनके प्रति प्रेम और श्रद्धा से भरे लोगों ने परिवार में पहुंचकर श्रद्धांजलि-प्रेमांजलि अर्पित की है।

दुनिया के सबसे ...

लेकिन ऑर्बिट में जाने से पहले ही रॉकेट में जबरदस्त ब्लास्ट हो गया। इस ब्लास्ट की वजह से रॉकेट हवा में ही धुआं हो गया। इस घटना के वीडियो भी सामने आ रहे हैं। जिसमें साफ दिख रहा है कि लॉन्चिंग के बाद यह रॉकेट जमीन से बहुत ऊंचाई पर पहुंच चुका था। लेकिन अचानक ही इसमें विस्फोट हुआ। यह स्पेस एक्स कंपनी के लिए बड़ा झटका है। क्योंकि कंपनी को इस रॉकेट से काफी उम्मीदें थीं। रॉकेट के बारे में स्पेसएक्स ने जानकारी शेयर की थी कि इस रॉकेट की मदद से इंसानों को भी दूसरों ग्रहों पर भेजा जा सकेगा। कंपनी ने बताया था कि एलन मस्क 2029 तक इंसानों को अंतरिक्ष में भेजना चाहते हैं और वहां पर इंसानों के रहने के इंतजाम भी करना चाहते हैं। स्टारशिप इसी ऑपरेशन के लिए तैयार किया गया था। बता दें कि यह दुनिया का अब तक सबसे बड़ा रॉकेट था। इसकी ऊंचाई 395 फीट यानी 120 मीटर थी। हाल ही में नासा ने भी 2025 तक अंतरिक्ष यात्रियों को अंतरिक्ष में भेजने की बात कही थी। नासा ने भी अंतरिक्ष में वैज्ञानिकों को भेजने के लिए इसी स्टारशिप को चुना है।

पुंछ आतंकी हमला

में जी-20 बैठक को भी निशाना बनाने की धमकी दी है। पीएएफएफ उन आतंकी संगठनों में एक है जो पिछले कुछ वर्षों में जम्मू कश्मीर में सक्रिय हुए हैं। पीएएफएफ को जैश-ए-मोहम्मद और अल-बदर का हिट स्क्वाड माना जाता है। इसमें हरकत और तहरीक-उल-मुजाहिदीन के अलावा हिजबुल के कुछ आतंकी भी शामिल बताए जाते हैं। बता दें कि मृतक पांचों सैनिक राष्ट्रीय राइफल्स यूनिट के थे और इलाके में आतंकवाद विरोधी अभियानों के लिए तैनात किए गए थे। बयान में कहा गया है कि अपराधियों का पता लगाने के लिए अभियान जारी है और आगे की जानकारी का पता लगाया जा रहा है। वहीं रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने आज जम्मू-कश्मीर के पुंछ सेक्टर में आतंकवादी हमले में पांच सैनिकों की मौत के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के जवान जमीनी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और उचित कार्रवाई कर रहे हैं।

सूडान से भारतीयों को ...

संयुक्त राष्ट्र महासचिव अंटिनियो गुटरेश से विचार-विमर्श करेंगे। प्रवक्ता ने कहा कि सूडान की राजधानी खार्तूम स्थित भारतीय दूतावास काम कर रहा है। हालांकि दूतावास भवन में इस समय कोई कर्मी मौजूद नहीं है। भारतीय राजनयिक फंसे हुए लोगों के साथ संपर्क में हैं। भारतीय दूतावास जिस इलाके में है वहां अन्य देशों के राजनयिक मिशन भी हैं तथा उस इलाके में संघर्ष चल रहा है। फिलहाल भारतीय दूतावास को निशाना बनाये जाने की कोई जानकारी नहीं है। प्रवक्ता ने कहा कि सूडान के हालात तनावपूर्ण हैं। हमारा ध्यान भारतीयों की सुरक्षा पर केंद्रित है तथा उनके साथ विभिन्न माध्यमों से संपर्क कायम है। उन्होंने कहा कि सूडान से भारतीयों को बाहर निकालने के संबंध में हमारी ओर से आपात योजना तैयार की गई है तथा हम पूरी तरह से तैयार हैं। सूडान में संघर्ष रत गुटों के बीच 24 घंटे का युद्ध विराम कायम है। इसके मद्देनजर प्रवक्ता ने कहा कि हमें देखना है कि युद्ध विराम कितने समय जारी रहता है। परिस्थितियों के अनुरूप लोगों को बाहर निकालने का काम हो सकेगा। प्रवक्ता ने कहा कि यह ध्यान रखना होगा कि हवाई अड्डा काम कर रहा है या नहीं तथा सड़क मार्ग से निकासी संभव है या नहीं। सूडान में पिछले कुछ दिनों से वहां की सेना और अर्धसैनिक बलों के बीच लड़ाई जारी है। इसमें एक भारतीय नागरिक की मौत हो चुकी है। बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी मारे गए हैं।

प्रवासी मजदूरों को ...

खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत उन्हें लाभ मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने ये आदेश याचिकाकर्ताओं अंजलि भारद्वाज, हर्ष मंदर और जगदीप छोक्कर द्वारा दायर किए गए एक आवेदन पर दिया है। इन लोगों ने अपने आवेदन में एनएफएसए के तहत प्रवासी मजदूरों को राशन दिया जाना चाहिए, इसे लेकर बात कही थी। इससे पहले एससी ने 17 अप्रैल को कहा था कि केंद्र और राज्य सरकारें केवल इस आधार पर प्रवासी श्रमिकों को राशन कार्ड देने से इनकार नहीं कर सकती हैं कि एनएफएसए के तहत जनसंख्या अनुपात को ठीक से बनाया नहीं गया है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि कल्याणकारी राज्य में लोगों तक पहुंचना सरकार का कर्तव्य है। इस दौरान पीठ ने ये भी कहा कि हम यह नहीं कह रहे हैं कि सरकार अपना कर्तव्य निभाने में विफल रही है या कोई लापरवाही हुई है। फिर भी यह मानते हुए कि कुछ लोग छूट गए हैं, केंद्र और राज्य सरकारों को यह देखना चाहिए कि उन्हें राशन कार्ड मिले। साथ ही कहा गया कि सरकार का काम है कि योजना जरूरतमंदों तक पहुंचे और कभी-कभी कल्याणकारी राज्य में हर प्यासे के पास कुआं पहुंचना भी जरूरी है। कोर्ट में एक आंकड़ा पेश किया गया, इसमें 28।86 करोड़ श्रमिकों ने असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों जैसे निर्माण श्रमिकों, प्रवासी मजदूरों, सड़क विक्रेताओं और घरेलू मदद के लिए बने ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकरण होने की बात है। इसमें 24 राज्यों और उनके श्रम विभागों के बीच डेटा साझा किया जा रहा है। प्रारंभिक डेटा मैपिंग की गई है। लगभग 20 करोड़ लोग राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लाभार्थी हैं, जो पोर्टल पर पंजीकृत हैं।

स्वर्वेद भाष्य

चतुर्थ मंडल **दशम अध्याय**

(गृहस्थ संत)

मन वच काया कर्मणा, सद्गुरु शरण अधीन।
अनन्य भाव सिद्धान्त रत, सेवा मन लवलीन॥ 43॥

शब्दार्थ : (अनन्य भाव) अनन्य शरण (सिद्धांत) सद्गुरु का विवेक और परोक्ष-अपरोक्ष का पूर्ण बोध तथा अनुभव-पथ का दर्शन।

भाष्य : मन, वच, काया और कर्म से सद्गुरु-शरण में अधीन रह, अनन्यशरण भाव से सिद्धांत-पथ पर चलकर सेवायुक्त हो, प्रभु की उपासना होती है।

सद्गुरु ब्रह्मस्वरूप हैं, कर सेवा मन लाय॥
जीव भाव आवे नहीं, सब विधि भ्रम नशाय॥ 44॥

शब्दार्थ : (भ्रम) संशय, अज्ञान।

भाष्य : सद्गुरु ब्रह्मस्वरूप हैं इसलिए जीव का भाव छोड़कर शुद्ध मन से उनकी सेवा करनी चाहिए, जिससे सब प्कार का संशय नष्ट हो जावे। सद्गुरु को निर्भ्रांत वचन से ही सर्व संशय एवं मोह की निवृत्ति होती है।

तूफान के दौरान एक महिला की मौत

चिरांग (हिस)। चिरांग जिला के बेंगतल राजस्व चक्र अंतर्गत भारत-भूटान सीमावर्ती इलाके में तूफान की वजह से एक महिला की मौत का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया है कि भारत-भूटान सीमावर्ती इलाके के सेलेखागुरी बनगांव में तूफान की वजह से बीती रात पेड़ गिरने के चलते एक महिला की मौत हो गई। मृत महिला की पहचान जुंगाखाली बसुमतारी (44) के रूप में की गई है। घटना बी रात की है। काफी दुर्गम इलाका होने की वजह से घटना की जानकारी गुरुवार को सामने आई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत महिला के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

एनएसए की टीम ने डिब्रूगढ़ जेल में अमृतपाल के सहयोगियों से की मुलाकात

गुवाहाटी। राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी (एनएसए) की पांच सदस्यीय टीम ने भगोड़े सिख कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह के नौ सहयोगियों से डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में मुलाकात की, जहां वे पिछले महीने से बंद हैं। साथ ही, अमृतपाल के वारिस पंजाब दे (डब्ल्यूपीडी) संगठन के एक कैडर दलजीत सिंह खालसी के परिवार के सदस्य भी डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल आए हैं। हालांकि, पुलिस सूत्रों के मुताबिक, उनके साथ एनएसए की टीम नहीं थी। डिब्रूगढ़ केंद्रीय जेल प्राधिकरण के एक करीबी सूत्र ने कहा कि खालसी की पत्नी भी उनसे मिलने के लिए जेल में हैं। एनएसए टीम का नेतृत्व सेवानिवृत्त न्यायाधीश शबिहुल हसनैन, सुवीर श्योकंद, दिवांशु जैन, पंजाब के आईजीपी राकेश

अग्रवाल और पंजाब पुलिस की एसपी रुपिंदर कौर भट्टी कर रहे थे। जेल सूत्रों के अनुसार, वे बुधवार शाम डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल गए और कुछ घंटों के लिए जेल परिसर में रहे। इस बीच, एनएसए टीम या खालसी के परिवार के सदस्यों के दौरे पर असम पुलिस ने कोई बयान जारी नहीं किया है।

खालिस्तान समर्थक दलबीर सिंह खालसा के दो रिश्तेदारों ने की मुलाकात

डिब्रूगढ़ (हिंस)। एनएसए के तहत डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद खालिस्तान समर्थित नौ कैदियों में से एक दलबीर सिंह खालसा के दो रिश्तेदारों ने गुरुवार को डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में बंद खालिस्तान समर्थित दलबीर सिंह खालसा से मुलाकात की। डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल में करीब एक महीने से बंद खालिस्तान समर्थित कैदियों से आज पहली बार किसी रिश्तेदार ने मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि एनएसए के तहत पांच सदस्यीय सलाहकार टीम बुधवार की शाम डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार आयी थी और उसने करीब तीन घंटे बिताए थे।

25 मवेशियों को ले जा रहा ट्रक जब्त दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद अवैध तरीके से पशुओं की तस्करी जारी है। इसी कड़ी में गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में चलाए गए अभियान के दौरान नगांव से मेघालय के पशु बाजार तक जा रहे 25 मवेशियों से लदे एक ट्रक को जब्त किया गया है। जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी ने बताया है कि गुरुवार सुबह चलाए गए अभियान के दौरान नगांव से मेघालय के पशु बाजार तक 25 मवेशियों को लेकर जा रहे ट्रक (एएस-01जेसी-5696) को जब्त किया गया। इस मामले में ट्रक चालक और खलासी को गिरफ्तार किया गया है।

आशा और खुशी का त्योहार रंगाली शुरू

गुवाहाटी। असम और पूर्वोत्तर की संस्कृति, परंपराओं और जायकों का जश्न मनाने वाले चार दिवसीय महोत्सव रोंगाली के सातवें संस्करण की शुरुआत गुरुवार को कई गतिविधियों, प्रदर्शनियों और प्रस्तुतियों के साथ हुई। गुवाहाटी के खानापारा वेटरनरी कॉलेज ग्राउंड में आयोजित होने वाले इस महोत्सव में राज्य की अनूठी संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किए गए कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है। महोत्सव के प्रमुख आकर्षणों में से एक *वोकल फॉर लोकल* प्रदर्शनी है, जो गुरुवार शाम से शुरू हुई। प्रदर्शनी का उद्देश्य स्थानीय उत्पादों और उद्यमिता को बढ़ावा देना है। एक अन्य लोकप्रिय आकर्षण स्थानीय कलाकारों के काम को प्रदर्शित करने वाली कला प्रदर्शनी है। लोक मंच ने पूर्वोत्तर क्षेत्र की सांस्कृतिक विविधता का एक मिश्रण प्रस्तुत किया। सेवेन सिस्टर और सिक्किम के कलाकारों ने क्षेत्र की शानदार जातीय संस्कृति का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीक्षिता कोंवर के बोरगीत से हुई। बहु-व्यंजन फूड कोर्ट, एनईआर से व्यंजनों की विस्तृत किस्मों के साथ। शाम छह बजे शुरू हुए *गुड वाइब्स* संगीत मंच ने लोकप्रिय स्थानीय संगीतकारों व गायकों ने दर्शकों को आकर्षित किया। संगीत कार्यक्रम में प्रतिध्वनि, औशायज्य सैकिया, बिश्रुत सैकिया, प्रियंका भराली और नीलोत्पल बोरा शामिल हैं। महोत्सव, जिसका उद्देश्य रचनात्मकता, उद्यमिता को बढ़ावा देना है। महोत्सव स्थानीय लोगों और आगंतुकों के बीच समान रूप से बहुत उत्साह पैदा किया है। असम के मंत्री अशोक सिंघल और नंदिता गारलोसा ने राज्य और देश के विभिन्न हिस्सों से आए अन्य गणमान्य व्यक्तियों और प्रतिभागियों की उपस्थिति में चार दिवसीय समारोह का औपचारिक उद्घाटन किया। आवास और शहरी मामलों और सिंचाई राज्य मंत्री अशोक सिंघल ने कहा कि गुवाहाटी पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार है। हमें खुशी है कि गुवाहाटी में रोंगाली जैसा आयोजन हो रहा है। सिंघल ने आशा व्यक्त की कि रोंगाली और बड़े रूप में भारत का एक प्रमुख त्योहार होगा। श्री सिंघल ने असम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में गुवाहाटी की विभिन्न विकास योजनाओं पर जोर दिया और कहा कि गुवाहाटी दक्षिण पूर्व एशिया का एक प्रमुख केंद्र बन जाएगा। बिजली, खान और खनिज और सहकारिता मंत्री नंदिता गोरलोसा ने रोंगाली के माहौल को विभिन्न जनजातियों और समुदायों के बैठक मैदान और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए बताया है। उन्होंने उल्लेख किया कि दीमा हसाओ रोंगाली में कुछ विशेष कार्यक्रम बना रहे हैं और लोगों से सुंदर दीमा हसाओ जिले का दौरा करने का आग्रह किया।

ऊषा सिलाई स्कूल ने ईस्ट इंडिया फैशन वीक के साथ की साझेदारी

गुवाहाटी। ऊषा सिलाई स्कूल ने ईस्ट इंडिया फैशन वीक (ईआईएफडब्ल्यू) के पांचवें संस्करण के साथ अपनी भागीदारी की घोषणा की। पांचवे ईआईएफडब्ल्यू का आयोजन 28 और 29 अप्रैल को गुवाहाटी में होगा। ऊषा सिलाई स्कूल की चुनिंदा महिलाओं ने असम की डिजाइनर नंदिनी बरुवा और मेघना राय मेधी, सिक्किम की त्सेरिंग डोलमा और मणिपुर की अरबिन तोंजम और मिजोरम की एस्केप एंगमोइया के प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन में काम किया। दो दिन के इस फैशन शो में इन महिलाओं द्वारा बनाए गए डिजाइनर वियर कलेक्शन का प्रदर्शन किया जाएगा, इसके अलावा यह महिलाएं रैंप पर भी दिखाई देंगी। इस पहल के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से चुनी गईं, ऊषा सिलाई स्कूल की महिलाओं में सिक्किम के पाक्योंग गांव की निवासी दुर्गा रानी, एग्रीगांव विलेज की ललिता राय, असम के बंकाकाटा गांव की निवासी धरित्री कलिता, असम में सिल्चर की रिंकी दास, मणिपुर के मोइरंग गांव की निवासी सालम थोइबी देवी शामिल हैं। इसके अलावा मणिपुर की इलांगबाम सुरबाला, असम की पिंकुमोनी देवी, असम की पल्लबी बोरा, मिजोरम की रामनगईहपुई और मिजोरम की लालथियांगग्लिमी को इस पहल के लिए चुना गया है। डिजाइनर्स के साथ काम करते हुए, इन महिलाओं ने अपने काम में स्?थानीय अंदाज को बरकरार रखा है। इससे उनके कलेक्शन में बेमिसाल खूबसूरती के साथ स्थानीय संवेदशालता अनोखे ढंग से उभरकर सामने आएगी। ऊषा सिलाई स्कूल्स, ऊषा इंटरनेशनल की वाइस प्रेसिडेंट मैरी रूपा टेटे ने कहा कि ऊषा सिलाई स्कूल एक ऐसा प्रयास है जो देश भर में ग्रामीण महिलाओं की आमदनी बढ़ाने के लिए उन्हें विशेष कौशल मुहैया करा रहा है। इससे उनके बेहतर कल का मार्ग प्रशस्त होगा और की अपनी शर्तों पर कारोबार करने वाले उद्यमी के रूप में उनका विकास होगा। ईस्ट इंडिया फैशन वीक के साथ यह सहयोग, सिलाई स्कूल की महिलाओं के लक्ष्यों को प्राप्त करने की राह पर उन्हें आगे बढ़ाएगा। इससे उन्हें लंबी अवधि में सुनहरे अवसर मिलेंगे और डिजाइनर्स की बिरादरी में उनकी क्षमता उभरकर सामने आएगी। यह साझेदारी ग्रामीण महिलाओं की उद्यमिता और महिला सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त करती है। हम इस तरह के अवसरों और चैनलों के माध्यम से इन ग्रामीण महिलाओं के असाधारण कार्य को बढ़ावा देना रखेंगे। ईस्ट इंडिया फैशन वीक की संस्थापक और प्रवक्ता मेधा सैकिया ने कहा कि ईस्ट इंडिया फैशन वीक में ऊषा सिलाई स्कूल की भागीदारी हमारे लिए सम्मान की बात है। इस ताकतवर पहल का उद्देश्य ग्रामीण अंचल में रहने वाली महिलाओं को जमीनी स्तर पर सशक्त और मजबूत बनाकर पूरे माहौल में बदलाव लाना है। भारत में प्रतिभाशाली डिजाइनरों और कलाकारों की कमी नहीं है और जब सही कौशल और संसाधनों से लैस ये महिलाएं एक साथ आएंगी तो उनके उद्यमिता के सपनों को हकीकत में बदलने की राह बनेगी और ऊषा इंटरनेशनल इस दिशा में शानदार काम कर रही हैं। ईस्ट इंडिया फैशन वीक ने पूर्वोत?तर क्षेत्र के डिजाइनर्स और बुनकरों को अपनी प्रतिभा दिखाने और स्?थानीय बुनावट एवं बुनकरों को ब?ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया है। इस साल, 30 डिजाइनर्स इस कार्यक्रम में भाग लेंगे।

दुर्घटना के बाद तेल टैंकर पूर्णत: जल गया

रि-भोई (हिंस)। रि-भोई जिला के मावपुन में शिलांग बाईपास पर हुई एक सड़क दुर्घटना में तेल टैंकर (एनएल- 01एन-4287) पूरी तरह जल गया। पुलिस ने बताया कि गुरुवार को एक बड़ी दुर्घटना रि-भोई जिला के मावपुन में शिलांग बाईपास पर टैंकर के पलटने के बाद भीषण आग लग गई। घटना आज दोपहर करीब 1.20 बजे हुई। तेज गति से आ रहे तेल टैंकर (एनएल-01एन-4287) के पलटने और एक हल्के मोटर वाहन को टक्कर मारने के बाद यह घटना घटी। इस घटना में हल्के मोटर वाहन में भी आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए उमियाम पुलिस थाने के कर्मी और उमियाम के अग्निशमन आपातकालीन पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। दमकल वाहनों की कमी के कारण आग की लपटें और तेज हो गईं। हादसे में किसी के हताहत होने की खबर की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

नगांव में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन के नए शो रुम का उद्घाटन

नगांव (निसं)। ग्रीव्स मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड के द्वारा निर्मित एम्पीयर ब्रांड के उच्च कोटि के इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन जिसका परिचालन व्यय 15-20 पैसे प्रति किलोमीटर आता है। कंपनी के फिलहाल तीन वेरिएंट के वाहन यहां के बिक्री केंद्र में उपलब्ध है। जो उच्च मानदंड व तकनीक से लैस है। तीनो ही वेरिएंट आकर्षक रेट में उपलब्ध है। ग्रीव्स द्वारा प्रस्तुत एम्पीयर की दोपहिया वाहन क्षमता 150 किलोग्राम है और एक बार चार्ज करने पर 100 किलोमीटर चल सकते है। अलग अलग वेरिएंट में अधिकतम 50- 80 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से स्कूटी चलाई जा सकती है। शहर के खुटिकटिया

में बुधवार को इलेक्ट्रिक स्कूटी के शो रुम के शुभारंभ मौके पर इलेक्ट्रो व्हील्स नामक प्रतिष्ठान के प्रमुख विनोद पोद्दार उक्त वक्तव्य दे रहे थे। इस इलेक्ट्रिक स्कूटी शो रुम का उद्घाटन असम साहित्य सभा के पूर्व उपाध्यक्ष तथा साहित्यकार डॉ. नरेन कलिता ने किया। मुख्य अतिथि डॉ. कलिता का असमीया संस्कृति के अनुसार ढोल मृदंग आदि की ध्वनि से स्वागत किया गया। इस मौके पर डॉ. कलिता ने इलेक्ट्रिक स्कूटी के शो रुम के खुलने पर प्रतिष्ठान के पारिवारिक सदस्यों को अपनी शुभकामनाएं दी और कहा कि नगांव शहर भी व्यापार के क्षेत्र में आगे बढते जा रहा जिससे लोगों को गुणवत्ता वाले समान खरीदने अब अन्य बडेशहरो का रुख नही करना पडता है। इस अवसर पर इलेक्ट्रो व्हील्स नामक प्रतिष्ठान के प्रमुख विनोद पोद्दार, शहर के जाने-माने चिकित्सक डॉ. प्रमोद कुमार पोद्दार, श्रीमती संगीता पोद्दार, श्रेयांस पोद्दार, महेश पोद्दार, मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विजय कुमार मंगलूनिया, मारवाड़ी सम्मेलन नगांव शाखा के अध्यक्ष ललित कोठारी, नगांव राजस्थानी युवक संघ के पूर्व अध्यक्ष रमेश अग्रवाल , पूर्व पार्षद गोपाल पोद्दार, पूर्व पार्षद सुरेश राय, हुंती दास अदि काफी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित थे ।

ईद-उल-फितर के पूर्व गरीबों के बीच खाद्यान्न व कपड़े वितरित

नगरबेड़ा। कामरूप जिले के बोको निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत नगरबेड़ा मिलन नगर युवा संघ की पहल पर उन्होंने आगामी पवित्र ईद-उल-फितर के अवसर पर गरीबों के खाद्य सामग्री और कपड़े वितरित किए गए। युवा संघ के सदस्यों में शेख इनामुल हसन, सचिव हसनुर रहमान, सहायक सचिव नूर आजम, कोषाध्यक्ष अब्दुर राशिद, उपाध्यक्ष याकूब अली, पत्रिका संपादक नूर नजीर रहमान और सलाहकार हसनुल अहमद शामिल थे। ईद की पूर्व संध्या पर, संगठन ने इस तरह से गरीबों के बीच खाद्य पदार्थ वितरित करने के कार्य की सराहना की है। मालूम हो कि हर बार की तरह इस बार भी वितरण कार्यक्रम का आयोजन हर्षोल्ला से किया गया।

माहेश्वरी भवन में अक्षय तृतीया के उपलक्ष में अक्षय भजन गंगा कार्यक्रम आयोजित

गुवाहाटी (विभास)। छत्रीबाड़ी स्थित आसाम माहेश्वरी भवन में कल को माहेश्वरी महिला समिति के तत्वाधान में अक्षय तृतीया के उपलक्ष में अक्षय भजन गंगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। माहेश्वरी महिला समिती के नए सत्र का यह प्रथम आयोजन था। इस उपलक्ष्य में बहुत ही सुंदर दरबार सजाकर भगवान को विराजमान किया गया। सर्वप्रथम महेश बंदना ओर गणेश जी के भजन के साथ यह कार्यक्रम की शुरुवात हुई। बड़ी संख्या में समाज की बहनों द्वारा बहुत ही मधुर और सुरीले भजनों की प्रस्तुति दी गई। इस भजनगंगा में सभी बहनों ने भाव विभोर होकर नृत्य के साथ भजनों का भरपूर आनंद उठाया। तत्पश्चात भगवान की आरती करके प्रसाद चढ़ाया गया। समिति द्वारा सभी बहनों के लिए अल्पाहार

एवं चाय का प्रबंध किया गया था। इस अवसर पर अध्यक्षा वर्षा सोमानी, सचिव पुष्पा सोनी, कोषाध्यक्ष मधुलिका चांडक, संयोजिका सीमा सोनी, सह संयोजिका रचना काबरा के साथ, पूर्वोत्तर उपाध्यक्ष सीता झंवर, अखिल कार्यकारिणी सदस्या सरला काबरा, समिति सदस्याए, मंजू बागड़ी, सरला लाहोटी, मंजू सोनी, वंदना बिहानी, पार्वती बिरला शांता सिगची, निगम तापड़िया, रिचा पेडीवाल, शोभा लड्ढा, रिंकू काबरा, रीता साबू, बबीता काबरा, शोभना लड्ढा, राधिका सोनी, ममता मल, अखिल एवं पूर्वोत्तर के कई पदाधिकारी गण, पूर्व अध्यक्षाए, एवं समाज की बहनों ने बड़ी संख्या में अक्षय भजन गंगा कार्यक्रम में हिस्सा लेकर आयोजन को सफल बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

गुवाहाटी और रांची के बीच विशेष ट्रेन की सेवाएं बढ़ी

गुवाहाटी। यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पूर्वोत्तर सीमा रेल ने गुवाहाटी ङ्क रांची - गुवाहाटी साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन की सेवा को 22 अप्रैल से 24 सितंबर, 2023 तक अतिरिक्त 23 ट्रिपों के लिए जारी रखने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन मौजूदा समय-सारणी, ठहराव और संयोजन के साथ अपनी सेवा जारी रखेगी। इस विस्तारित सेवा से इस मार्ग में लंबी दूरी के यात्रियों की मांग को पूरा करने में मदद मिलेगी। ट्रेन संख्या 05671 (गुवाहाटी - रांची) स्पेशल की सेवाएं 22 अप्रैल से 23 सितंबर, 2023 तक प्रति शनिवार को गुवाहाटी से 11:40 बजे रवाना होकर अगले दिन रांची 14:25 बजे पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन सं. 05672 (रांची - गुवाहाटी) स्पेशल की सेवाएं 23 अप्रैल से 24 सितंबर, 2023 तक प्रति रविवार को रांची से 20:30 बजे रवाना होकर अगले दिन गुवाहाटी 23:45 बजे पहुंचेगी। अपने दोनों तरफ की यात्रा के दौरान यह विशेष ट्रेन वाया न्यू बंगाईगांव, अलीपुरद्वार जंक्शन, सिलीगुड़ी जंक्शन, मालदा टाउन, रामपुरहाट, आसनसोल जंक्शन और बोकारो स्टील सिटी होकर चलेगी। इस ट्रेन के ठहराव और समय-सारणी का विवरण आईआरसीटीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है और विभिन्न समाचार पत्रों एवं पूसी रेल के सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर भी अधिसूचित की जा रही है। यात्रियों से अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों पर ध्यान देने का अनुरोध किया जाता है।

कर्नल एम रमेश सिंह ने संभाली इंफैंट्री बटालियन की कमान

गुवाहाटी। मणिपुर के निवासी कर्नल एम रमेश सिंह ने *पूर्वोत्तर के प्रवेश द्वार* के एक क्षेत्र में सेना की इंफैंट्री बटालियन की कमान संभाली है। सिंह के द्वारा इस महत्वपूर्ण पद पर आसीन होने से पूर्वोत्तर के युवाओं में सेना को करियर के रूप में अपनाने की प्रेरणा मिलेगी। वे सैनिक स्कूल, इंफाल, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, भारतीय सैन्य अकादमी और प्रतिष्ठित रक्षा सेवा स्टाफ कॉलेज के पूर्व छात्र हैं। उन्हें अपने अब तक के शानदार करियर में सीडीएस प्रशस्ति पत्र, थलसेनाध्यक्ष प्रशस्ति पत्र और जीओसी-इन-सी प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया जा चुका है। उन्होंने अफ्रीका में भारतीय दल के हिस्से के रूप में संयुक्त राष्ट्र के तहत शांति मिशन में भी अपनी सेवाएं दी हैं। एम रोमेश सिंह पूर्वोत्तर के युवाओं से भारतीय सशस्त्र बलों में शामिल होने का आह्वान करते हुए कहते हैं, यह प्रोफेशन जीवन का एक तरीका है जिसे कुछ चुने हुए लोगों को राष्ट्र की सेवा करने का अवसर मिलता है।

करोड़ों रुपए की हेरोइन समेत दो गिरफ्तार

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में शामिल दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। राज्य के डीजीपी जीपी सिंह ने इसकी जानकारी गुरुवार की सुबह दी। डीजीपी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्बी आंग्लांग पुलिस द्वारा चलाए गए अभियान के दौरान 1.2 किग्रा प्रतिबंधित हेरोइन समेत दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार दोनों तस्कर टाटा डीआई वाहन (एएस-11डीसी-4350) के जरिए तस्करी कर रहे थे। जब्त किए गए ड्रग्स को 99 साबुनदानी के बॉक्स में छुपा कर रखा गया था। घटना के समय वाहन बरपथार से लाहरीजान की ओर जा रहा था। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार दोनों तस्करों से पूछताछ कर रही है।

सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने गैलेक्सी एम14 5जी को किया लांच

गुवाहाटी। भारत के सबसे बड़े इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने गैलेक्सी एम14 5जी को लांच किया है, जिसमें 50 एमपी ट्रिपल कैमरा, इस सेगमेंट की सबसे बेहतर 6000 एमएच बैटरी, 5एनएम प्रोसेसर के साथ और भी कई विशेषताएं हैं जो आपको सबसे बेहतरीन स्मार्टफोन का अनुभव देगा। गैलेक्सी14 5जी को आपके सबसे अच्छे साथी के तौर पर डिजाइन किया गया है। राहुल पाहवा, डायरेक्टर, मोबाइल बिजनेस, सैमसंग इंडिया ने कहा किगैलेक्सी एम सीरीज हमारे सभी उपभोक्ताओं के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सैमसंग की अटूट प्रतिबद्धता का एक बड़ा प्रयास है। 2019 में लांच होने के बाद से, गैलेक्सी एम सीरीज को भारत में लाखों उपभोक्ताओं का प्यार और सराहना मिली है। इस विरासत को आगे बढ़ाते हुए, हमें गैलेक्सी 14 एम 5जी को पेश करने पर बेहद गर्व महसूस हो रहा है, जो 50एमपी ट्रिपल कैमरा, 5एनएम प्रोसेसर, 6000 एमएच बैटरी और 13 5जी बैंड सपोर्ट जैसी इस सेगमेंट की बेहतरीन विशेषताओं के साथ आता है, जो इसे मॉन्स्टर 5जी डिवाइस बनाता है। गैलेक्सी एम14 5जी, 13, 490 रुपए से शुरू होने वाली प्रभावी कीमत पर उपलब्ध है। गैलेक्सी एम14 5जी में 50 एमपी का ट्रिपल कैमरा है। एप1.8 लेंस लो-लाइट फोटोग्राफी को बहुत स्पष्टता के साथ सक्षम बनाता है। शानदार सेल्फी के लिए डिवाइस में 13 एम का फ्रंट कैमरा भी है। तो, चाहे आप शौकिया फोटोग्राफर हो या पेशेवर फोटोग्राफर, गैलेक्सी एम14 5जी का शानदार कैमरा आपको शानदार तस्वीरें देगा। अपनी विशाल

6000 एमएएच बैटरी के साथ, गैलेक्सी एम14 5जी एक *पावर मॉन्स्टर* है जो बिना चार्ज किए लगातार 2 दिनों तक चल सकता है। आप अपनी बैटरी लाइफ की चिंता किए बिना घंटों तक नॉनस्टॉप ब्राउज और बिंज कर सकते हैं। स्मार्टफोन 25डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग को भी सपोर्ट करता है जो आपके फोन को कुछ ही देर में रिचार्ज कर सकता है। गैलेक्सी एम14 5जी एक *परफॉर्मेंस मॉन्स्टर* है, इस सेगमेंट में सबसे बेहतर 5एनएम एक्सीनॉस 1330 प्रोसेसर है। यह चिपसेट एक बेहतर प्रदर्शन प्रदान करता है जिससे उपयोगकर्ता बिना किसी रुकावट के एक साथ कई काम कर सकते हैं। इसमें एक प्रभावशाली पावर सीपीयू संरचना भी है और बेहतर गेमिंग अनुभव के लिए यह इतनी साफ, स्पष्ट और आधुनिक रूप से बढ़िया 3डी ग्राफिक्स प्रदान करता है। इतना ही नहीं, गैलेक्सी एम14 5जी रैम प्लस फीचर के साथ 12 ल़क़तक रैम के साथ आता है।

भगवान बुद्ध के मार्ग पर चलते तो नहीं आता जलवायु परिवर्तन का संकट : प्रधानमंत्री मोदी

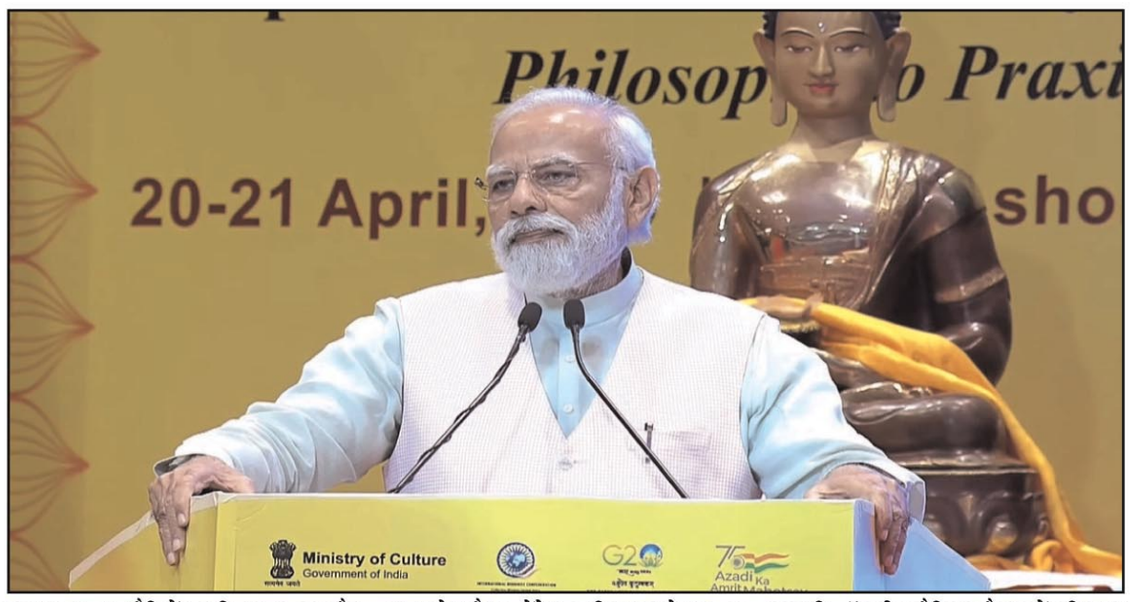

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि बुद्ध का मार्ग भविष्य का मार्ग है। इस मार्ग पर चलने से संघर्ष के स्थान पर समन्वय और अशांति के स्थान पर शांति प्राप्त होती है। अगर दुनिया पहले से ही भगवान बुद्ध के मार्ग पर चलती तो जलवायु परिवर्तन जैसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को दिल्ली स्थित अशोक होटल में प्रथम दो दिवसीय वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने विचार साझा कर रहे थे। इस दौरान दुनिया भर से आए बौद्ध धर्मावलंबियों का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि युद्ध और अशांति से पीड़ित दुनिया को बुद्ध ने सदियों पहले ही ऐसी समस्याओं का समाधान दे दिया था। उन्होंने कहा कि बुद्ध व्यक्ति से आगे बढ़कर एक बोध हैं। बुद्ध स्वरूप से आगे बढ़कर एक सोच हैं। बुद्ध चित्रण से आगे बढ़कर एक चेतना हैं। उन्होंने कहा कि बुद्ध की चेतना चिरंतर और निरंतर है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मानवता लगातार गलतियों के कारण विनाश की कगार पर खड़ी है। भगवान बुद्ध के अनुसार गलतियों को सुधारा जाए तो समस्याओं का समाधान संभव है। प्रत्येक व्यक्ति का कर्म दुनिया पर एक प्रभाव छोड़ता है। हमें अपने जीवन में बदलाव लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत की मिशन लाइफ लाइफ-स्टाइल फॉर इन्वार्यमेंट की पहल इसी दिशा में शुरूआत है। संस्कृति मंत्रालय अंतरराष्ट्रीय बौद्ध परिसंघ के सहयोग से 20-21 अप्रैल को दिल्ली में दो दिवसीय प्रथम वैश्विक बौद्ध शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। इस सम्मेलन का उद्देश्य वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में मानवता के समक्ष उत्पन्न चुनौतियों पर विचार करना और बौद्ध दर्शन के परिप्रेक्ष्य में उनका समाधान खोजना है। दुनियाभर से सम्मेलन में भाग लेने आए लोगों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बुद्ध का मार्ग परियक्ति, पटिपत्ति और पटिवेध यानी सिद्धांत, अभ्यास और अहसास पर आधारित है। पिछले 9 वर्षों में भारत इन तीनों ही बिन्दुओं पर तेजी से आगे बढ़ा है। आगे उन्होंने कहा कि दुनिया के अलग-अलग देशों में पीस मिशन्स हों या तुर्किए में भूकम्प जैसी आपदा। भारत अपना पूरा सामर्थ्य लगाकर हर संकट के समय मानवता के साथ मम भाव से खड़ा होता है। उन्होंने कहा कि भारत ने भगवान बुद्ध के मूल्यों का निरंतर प्रचार प्रसार किया है। अमृत-काल में भारत के भविष्य के लक्ष्य काफी विशाल हैं और इसमें वैश्विक कल्याण के नए संकल्प भी हैं। कई विषयों पर भारत ने नई पहल की है। इन सभी में बुद्ध हमारी प्रेरणा के बड़े स्रोत रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दुनियाभर से आए शीर्ष बौद्ध धर्मगुरुओं का विशेष स्वागत किया। कार्यक्रम को केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी और कानून मंत्री किरण रिजिजू ने भी संबोधित किया। शिखर सम्मेलन का विषय रिस्पांस टू कांटेंपरी चैलेंजेस फ्राम फिलॉसफी टू प्रैक्सिस है। इसमें दुनियाभर के प्रख्यात विद्वान, संघ नेता और धर्म के अनुयायी वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। साथ ही बुद्ध धर्म के दृष्टिकोण से सार्वभौमिक मूल्यों को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे। इसमें बुद्ध धर्म और शांति, पर्यावरणीय संकट, स्वास्थ्य और स्थिरता, नालंदा बौद्ध परंपरा का संरक्षण तथा बुद्ध धर्म तीर्थयात्रा, जीवित विरासत और बुद्ध अवशेष जैसे विषयों पर विचार किया जाएगा। सम्मेलन में लगभग 30 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। करीब 173 अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागी सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं, जिनमें 84 संघ सदस्य हैं।

उद्योगपति गौतम अडाणी ने की शरद पवार से मुलाकात

मुंबई, (हि.स.)। उद्योगपति गौतम अडाणी ने सुबह राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार के मुंबई स्थित आवास सिलवर ओक पर जाकर मुलाकात की। यह मुलाकात इन दोनों के बीच तकरीबन दो घंटे तक चली। इस मुलाकात के बारे में दोनों तरफ से अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। इसलिए इस मुलाकात को लेकर चर्चा का माहौल गरमाया हुआ है। दरअसल, हिंडनबर्ग रिपोर्ट के बाद जहां विपक्ष ने अडाणी समूह के प्रति आक्रामक रुख अपनाया, वहीं शरद पवार ने अलग रुख अपनाया था। शरद पवार ने कहा था कि अतीत में, टाटा-बिड़ला समूहों का उपयोग विपक्ष द्वारा सरकार की आलोचना करने के लिए किया जाता था। देश के विकास में इन समूहों का योगदान सभी जानते हैं। आजकल सरकार को निशाना बनाने के लिए अडाणी-अंबानी समूहों के नाम का इस्तेमाल किया जाता है। अंबानी समूह ने पेट्रोकेमिकल्स और अन्य क्षेत्रों में काफी काम किया है। अडाणी समूह ने बिजली और अन्य क्षेत्रों में बहुत कुछ किया है। देश को इसकी जरूरत है। अगर सबूत है कि इन समूहों ने कुछ अवैध या गलत किया है, तो लोकतंत्र में आलोचना करने का अधिकार है लेकिन अगर कोई सबूत नहीं है, तो यह गलत है। शरद पवार ने इस मामले पर टिप्पणी करते हुए जेपीसी यानी संयुक्त संसदीय समिति की जांच की बजाय सुप्रीम कोर्ट के जज से जांच कराने की मांग की थी। इसी वजह से कांग्रेस, शि-ावसेना के नेताओं सहित कई लोगों ने पवार की आलोचना की थी। आज गौतम अडाणी-शरद पवार के बीच हुई दो घंटे की मुलाकात के बाद फिर से इस मुद्दे पर चर्चा होने लगी है।

नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से आए चीतों को मिले नए नाम

नई दिल्ली, (हि.स.)। पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों के लिए नए नाम स-ुझाने के लिए आयोजित प्रतियोगिता के विजेताओं को बधाई दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 सितंबर को मन की बात में परियोजना चीता के बारे में आम जनता को लोकप्रिय बनाने और संवेदनशील बनाने के इरादे से नागरिकों से नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीतों के लिए नामों के सुझावों के साथ आने का आग्रह किया था। इन सुझावों के आधार पर नामीबिया से आए चीतों का नाम आशा, पवन, नाभा, ज्वाला, गौरव, शौर्य और धरती रखा गया है। इसी तरह दक्षिण अफ्रीका से आए चीतों का नाम दक्षा, नीर्वा, वायु, अग्नि, गामिनी, तेजस, वीरा, सूरज, धीरा, उदय, प्रभास और पावक रखा गया है। मंत्रालय ने नाम का सुझाव देने वाले प्रतिभागियों के नाम भी जारी किए हैं। प्रतियोगिता मायगोव (mygov.in) मंच पर पिछले साल 26 सितंबर से 31 अक्टूबर तक आयोजित की गई थी। कुल 11,565 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। इनमें चीतों के नाम सुझाए गए थे। एक चयन समिति द्वारा प्रविष्टियों की जांच की गई और उनके संरक्षण व सांस्कृतिक मूल्य के लिए सुझाए गए नामों के महत्व और प्रासंगिकता के आधार पर नामीबिया और दक्षिण अफ्रीकी चीता के लिए नए नामों का चयन किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने वकीलों की हड़ताल पर लगाई रोक, 'शिकायत निवारण समिति' के गठन का निर्देश

अजय कुमार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि वकील हड़ताल पर नहीं जा सकते। काम से बच भी नहीं सकते। जस्टिस एमआर शाह की अध्यक्षता वाली बेंच ने सभी राज्यों के हाई कोर्ट को चीफ जस्टिस की अध्यक्षता में राज्य स्तर पर शिकायत निवारण समिति के गठन का निर्देश दिया है, जहां वकील अपनी समस्याओं के लिए आवेदन कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वकीलों को कोई शिकायत या परेशानी है तो इसके समाधान के लिए कई मंच हैं। कोर्ट ने अपने फैसले में सभी हाईकोर्ट्स से आग्रह किया कि वकीलों की ऐसी शि-ाकायतों के निवारण के लिए समिति बनाएं, जिसकी अध्यक्षता खुद चीफ जस्टिस करें। साथ ही अन्य दो वरिष्ठ जज इसमें शामिल किए जाएं। कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जिला स्तर पर भी ऐसी समितियां बनाई जा सकती हैं, जिससे किसी न्यायिक अधिकारी या वकील पर किसी तरह का कोई तनाव न हो। 24 जनवरी को कोर्ट ने बार काउंसिल ऑफ इंडिया से कहा कि वो वकीलों की हड़ताल से निपटने के लिए कदम उठाए ताकि ऐसी घटनाओं को रोकना सुनिश्चित किया जा सके। कोर्ट ने कहा था कि इसके लिए हम बार काउंसिल से अधिक गंभीरता की उम्मीद करते हैं।

राहुल की याचिका खारिज होने पर जयराम रमेश ने कहा, कानून के तहत सभी विकल्पों का लाभ उठायेंगे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी नेता राहुल गांधी की सत्र न्यायालय में अर्जी खारिज होने पर गुरुवार को कहा कि पार्टी कानून के तहत सभी विकल्पों पर विचार करेगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गुजरात के सत्र न्यायालय से कोई राहत नहीं मिली। मोदी सरनेम मानहानि केस में सूरत कोर्ट ने सजा पर रोक लगाने की उनकी अर्जी खारिज कर दी है। इस मामले में सूरत की निचली अदालत ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी। इस फैसले के बाद जयराम रमेश ने कहा कि कानून के तहत सभी उपलब्ध विकल्प हमारे पास हैं। हम उन सभी का लाभ उठाना जारी रखेंगे। कांग्रेस नेता एवं वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी शाम 4:00 बजे राहुल गांधी की अपील पर मीडिया को जानकारी देंगे।

खारघर हीट स्ट्रोक पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री की चुप्पी असंवेदनशील : संजय राऊत

मुंबई, (हि.स.)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय राऊत ने गुरुवार को कहा कि खारघर हीट स्ट्रोक पर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की चुप्पी बेहद असंवेदनशील है। संजय राऊत ने राज्य सरकार पर इस घटना में मरने वालों की संख्या छिपाए जाने का भी आरोप लगाया है। राऊत ने कहा कि इस घटना में कम से कम 50 से अधिक लोगों के मरने की आशंका है, लेकिन सरकार मृतकों के परिवार वालों को पैसे देकर चुप करा रही है, साथ ही मीडिया को विज्ञापन देकर सच्ची खबर देने से मना किया जा रहा है। संजय राऊत ने पत्रकारों को बताया कि महाराष्ट्र भूषण पुरस्कार कार्यक्रम में हीट स्ट्रोक से 14 लोगों की मौत का झूठा दावा सरकार कर रही है, जबकि इस घटना में पचास से अधिक लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है। संजय राऊत ने कहा जिन 14 लोगों का पोस्टमार्टम आया है, उस पोस्टमार्टम रिपोर्ट में साफ दिख रहा है कि इन लोगों के पेट में अन्न का एक भी दाना नहीं था और पानी की एक बूंद भी पेट में नहीं थी। खारघर की घटना पर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री बात करने को तैयार नहीं हैं। पालघर में भीड़ ने तीन साधुओं की हत्या पर राजनीति करने वाले आज 50 से अधिक लोगों की हत्या पर असंवेदनशील हो गए हैं। देवेंद्र फडणवीस की इंसानियत अब मर चुकी है।

20 से अधिक बिल्डरों के कार्यालय व घरों पर आयकर की छापेमारी

मुंबई, (हि.स.)। नासिक में 20 से अधिक बिल्डरों के घर और कार्यालयों पर आयकर विभाग की टीम गुरुवार सुबह 5 बजे से छापेमारी कर रही है। इस छापेमारी में मुंबई, छत्रपति संभाजीनगर, पुणे और नासि-ाक जिलों के आयकर विभाग के तकरीबन 100 से अधिक अधिकारी व कर्मचारी शामिल हैं। खबर लिखे जाने तक छापेमारी के बारे में आयकर विभाग की ओर से कोई अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। बताया जा रहा है कि यह छापेमारी कर चोरी मामले को लेकर की जा रही है। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह तकरीबन 5 बजे 50 गाड़ियों में सवार आयकर विभाग की टीमों ने नासिक में एक साथ 20 बिल्डरों के घर और कार्यालयों पर छापा मारा। आयकर विभाग की टीम नासिक में एमजी रोड, सिडको, सातपुर, पंचवटी आदि इलाकों में यहां के नामचीन बिल्डरों के यहां कागजातों की जांच-पड़ताल कर रही है। बताया जा रहा है कि नासिक के बिल्डरों ने बड़े पैमाने पर कर की चोरी की है। इसकी शिकायत आयकर विभाग के समक्ष की गई थी, इसी आधार पर आयकर विभाग की कार्यवाही हो रही है।

यूनिफॉर्म-किताबें खरीदने को मजबूर करने वाले प्राइवेट स्कूलों पर नकेल

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली स-रकार पेरेंट्स को महंगी किताबें और स्कूल ड्रेस खरीदने को मजबूर करने वाले प्राइवेट स्कूलों के खिलाफ एक्शन मोड़ में है। दिल्ली के शिक्षा विभाग ने नियमों का उल्लंघन करने वाले स्कूलों को कारण बताओं नोटिस भेजना शुरू कर दिया गया है। नोटिस का संतोषजनक जबाव नहीं मिलने पर शिक्षा निदेशालय संबंधित स्कूलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगा। इस बारे में जानकारी देते हुए दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी ने कहा कि पेरेंट्स से शिकायत आने पर संबंधित स्कूलों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है। साथ ही डीडीई स्तर पर इसकी जांच भी की जा रही है। अगर कहीं पर भी दिल्ली सरकार के दिशा-निदेशों का उल्लंघन पाया गया तो उन स्कूलों पर दिल्ली स्कूल एजुकेशन एक्ट 1973 के संबंधित प्रावधानों की तहत कार्रवाई की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि पेरेंट्स से आने वाली शिकायतों पर उन्होंने खुद नजर बनाई हुई है। शिक्षा निदेशालय को निर्देश दिए है कि पेरेंट्स की ओर से आने वाली हर शिकायत का तुरंत समाधान किया जाए ताकि उन्हें किसी प्रकार की समस्या का सामना ना करना पड़े। दरअसल शिक्षा निदेशालय द्वारा गाइडलाइन्स जारी करने के बावजूद पेरेंट्स की ओर से कई स्कूलों के खिलाफ शिकायत मिल रही थी कि स्कूल प्रशासन उन्हें खास वेंडर से महंगी किताबें और स्कूल ड्रेस खरीदने को मजबूर कर रहे हैं जो पूरी तरह से नियमों का उल्लंघन है। इससे निपटने के लिए शिक्षा निदेशालय अभिभावकों की ओर से आने वाली शिकायतों पर अधिकारियों द्वारा जांच करवा रही है। गाइडलाइन्स के उल्लंघन की स्थिति में स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। निदेशालय ने गाइडलाइन्स के उल्लंघन के मामले में सख्ती बरतते हुए अबतक 12 स्कूलों को कारण बताओं नोटिस भेजा है और साथ ही 6 अन्य स्कूलों के खिलाफ जांच भी की है।

एयर मार्शल संदीप सिंह राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में सैन्य सलाहकार नियुक्त

नई दिल्ली, (हि.स.)। वायु सेना के पूर्व वाइस चीफ एयर मार्शल संदीप सिंह को राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में नया सैन्य सलाहकार नियुक्त किया गया है। वह जनरल अनिल चौहान की जगह लेंगे, जिन्हें पिछले साल अक्टूबर में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ के रूप में नियुक्त किया गया था। लगभग छह माह से यह महत्वपूर्ण पद भी उन्हीं के पास था, लेकिन अब एयर मार्शल 24 अप्रैल को अपनी नई नियुक्ति संभालेंगे। वह राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल के साथ सैन्य सलाहकार की भूमिका निभाएंगे। भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद कार्यकारी सरकारी एजेंसी है, जिसे राष्ट्रीय सुरक्षा और रणनीतिक हित के मामलों पर प्रधानमंत्री कार्यालय को सलाह देने का काम सौंपा गया है। इसकी स्थापना भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 19 नवंबर, 1998 की थी और ब्रजेश मिश्रा को पहला राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार नियुक्त किया गया था। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के अलावा रक्षा प्रमुख, उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, रक्षा मंत्री, विदेश, गृह, वित्त मंत्री और नीति आयोग के उपाध्यक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्य हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय में नए सैन्य सलाहकार के रूप में नियुक्त किये गए एयर मार्शल संदीप सिंह वायु सेना में रहते सुखोई विमान को भारतीय वायुसेना में शामिल कराने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने पिछले साल 01 अक्टूबर को वायुसेना के वाइस चीफ के रूप में पदभार संभाला था। इससे पहले वे दक्षिण पश्चिमी वायु कमान के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ थे। एयर मार्शल संदीप सिंह ने 39 साल तक वायु सेना में सेवा दी, जिसके बाद वह वायु सेना के उप प्रमुख के पद से जनवरी, 2023 में सेवानिवृत्त हुए। एयर मार्शल संदीप सिंह 22 दिसंबर, 1983 को भारतीय वायु सेना में फाइटर पायलट के रूप में कमीशन हुए थे। एयर मार्शल सिंह नेशनल डिफेंस एकेडमी पुणे और नेशनल डिफेंस कॉलेज दिल्ली के पूर्व छात्र रहे हैं। उन्हें सुखोई-30, मिग-29, मिग-21, किरण, एएन-32, एवरो, जगुआर और मिराज-2000 पर लगभग 4900 घंटे के ऑपरेशनल और टेस्ट फ्लाइट का अनुभव है। एयर मार्शल संदीप सिंह ने अपने करियर में कई महत्वपूर्ण फील्ड असाइनमेंट पूरे किए हैं। उन्होंने मॉस्को में सुखोई-30 प्रोजेक्ट टीम के प्रोजेक्ट टेस्ट पायलट, सुखोई स्क्वाड्रन के कमांडिंग ऑफिसर के पदों पर काम किया है।

दिल्ली में एप्पल रिटेल स्टोर की शानदार ओपनिंग, टिम कुक ने ग्राहकों का किया स्वागत

अजय त्यागी

नई दिल्ली। दुनिया की अग्रणी प्रौद्योगिकी एवं आईफोन निमार्ता कंपनी एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने गुरुवार को साकेत में एप्पल के रिटेल स्टोर का उद्घाटन किया। यह भारत में एप्पल का दूसरा रिटेल स्टोर है। दिल्ली से पहले मुंबई में कंपनी का पहला रिटेल स्टोर दो दिन पहले ही खुला है। एप्पल के साकेत स्टोर के बाहर लोगों की लंबी कतार लगी हुई है। राजधानी दिल्ली के साकेत स्थित सेलेक्ट सिटीवॉक मॉल में एप्पल के पहले और भारत में दूसरे स्टोर का कंपनी के सीईओ टिम कुक ने उद्घाटन किया। एप्पल साकेत नाम के इस स्टोर का डिजाइन दिल्ली के पुराने दरवाजों से प्रेरित है। टिम कुक ने इस अवसर पर स्टोर का दरवाजा खोलकर ग्राहकों का स्वागत भी किया। इससे पहले एप्पल के सीईओ टिम कुक ने देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 18 अप्रैल को एप्पल के पहले स्टोर का उद्घाटन करने के साथ स्टोर का दरवाजा खोलकर ग्राहकों का स्वागत भी किया था। उल्लेखनीय है कि राजधानी दिल्ली के साकेत स्थित एप्पल का रिटेल स्टोर आकार में मुंबई के स्टोर से थोड़ा छोटा है। एप्पल ने भारत में अपना पहला रिटेल स्टोर मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) में खोला गया है। यह स्टोर रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के जियो वर्ल्ड ड्राइव मॉल में खोला गया है।

भारत का 90 फीसदी हिस्सा भीषण गर्मी की चपेट में, पूरी दिल्ली पर लू का कहर

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो इस समय भारत का 90 फीसदी हिस्सा भीषण गर्मी से हलाकान है। जबकि समूची दिल्ली लू की चपेट में है। भारत में गर्मी ने कहर बरपा रखा है। जलवायु परिवर्तन के कारण भारत में लू लगातार और भी खतरनाक होती जा रही है। एक नए रिसर्च में कहा गया है कि देश का 90 प्रतिशत से अधिक हिस्सा और पूरी दिल्ली लू के प्रभावों के खतरे के क्षेत्र में है। रिसर्च कैंब्रिज विश्वविद्यालय में रमित देबनाथ और उनके सहयोगियों द्वारा किया गया है। रिसर्च में कहा गया है कि लू ने संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को प्राप्त करने की दिशा में भारत की प्रगति को पहले की तुलना में ज्यादा बाधित किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के पूर्व सचिव एम राजीवन द्वारा वैज्ञानिक कमलजीत रे, एस एस रे, आर के गिरि और ए पी डिमरी के साथ लिखे गए एक रिसर्च के अनुसार हीटवेव ने भारत में 50 सालों में 17,000 से अधिक लोगों की जान ले ली। साल 2021 में प्र-काशित रिसर्च में कहा गया था कि 1971 से 2019 तक देश में लू की 706 घटनाएं हुईं। वहीं रविवार को नवी मुंबई में महाराष्ट्र सरकार के पु-रस्कार समारोह में हीटस्ट्रोक से तेरह लोगों की मौत हो गई। जिससे यह देश के इतिहास में हीटवेव से संबंधित किसी भी घटना से सबसे अधिक मौतों में से एक बन गया। वहीं जलवायु भेद्यता सूचकांक (सीवीएल) एक समग्र सूचकांक है जो हीटवेव के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए सामाजिक आर्थिक, आजीविका और जैव-भौतिक कारकों के लिए विभिन्न संकेतकों का उपयोग करता है। शोधकताओं ने खतरे की श्रेणियों को वर्गीकृत करने के लिए सरकार के राष्ट्रीय डेटा और एनालिटिक्स प्लेटफॉर्म से राज्य-स्तरीय जलवायु भेद्यता संकेतकों पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध डेटासेट का उपयोग किया है। रिसर्च में पता चला है कि 90 प्रतिशत से अधिक भारत एचएल के माध्यम से हीटवेव प्रभावों की बेहद सतर्क या खतरे की श्रेणी में है। वहीं सीवीआई के माध्यम से कम या मध्यम भेद्यता माना जाता है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि भारत गर्म हवाओं के प्रभाव को तुरंत दूर करने में विफल रहता है, तो यह सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति को धीमा कर सकता है।

विधायक नितीन देशमुख सहित पांच सौ कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया

मुंबई, (हि.स.)। ठाकरे गुट के विधायक नितीन देशमुख सहित करीब पांच कार्यकर्ताओं को नागपुर के धामना गांव में पुलिस ने हिरासत में लिया है। यह सभी कार्यकर्ता विधायक नितीन देशमुख के नेतृत्व में जल संघर्ष यात्रा के साथ शुक्रवार को उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नागपुर स्थित आवास के सामने प्रदर्शन करने वाले थे। खबर लिखे जाने तक पुलिस इन सभी को आकोला ले गई है। नितीन देशमुख ने पत्रकारों को बताया कि भले ही उन पर मामला दर्ज कर गिरफ्तार किया तो भी वे जमानत नहीं लेंगे। इसके बाद वे प्रधानमंत्री निवास पर प्रदर्शन करेंगे। जानकारी के अनुसार आकोला जिले तथा आस-पास के इलाकों में पानी की भीषण किल्लत है। इसी वजह से नितीन देशमुख ने जलसंघर्ष यात्रा की शुरूआत 10 अप्रैल को अकोला से की थी। 21 अप्रैल को नितिन देशमुख और उनके सहयोगी उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आवास के सामने पानी के मुद्दे को लेकर धरना देने वाले थे। लेकिन आज नागपुर की सीमा पर धामना गांव में विधायक नितिन देशमुख की संघर्ष यात्रा को पुलिस ने रोक दिया। और उनके साथ सभी कार्यकर्ताओं को पकड़कर आकोला लाए हैं। नितीन देशमुख ने पुलिस पर कानून का दुरुपयोग करने और कार्यकर्ताओं को पीटने का आरोप लगाया है। नितीन देशमुख ने यह भी कहा कि उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पर पुलिस पर दबाव बनाने का भी आरोप लगाया है। ठाकरे गुट के प्रवक्ता संजय राऊत ने कहा कि एक तरफ खारघर में पानी के बिना लोगों की मौत हो गई। दूसरी तरफ पानी के लिए आंदोलन करने वाले विधायक नितिन देशमुख और उनके समर्थकों पर सरकारी दबाव की वजह से पुलिस कार्रवाई कर रही है। यह सरकार संवेदनहीन हो गई है।

राज्यपाल से मिले डीपीएस के बच्चे, महान व्यक्तियों के चित्रों से कराया गया परिचित

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राजभवन में दिल्ली पब्लिक स्कूल, सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ के कक्षा 11वीं एवं 12वीं के 30 विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के साथ मुलाकात की। विद्यार्थियों ने राज्यपाल से नेतृत्व के विभिन्न पदों पर रहते हुए उनके द्वारा किए गए विविध जनहितकारी कार्यों की जानकारी ली। इस मौके पर राज्यपाल ने राजभवन के नीलकुसुम कक्ष में उनसे भेंट के दौरान विविध मुद्दों पर चर्चा की।

इसके साथ ही कक्ष में लगे चित्रों की ओर उनका ध्यानाकर्षण कराते हुए उत्तर प्रदेश के मानचित्र में राम-जानकी मार्ग, देश के प्रथम राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री, वर्तमान राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री, देश के प्रधानमंत्रियों, महात्मा गांधी के चित्रों, जनकक्ष के दीवारों पर प्रदर्शित प्रदेश के राज्यपालों के चित्रों के अवलोकन हेतु ध्यानाकर्षित कराया। उन्होंने चित्रों में प्रदर्शित महान राजनीतिक व्यक्तित्वों पर विद्यार्थियों से चर्चा की। मुलाकात के दौरान स्कूल की एक छात्रा द्वारा अपने स्कूल की स्थापना से अब तक के विकास की जानकारी दी गयी। एक अन्य छात्र शिवम ने महिला सशक्तिकरण पर पुरजोर आवाज उठाती स्वरचित कविता का पाठ राज्यपाल के समक्ष किया।

तीसरी बार अपना महापौर बनाने में जुटी भाजपा

मेरठ, (हि.स.)। मेरठ नगर निगम में महापौर पद के लिए अब केवल भाजपा उम्मीदवार की घोषणा होनी बाकी है। अन्य सभी दलों ने अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। भाजपा महापौर पद पर तीसरी बार अपना उम्मीदवार जिताने के प्रयासों में जुटी है। इसलिए उम्मीदवार को लेकर गहन मंथन किया जा रहा है। मेरठ नगर निगम में महापौर और 90 पार्षद, नगर पालिका परिषद और नगर पंचायतों के लिए दूसरे चरण में मतदान होगा। इसके लिए नामांकन प्रक्रिया चल रही है। भाजपा को छोड़कर सभी दलों ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। सपा ने गुर्जर बिरादरी से सीमा प्रधान, बसपा ने तेली मुस्लिम बिरादरी के हशमत मलिक, आम आदमी पार्टी ने जाट बिरादरी से ऋचा सिंह तो कांग्रेस ने कसाई बिरादरी से नसीम कुरैशी पर दांव खेला है। अब सभी दलों की निगाह भाजपा उम्मीदवार की घोषणा पर लगी है। बताया जा रहा है कि भाजपा 21 अप्रैल की रात तक अपने उम्मीदवार घोषित कर देगी। भाजपा से टिकट पाने की दौड़ में पूर्व महापौर हरिकांत अहलूवालिया और कैंट बोर्ड की पूर्व उपाध्यक्ष वीना वाधवा सबसे आगे हैं। हरिकांत अहलूवालिया पंजाबी समाज की कलाल उप जाति से आते हैं। इसके साथ ही उनकी पत्नी रस्तोगी समाज से हैं तो पुत्रवधू जाट है। जबकि वीना वाधवा जाट समाज से आती हैं और उनकी ससुराल पंजाबी समाज में है। इसके अलावा भाजपा के टिकट के अन्य दावेदारों में गुर्जर समाज से मनोज पोसवाल, विनय प्रधान, नरेश गुर्जर, जोगी समाज से नरेंद्र उपाध्याय हैं। जाट समाज से सचिन सिरोही, डॉ. वीरोत्तम तोमर, डॉ. तनुराज सिरोही शामिल हैं। प्रजापति बिरादरी से सचिन प्रजापति भी दावेदारों में शामिल हैं। मेरठ नगर निगम बनने के बाद 1995 में पहली बार महापौर पद के लिए चुनाव हुआ। उस समय बसपा के अय्यूब अंसारी ने जीत हासिल की थी। जबकि 2000 में हुए चुनाव में बसपा के शाहिद अखलाक को महापौर बनने में सफलता मिली। 2006 में भाजपा की मधु गुर्जर और 2012 में भाजपा के हरिकांत अहलूवालिया चुनाव जीतने में सफल रहे। 2017 में फिर से बसपा को जीत हासिल हुई। बसपा की सुनीता वर्मा ने भाजपा की कांता कर्दम को हरा दिया। अब बसपा चौथी बार अपना महापौर बनाने की तैयारी में है तो भाजपा की निगाह तीसरी बार महापौर का चुनाव जीतने पर लगी है। वरिष्ठ पत्रकार अजय यादव कहते हैं कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के लिए मेरठ नगर निगम अभी तक मरुस्थल साबित हुआ है। दोनों ही दलों का कोई उम्मीदवार महापौर पद पर जीत हासिल नहीं कर पाया है। स्थानीय स्तर पर चचाओं में इस बार सपा उम्मीदवार सीमा प्रधान जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं तो कांग्रेस उम्मीदवार नसीम कुरैशी भी जीत की उम्मीद जता रहे हैं।

निर्वाचन कार्यों को कार्मिक आयोग के निदेर्शानुसार सम्पन्न कराएं : डीडीओ

- कार्मिक चुनाव सामग्री लेकर पूरी पार्टी के साथ पोलिंग बूथ के लिए रवाना होगें: टीआर वर्मा

हरदोई, (हि.स.)। नगर निकाय निर्वाचन को लेकर गुरुवार को रसखान प्रेक्षागृह में आयोजित निर्वाचन कार्मिकों को प्रशिक्षण दिया गया। जिला विकास अधिकारी (डीडीओ) अजय प्रताप सिंह ने इस दौरान कहा कि नगरीय निकाय चुनाव की गंभीरता को कार्मिक ध्यान में रखें। सभी निर्वाचन कार्यों को आयोग के दिये दिशा निदेर्शानुसार सम्पन्न करें। डीडीओ ने कहा कि पीठासीन अधिकारी मतदान केन्द्र पर पहुंचकर सभी व्यवस्थाओं को देखेंगें और पेयजल, विद्युत, शौचालय आदि व्यवस्थाओं में कमी पाये जाने पर तत्काल संबंधित नगरीय निकाय के अधिशाषी अधिकारी (ईओ) और सेक्टर मजिस्ट्रेट को सूचित करते हुए ठीक करायें। प्रशिक्षण में राजकीय इण्टर कालेज प्रधानाचार्य टीआर वर्मा ने कार्मिकों से कहा कि मतदान से पूर्व सुरक्षा कार्मिकों को पहले बता दें कि मतदान केन्द्र के अन्दर कोई भी एजेण्ट, मतदाता आदि मोबाइल फोन लेकर नहीं आयेगें और पीठासीन अधिकारी किसी मतदाता की आपत्ति पर संबंधित प्रारूप भरवाकर मतदान करायें।

उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार कोई भी कार्मिक मतदान केन्द्र पर किसी राजनीतिक, उम्मीदवार आदि का अतिथि संस्कार स्वीकार नहीं करेगा। कार्मिक तीन मई 2023 को अपनी संबंधित तहसील में पहुंच कर चुनाव सामग्री लेकर पूरी पार्टी के साथ पोलिंग बूथ के लिए रवाना होगें। उन्होंने कार्मिकों से कहा कि सभी अपने जोनल व मजिस्ट्रेट तथा ईओ आदि से समन्वय बनाकर जनपद में निकाय चुनाव निर्भिक, निष्पक्ष और शान्ति पूर्ण सम्पन्न करायें। किसी भी समस्या के समाधान के लिए तत्काल जिला प्रशासन से सम्पर्क करें। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक बीके दुबे, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डा0 विनीता आदि उपस्थित रहीं।

अतीक हत्याकांड : प्रयागराज पहुंची टीम ने शुरू की जांच-पड़ताल

-घटनास्थल पर जांच टीम ने क्राइम सीन किया री-क्रिएट

प्रयागराज, (हि.स.)। एसआईटी की टीम और फॉरेंसिक टीम गुरुवार को जांच करने पहुंची। टीम ने न्यायिक जांच आयोग के साथ पीएचक्यू में मीटिंग की। इसके उपरांत जांच करने काल्विन अस्पताल पहुंच गये। इस दौरान अस्पताल में सुरक्षा सख्त और पुलिस बल तैनात रही। एसआईटी और फॉरेंसिक टीम ने वहां का जायजा लिया। अतीक और अशरफ हत्याकांड की जांच एसआईटी और न्यायिक आयोग कर रहा है। जिसके अंतर्गत आज प्रयागराज में घटनास्थल पर क्राइम सीन को रीक्रिएट किया गया। उस रात जो कुछ भी घटित हुआ उसे दोहराया गया। एसआईटी और न्यायिक आयोग के बाद फॉरेंसिक टीम ने भी घटनास्थल को बारीकी से तलाशा। घटनास्थल पर उन सभी पुलिसकर्मियों से जांच टीमों ने पूछताछ भी की जो घटना वाले दिन अतीक और अशरफ के साथ सुरक्षा ड्यूटी पर लगे हुए थे। बता दें कि, न्यायिक जांच आयोग की टीम प्रयागराज में रिटायर्ड जस्टिस अरविंद कुमार त्रिपाठी, पूर्व डीजी सुबेश सिंह एवं पूर्व जज बृजेश कुमार पहुंचे। अस्पताल के आसपास एसटीएफ के लोग भी लगे रहे। पुलिस हिरासत में अतीक अहमद और अशरफ की हत्या करने वाले आरोपियों से पुलिस ने पूछताछ शुरू कर दी है। तीनों हत्यारोपियों (लवलेश, सनी और अरुण से अलग-अलग उनकी जिंदगी, परिवार, आदत शौक के बारे में जानकारी इकट्ठा की। मिली जानकारी के अनुसार बांदा के लवलेश तिवारी ने बताया कि वह कई दिनों से मीडिया की ट्रेनिंग ले रहा था। इस खुलासे के बाद एसआईटी की टीम ने उसके तीन दोस्तों को बांदा से हिरासत में लेकर प्रयागराज ले आयी है, जो उसे मीडिया के तौर तरीके सिखा रहे थे। इसी प्रकार टीमें कासगंज एवं हमीरपुर में भी कुछ स्थानों पर दबिश दे रही हैं।

मेरठ महापौर पद पर आम आदमी पार्टी की ऋचा सिंह ने किया नामांकन

मेरठ, (हि.स.)। मेरठ में नगर निकाय चुनाव में बड़ी पार्टियों द्वारा नामांकन करने का सिलसिला गुरुवार से शुरू हो गया। महापौर पद के लिए आम आदमी पार्टी की उम्मीदवार ऋचा सिंह ने नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान उन्होंने मेरठ का विकास दिल्ली की तर्ज पर करने की बात कही। मेरठ नगर निगम में आम आदमी पार्टी ने महापौर पद पर समाजसेविका और जाट बिरादरी की ऋचा सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया। पल्लवपुरम फेज-2 निवासी ऋचा सिंह ने गुरुवार को पार्टी नेताओं के साथ कलक्ट्रेट स्थित नामांकन कक्ष में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन करने के बाद ऋचा सिंह ने मेरठ के विकास को लेकर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि वह नेता नहीं, बल्कि सेवक बनकर मेरठ के लोगों की सेवा करना चाहती हैं। हाउस टैक्स हाफ और वाटर टैक्स माफ के नारे के साथ चुनाव लड़ा जाएगा। चुनाव जीतने के बाद मेरठ का विकास दिल्ली की तर्ज पर होगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है। सरकारी स्कूलों का हाल बेहाल हो गया है। आम आदमी पार्टी नगर निकाय चुनाव मजबूती से लड़ेगी। इसके बाद 2024 के लोकसभा चुनाव में भी उम्मीदवार उतारेगी। ऋचा सिंह ने अपनी जीत का दावा किया। इस अवसर पर आप जिलाध्यक्ष अंकुश चौधरी, अभिषेक शर्मा आदि उपस्थित रहे।

रोहिंग्या महिला व उसकी बेटियों की रिपोर्ट उप्र शासन को भेजी

- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने मेरठ पुलिस को दी मामले की जानकारी

मुरादाबाद, (हि.स.)। थाना कटघर क्षेत्र में रविवार को पकड़ी गई रोहिंग्या महिला फातिमा और उसकी तीन बेटियों के बारे मामले में उत्तर प्रदेश शासन और मेरठ पुलिस को रिपोर्ट भेज दी गई है। बुधवार को एलआईयू ने शासन को रिपोर्ट भेज दी जबकि कटघर पुलिस की ओर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हेमराज मीणा ने मेरठ पुलिस को इस मामले की जानकारी दे दी हैं। कटघर थाना पुलिस ने रविवार रात कटघर के करूला रहमत नगर निवासी निसार, म्यांमार निवासी रोहिंग्या महिला फातिमा उर्फ अमीना उर्फ मोटी, उसकी बेटी रिहाना, गुलशन और अर्शी को गिरफ्तार किया था। इनके पास दो छोटे बच्चे भी थे। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपितों के पास से दस आधार कार्ड, 5 वोटर आईडी, एटीएम कार्ड, 2 पैन कार्ड, एक पासपोर्ट समेत अन्य कागजात बरामद किए गए थे। पूछताछ में फातिमा ने बताया कि था कि वह 17 साल पहले अपनी तीनों बेटियों और एक बेटे अनस को साथ लेकर बांग्ला देश के रास्ते भाई के साथ भारत आई थी। इसके बाद उसका परिवार मेरठ जनपद के हापुड़ रोड अल्लीपुर जिजमाना स्थित मीट फैक्ट्री में काम करने गया था। वहां उसकी मुलाकात निसार से ह गई थी। महिला फातिमा और उसकी बेटियां 17 साल से मेरठ में रह रही थीं। मां बेटियों ने पूछताछ में ये भी दावा किया है कि मेरठ में रोहिंग्या और बांग्लादेश के तमाम परिवार रह रहे हैं।

सिविल कोर्ट के अधिवक्ता 25 को काला बिल्ला लगाकर करेंगे न्यायिक कार्य

रांची, (हि.स.)। रांची सिविल कोर्ट के अधिवक्ता 25 अप्रैल को काला बिल्ला लगाकर न्यायिक कार्य करेंगे। यह निर्णय रांची जिला बार एसोसिएशन की कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। रांची जिला बार संघ के महासचिव संजय विद्रोही ने गुरुवार को बताया कि इस संबंध में रांची सिविल कोर्ट के सभी वकीलों को सूचना दे दी गयी है। रांची सिविल कोर्ट के वकीलों से आग्रह किया गया है कि वे एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट की मांग को लेकर एकजुटता दिखाने के लिए काला बिल्ला लगाकर न्यायिक कार्यों में शामिल हो। उन्होंने कहा कि एक्ट लागू होने के बाद सभी अधिवक्ता अपने आप को सुरक्षित महसूस करेंगे।

मुख्यमंत्री सोरेन से वरिष्ठ पत्रकार रवि प्रकाश ने की मुलाकात

रांची, (हि. स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से गुरुवार को वरिष्ठ पत्रकार रवि प्रकाश ने शिष्टाचार मुलाकात की। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपने कैंसर की बीमारी के चल रहे उपचार से संबंधित बातें साझा की। उन्होंने मुख्यमंत्री से कैंसर की बीमारी को अधिसूचित बीमारियों की श्रेणी में शामिल करने की दिशा में पहल करने का आग्रह किया। इससे इस बीमारी से ग्रसित होने वाले हर मरीज और होने वाली मौत का पंजीकरण होने के साथ संपूर्ण आंकड़ा भी सरकार के स्तर पर उपलब्ध होगा।

साथ ही कैंसर बीमारी और उससे ग्रसित मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में पॉलिसी बनाने में भी सहूलियत होगी। इस मौके पर उन्होंने खुद के कैमरे से क्लिक की गई मुख्यमंत्री की तस्वीरों का एल्बम सप्रेम भेंट की। मुख्यमंत्री ने उनका कुशलक्षेम जाना और शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

बालू की किल्लत और अवैध खनन को लेकर राज्यपाल से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल

मेदिनीनगर, (हि.स.)। भाजपा के सैनिक प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सह किसान ब्रिगेड संरक्षक कर्नल डॉ संजय कुमार सिंह के नेतृत्व में गुरुवार को सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राजभवन में राज्यपाल से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान भाजपा ने राज्यपाल को प्रदेश में बालू की किल्लत और पलामू जिले में प्रशासन के संरक्षण में हो रही बालू तस्करी से अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से गुहार लगायी कि पलामू जिले में बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुक पैसा लेने के बाद भी बालू न मिलने से अपने आवास का निर्माण कार्य पूर्ण नहीं कर पा रहे है। एकाएक बालू पर रोक लगाने की वजह से एक तरफ लाभुक चार गुना ज्यादा कीमत पर बालू खरीदने को बाध्य है। सरकार समय पर आवास निर्माण कार्य पूर्ण नहीं हो पाने पर लाभुकों को आवास के लिए दी गई राशि भी ब्याज के साथ वसूलने और प्राथमिकी की भी धमकी दी जा रही है। भाजपा नेताओं ने राज्यपाल को बताया कि बालू न मिलने से सभी सरकारी निर्माण विकास कार्य भी नहीं हो पा रहे हैं। दो वर्ष पूर्व तक इस क्षेत्र का बालू विभिन्न माध्यम से बाहर भेजा गया है। राज्यपाल ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि स्थानीय लोगों के लिए बहुत जल्द बालू की उपलब्धता के लिए सरकार को निर्देशित करेंगे। प्रतिनिधिमंडल में मनोज शर्मा, भुनेश्वर प्रसाद सिंह, अजय सिंह, सुधीर सिंह पूर्व सैनिक, लालधन ठाकुर और सत्यनारायण यादव शामिल थे।

शांतिपूर्ण तरीके से ईद मनाने को लेकर डीसी ने की शांति समिति की बैठक

लोहरदगा, (हि.स.)। ईद के त्योहार को देखते हुए उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद की अध्यक्षता में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक गुरुवार को जिला परिषद स्थित सभागार में हुई। बैठक में सभी प्रखण्डों से जिला स्तरीय शांति समिति के सदस्य शामिल हुए। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि कि बीते माह लोहरदगा जिला में पर्व काफी सौहार्द्रपूर्ण और हर्षोल्लास के साथ मनाये गये थे। उन्होंने कहा कि ईद शांति का पैगाम देने वाला त्योहार है। इसे सभी शांति व सौहार्द्रपूर्ण तरीके से मनाएं। बैठक में पुलिस अधीक्षक आर रामकुमार ने कहा कि ईद खुशियों का त्यौहार है। सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर आप सभी नियंत्रण रखें। लोहरदगा जिला प्रशासन हमेशा आपके सहयोग के लिए तत्पर है। बैठक में उप विकास आयुक्त समीरा एस ने ईद को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। बैठक में अनुमण्डल पदाधिकारी अरविंद कुमार लाल के अलावा सभी प्रखंडों से आये शांति समिति के सदस्यों ने भी अपने-अपने प्रखंडों की बात रखी। बैठक में विद्युत आपूर्ति से संबंधित समस्या को भी रखा गया। इस पर उपायुक्त ने विद्युत प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को समस्याओं के समाधान करने का निर्देश दिया। सेन्हा में 'द रियल इंडिया डेवलपमेंट प्रोग्राम' के नाम पर एक व्यक्ति के लोगों रुपये लिए जाने की शिकायत पर पुलिस अधीक्षक ने थाना प्रभारी सेन्हा को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में अंजुमन इस्लामिया ने बताया कि जिले में ईद की नमाज ईद के दिन सुबह 7.30 बजे से 8.30 के बीच विभिन्न मस्जिदों में पढ़ी जाएगी। पदाधिकारियों के साथ हुई बैठक में उपायुक्त ने सभी प्रखण्डों में फ्लैग मार्च कराने का निर्देश दिया। बैठक में अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, पुलिस उपाधीक्षक सभी कार्यपालक दण्डाधिकारी, सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, सभी थाना प्रभारी के साथ-साथ अंजुमन इस्लामिया, महावीर मंडल के सदस्य, प्रखण्ड स्तरीय शांति समिति के सदस्य आदि उपस्थित थे।

अग्निशमन सप्ताह के तहत मॉक ड्रिल कर लोगों को किया जागरूक

किशनगंज, (हि.स.)। अग्निशमन सप्ताह के दौरान अग्निशमन विभाग ने पेट्रोल पम्प व गैस से लगने वाली आग से बचाव के लिये पश्चिम पाली चौक व लहरा चौक पर स्थित पेट्रोल पम्प पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। अग्निशमन पदाधिकारी लालकेश्वर प्रसाद के नेतृत्व में मॉक ड्रिल भी किया गया। कार्यक्रम में गैस एजेंसियों व पेट्रोल पम्प के कर्मियों की मौजूदगी में आग से बचाव की जानकारी और जरूरी टिप्स दिए गए। इस मौके पर अग्निशमन पदाधिकारी लालकेश्वर प्रसाद ने बताया कि अग्निशमन सप्ताह के दौरान अलग अलग क्षेत्रों में आग लगने पर बचाव के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि अगर गैस सिलेंडर में अचानक आग लग जाती है तो धैर्य रखते हुए आग पर काबू पाया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण के दौरान गैस सिलेंडर में लगी आग पर काबू पाने का आसान तरीका दिखाया। फायर अधिकारी ने पेट्रोल पम्प के कर्मियों को निर्देश देते हुए कहा कि पेट्रोल पम्प में पेट्रोल या डीजल देते समय यह ध्यान रखेंगे कि गाड़ी स्टार्ट की स्थिति में न हो। साथ ही अन्य जानकारियां भी दी गई। गुरुवार को दो स्थानों में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। पश्चिम पाली में गैस एजेंसियों के कर्मियों व लहरा चौक पर पेट्रोल पम्प के कर्मियों को प्रशिक्षण दिया गया।

ईद पर्व को लेकर 193 स्थानों में रहेगी मजिस्ट्रेट की तैनाती

किशनगंज, (हि.स.)। ईद पर्व शांतिपूर्ण माहौल में मनाए जाने को लेकर जिले में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम रहेंगे। पर्व को शांतिपूर्ण माहौल में मनाए जाने को लेकर जिले के सभी थानाध्यक्षों को सतर्कता बरते जाने का निर्देश दिया गया है। सुरक्षा को लेकर 193 स्थानों में मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। शहर में 34 से ज्यादा स्थानों में मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति रहेगी। एसपी डॉ इनाम उल हक मेगनु ने गुरुवार को सभी थानाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा है कि पर्व को लेकर अपने अपने थाना क्षेत्रों में पूरी तरह से सतर्कता बरतेंगे। माहौल बिगाड़ने वालों को पूर्व में ही चिन्हित करेंगे। ऐसे लोगों की पूर्व से ही सूची बनाएंगे। पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में मनाए जाने को लेकर विशेष रूप से चौकसी बरतेंगे। सुरक्षा को लेकर जिले के चिन्हित स्थानों में मजिस्ट्रेट के साथ पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। वैसे स्थल जहां मेले आदि का आयोजन किया जाता है। वैसे स्थानों की सूची बनाये जाने का भी निर्देश थानाध्यक्षों को दिया गया है। ताकि सुरक्षा को लेकर पुलिस बल की तैनाती की जा सके। वही सोशल मीडिया पर भी पुलिस की विशेष नजर रहेगी। इसके लिए साइबर सेल के द्वारा सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म व्हाट्सएप, फेसबुक आदि पर निगरानी बरती जाएगी। किसी प्रकार का आपत्तिजनक पोस्ट करने वालों पर विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी। एसपी डॉ मेगनु ने भी लोगों से अपील करते हुए कहा है कि सोशल मीडिया में किसी प्रकार का आपत्तिजनक पोस्ट करने से बचे। वही एहतियातन थाना क्षेत्रों में वाहन चेकिंग अभियान भी चलाया जा रहा है। एसपी ने कहा कि सुरक्षा को लेकर सभी थानाध्यक्षों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है।

जहरीली शराब से मौतों पर नीतीश सरकार को मानवाधिकार आयोग का नोटिस

पटना, (हि.स.)। बिहार में 2016 से लागू शराबबंदी कानून का उल्लंघन करने वालों के लिए भी कड़ी कार्रवाई का प्रावधान है। इसके बाद भी शराब तस्करी थमती नहीं दिख रही है। मोतिहारी में पिछले सप्ताह जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत के बाद अब इस मामले में मानवाधिकार आयोग ने राज्य सरकार और राज्य के पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने अपने नोटिस में कहा है कि आयोग ने 16 अप्रैल 2023 को जहरीली शराब पीने से हुई मौतों पर मीडिया में आई खबरों पर स्वतः संज्ञान लिया है। हालांकि, विभिन्न अस्पतालों में उपचाराधीन लोगों की मौत होने की रिपोर्ट अब भी आ रही है। यह बेहद चिंता का विषय है कि जिस राज्य में शराबबंदी है, वहां शराब से लोगों की मौत हो रही है। मानवाधिकार आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ऐसा लग रहा है कि राज्य सरकार बिहार में शराबबंदी लागू करने के बाद अवैध शराब की बिक्री पर प्रतिबंद लगाने की अपनी नीति के क्रियान्वयन पर ध्यान नहीं दे रही है। इसे लेकर आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को दोनों के नाम नोटिस जारी किया है। उल्लेखनीय है कि मोतिहारी में जहरीली शराब पीने से अब तक मरने वालों का आंकड़ा 40 हो गया। पिछले साल दिसंबर में भी बिहार में जहरीली शराब पीने से कई लोगों की मौत होने के बाद आयोग ने मीडिया में आई खबरों का स्वतः संज्ञान लिया था। विपक्षी पार्टी भाजपा मरने वालों के नाम की लिस्ट जारी कर चुकी है। वहीं प्रशासन की ओर से अभी तक 31 मौतों की बात कही जा रही है।

संपादकीय

जनसंख्या वृद्धि की चुनौती

जनसंख्या के मामले में चीन को पीछे छोड़कर भारत पहले पायदान पर आ गया है। अर्थात भारत विश्व में अब सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन गया है। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड की रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत में अब चीन के मुकाबले लगभग 30 लाख ज्यादा लोग हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत की जनसंख्या 142 करोड़ 86 लाख है। वहीं चीन की जनसंख्या 142 करोड़ 57 लाख ही है। उल्लेखनीय है कि वर्ष की शुरूआत में ही वैश्विक विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया था कि 2023 में भारत सबसे जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड के नए आंकड़ों ने इस पर मुहर भी लगा दी है। इस रिपोर्ट के अनुसार एक वर्ष में भारत की जनसंख्या 1.56 प्रतिशत बढ़ी है। अब इसे उपलब्धि के तौर पर देखा जाए या चुनौती के रूप में, यह विचारणीय प्रश्न है। कुछ लोग मानते हैं कि जनसंख्या को चुनौती के रूप में नहीं देखना चाहिए, जनसंख्या तो किसी भी देश की ताकत होती है। परंतु इसके दूसरे पहलू पर विचार करें, तो सीमित संसाधनों के कारण अत्यधिक जनसंख्या चुनौती बन जाती है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या को संभालना कठिन कार्य है। बड़ी जनसंख्या को बुनियादी सुविधाएं (भोजन, रोजगार और आवास) उपलब्ध कराना किसी भी व्यवस्था के लिए मुश्किल कार्य हो सकता है। भारत जैसे देश में यह चुनौती और कठिन इसलिए बन सकती है क्योंकि यहाँ राजनीतिज्ञों के दिमाग में सिर्फ वोटबैंक होता है। थोक में वोट पाने के लिए राजनीतिक दल ऐसी घोषणाएं करते हैं, जिनसे बड़ी जनसंख्या देश की ताकत बनने की जगह उस पर बोझ बनने लगती है। यदि राजनीतिक दल अपने स्वार्थों को छोड़ दें तब बड़ी जनसंख्या को रचनात्मक दिशा देकर उसे ताकत बनाया जा सकता है। उल्लेख करना प्रासंगिक होगा कि विश्व में सबसे अधिक युवा जनसंख्या भारत में है। इसलिए ही दुनियाभर के विशेषज्ञ इस सदी को भारत की सदी मानकर चल रहे हैं क्योंकि भारत के पास सर्वाधिक रचनात्मक एवं सृजनात्मक और ऊर्जा से भरी हुआ युवा कार्यबल है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार भारत में 25 प्रतिशत जनसंख्या 14 वर्ष तक की उम्र वालों की है। वहीं, 10-19 वर्ष तक के 18 प्रतिशत लोग हैं। 10-24 वर्ष तक के लोगों की संख्या 26 प्रतिशत है, तो 15-64 वर्ष के बीच लगभग 68 प्रतिशत लोग हैं। यह जो सर्वाधिक युवाओं की जनसंख्या है, यही भारत के पक्ष को थोड़ा आशान्वित बनाता है। चीन सहित यूरोप के अनेक देशों में बूढ़े लोगों की संख्या अधिक है, जो उनके लिए चिंताजनक है। याद हो, इसी कारण चीन ने जनसंख्या से संबंधित अपनी कठोर नीति में परिवर्तन किया। पहले वहाँ एक ही संतान पैदा करने का नियम था। बहरहाल, विश्वपटल पर तेजी से आगे बढ़ रहे भारत जैसे देश के संदर्भ में सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर विचार करें, तब यह आवश्यक प्रतीत होता है कि भारत सरकार तेजी से बढ़ती जनसंख्या को नियंत्रित करने एवं जनसंख्या संतुलन को बनाने में उचित कदम उठाए।

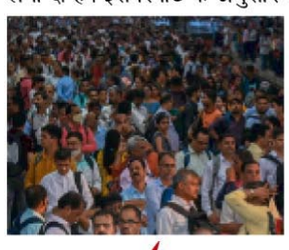

यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड की रिपोर्ट में सामने आया है कि भारत में अब चीन के मुकाबले लगभग 30 लाख ज्यादा लोग हैं। आंकड़ों के अनुसार, भारत की जनसंख्या 142 करोड़ 86 लाख है। वहीं चीन की जनसंख्या 142 करोड़ 57 लाख ही है। उल्लेखनीय है कि वर्ष की शुरूआत में ही वैश्विक विशेषज्ञों ने अनुमान लगाया था कि 2023 में भारत सबसे जनसंख्या वाला देश बन जाएगा। यूनाइटेड नेशंस पॉपुलेशन फंड के नए आंकड़ों ने इस पर मुहर भी लगा दी है। इस रिपोर्ट के अनुसार एक वर्ष में भारत की जनसंख्या 1.56 प्रतिशत बढ़ी है। अब इसे उपलब्धि के तौर पर देखा जाए या चुनौती के रूप में, यह विचारणीय प्रश्न है। कुछ लोग मानते हैं कि जनसंख्या को चुनौती के रूप में नहीं देखना चाहिए, जनसंख्या तो किसी भी देश की ताकत होती है। परंतु इसके दूसरे पहलू पर विचार करें, तो सीमित संसाधनों के कारण अत्यधिक जनसंख्या चुनौती बन जाती है। तेजी से बढ़ती जनसंख्या को संभालना कठिन कार्य है। बड़ी जनसंख्या को बुनियादी सुविधाएं (भोजन, रोजगार और आवास) उपलब्ध कराना किसी भी व्यवस्था के लिए मुश्किल कार्य हो सकता है।

1980 के दशक तक जरनैल सिंह भिंडरावाले की अपील सरकार के लिए मुसीबत खड़ी करने लगी थी

नया अवतार लेता खालिस्तान का विचार

डॉ प्रियंका सौरभ

पर्यावरण संरक्षण को लेकर विभिन्न स्तरों पर खालिस्तान आंदोलन की उत्पत्ति भारत की स्वतंत्रता और बाद में धार्मिक रेखाओं के साथ विभाजन के लिए खोजी गई है। पंजाब प्रांत, जो भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित था, ने सांप्रदायिक हिंसा देखी और लाखों शरणार्थियों को जन्म दिया। ऐतिहासिक सिख साम्राज्य की राजधानी, लाहौर, साथ ही गुरु नानक की जन्मस्थली ननकाना साहिब जैसे पवित्र सिख स्थल पाकिस्तान में चले गए।

जबकि अधिकांश सिखों ने खुद को भारत में पाया, वे देश में एक छोटे से अल्पसंख्यक (जनसंख्या का 2%) थे। पंजाबी भाषी राज्य के निर्माण के लिए पंजाबी सूबा आंदोलन के साथ अधिक स्वायत्तता के लिए राजनीतिक संघर्ष शुरू हुआ।

खालिस्तान आंदोलन वर्तमान पंजाब (भारत और पाकिस्तान दोनों) में एक अलग, संप्रभु सिख राज्य के लिए लड़ाई है। ऑपरेशन ब्लू स्टार (1984) और ऑपरेशन ब्लैक थंडर (1986 और 1988) के बाद भारत में इस आंदोलन को कुचल दिया गया था, लेकिन यह सिख आबादी के वर्गों के बीच सहानुभूति और समर्थन पैदा करना जारी रखता है, खासकर कनाडा, ब्रिटेन, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सिख डायस्पोरा में। हाल के दिनों में पंजाब में खालिस्तान अलगाववादी आंदोलन के विचार का प्रचार कर रहे सिख उग्रवादी जरनैल सिंह भिंडरावाले का अनुयायी अमृतपाल सिंह भागने में सफल रहा है। खालिस्तान आंदोलन की उत्पत्ति भारत की स्वतंत्रता और बाद में धार्मिक रेखाओं के साथ विभाजन के लिए खोजी गई है। पंजाब प्रांत, जो भारत और पाकिस्तान के बीच विभाजित था, ने सांप्रदायिक हिंसा देखी और लाखों शरणार्थियों को जन्म दिया। ऐतिहासिक सिख साम्राज्य की राजधानी, लाहौर, साथ ही गुरु नानक की जन्मस्थली ननकाना साहिब जैसे पवित्र सिख स्थल पाकिस्तान में चले गए। जबकि अधिकांश सिखों ने खुद को भारत में पाया, वे देश में एक छोटे से अल्पसंख्यक (जनसंख्या का 2%) थे। पंजाबी भाषी राज्य के निर्माण के लिए पंजाबी सूबा आंदोलन के साथ अधिक स्वायत्तता के लिए राजनीतिक संघर्ष शुरू हुआ। राज्य पुनर्गठन आयोग की रिपोर्ट (1955) ने इस मांग को खारिज कर दिया, लेकिन 1966 में पंजाब राज्य को पुनर्गठित किया गया (हिंदी-हिंदू-बहुसंख्यक हिमाचल प्रदेश और हरियाणा, और पंजाबी-सिख-बहुसंख्यक पंजाब में विभाजित)। पंजाबी सूबा आंदोलन ने अकाली दल को प्रेरित किया, जिसने पंजाब राज्य के लिए स्वायत्तता (भारत से अलगाव नहीं) की मांग करते हुए आनंदपुर साहिब प्रस्ताव (1973) को समाप्त किया। यह मांग 1971 तक वैश्विक हो गई थी – जब न्यूयॉर्क टाइम्स में एक विज्ञापन ने खालिस्तान के जन्म की घोषणा की। 1980 के दशक तक जरनैल सिंह भिंडरावाले की अपील सरकार के लिए मुसीबत खड़ी करने लगी थी। वह और उनके अनुयायी (ज्यादातर सामाजिक सीढ़ी के निचले पायदान से) तेजी से हिंसक हो रहे थे। 1982 में, अकाली दल के नेतृत्व के समर्थन से, उन्होंने धर्म युद्ध मोर्चा नामक

सविनय अवज्ञा आंदोलन शुरू किया और पुलिस के साथ प्रदर्शनों और झड़पों का निर्देश देते हुए स्वर्ण मंदिर के अंदर निवास किया। ऑपरेशन ब्लू स्टार (1984 में स्वर्ण मंदिर से उग्रवादियों को बाहर निकालने और भिंडरावाले को बेअसर करने के लिए भारतीय सेना द्वारा) और ऑपरेशन ब्लैक थंडर (1986 और 1988) के बाद भारत में खालिस्तान आंदोलन को कुचल दिया गया था। जबकि ऑपरेशन अपने उद्देश्य में स्पष्ट रूप से सफल रहे, उन्होंने दुनिया भर के सिख समुदाय को गंभीर रूप से घायल कर दिया (स्वर्ण मंदिर को अपवित्र करके) और खालिस्तान की मांग को भी तेज कर दिया। आबादी का बड़ा हिस्सा उग्रवादियों के खिलाफ हो गया और भारत आर्थिक उदारीकरण की ओर बढ़ गया। पंजाब लंबे समय से शांतिपूर्ण रहा है, लेकिन यह आंदोलन विदेशों में कुछ सिख समुदायों के बीच रहता है। डायस्पोरा मुख्य रूप से ऐसे लोगों से बना है जो भारत में नहीं रहना चाहते हैं। इन लोगों में कई ऐसे लोग भी शामिल हैं जो 1980 के दशक के बुरे दिनों को याद करते हैं और इस तरह खालिस्तान का समर्थन वहां मजबूत बना हुआ है। ऑपरेशन ब्लू स्टार और स्वर्ण मंदिर की बेअदबी पर गहरा गुस्सा सिखों की नई पीढ़ियों में कुछ के साथ प्रतिध्वनित होता रहता है। हालाँकि, भिंडरावाले को कई लोगों द्वारा शहीद के रूप में देखा जाता है और 1980 के दशक को काले समय के रूप में याद किया जाता है, यह खालिस्तान के कारण के लिए ठोस राजनीतिक समर्थन में प्रकट नहीं हुआ है। एक छोटा अल्पसंख्यक है जो अतीत से जुड़ा हुआ है, और वह छोटा अल्पसंख्यक लोकप्रिय समर्थन के कारण महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि इसलिए कि वे बाएं और दाएं दोनों से विभिन्न राजनीतिक दलों के साथ अपने राजनीतिक प्रभाव को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा और अखंडता के लिए खालिस्तान आंदोलन का पुनरुत्थान कश्मीर और पूर्वोत्तर विद्रोह के समान राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा है। इससे पंजाब का भविष्य अंधकारमय हो सकता है, एक खराब कानून और व्यवस्था की स्थिति निवेशकों को पंजाब में निवेश करने से रोक सकती है, इस प्रकार इसकी अर्थव्यवस्था और बिगड़ती जा रही है और सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्रों में प्रभाव फैल रहा है। सिखों के लिए एक अलग राज्य बनाने का विचार पंजाब में दम तोड़ चुका है; हालाँकि, इसने प्रवासी भारतीयों में एक बड़े दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है जो अब लंबे समय तक अन्य देशों में बस गए हैं और इस तरह भारत के साथ अपनी मातृभूमि के रूप में अपना संबंध खो चुके हैं। जो किसी भी अंतरराष्ट्रीय सीमा का उल्लंघन करता है, इस प्रकार पाकिस्तान और अन्य देशों में अलगाववादियों द्वारा इसका दुरुपयोग किया जाता है। द्विपक्षीय संबंधों को खालिस्तान मुद्दे ने पहले ही भारत-कनाडा संबंधों को नुकसान पहुंचाया है और अब भारत सरकार की आपत्ति के बावजूद इन देशों में रेफरेंडम 2020 के संचालन के कारण भारत-ब्रिटेन के बीच तनाव बढ़ रहा है। खालिस्तान को जड़ से उखाड़ने के लिए उठाए जाने वाले कदम हमें ठोस रखने होंगे और नई चुनौतियों को पहचानना होगा। पारंपरिक हितधारकों और नए सोशल मीडिया रिक्रूट द्वारा पेश की गई चुनौती को पहचानना आवश्यक है। विदेशी सरकारों के साथ सहयोग भारतीय सुरक्षा और खुफिया बलों को खालिस्तानी ताकतों द्वारा की जाने वाली भारत विरोधी गतिविधियों पर नजर रखने और उनके धन स्रोतों को प्रतिबंधित करने के लिए विदेशी सरकारों के साथ सहयोग करने की आवश्यकता है। सुरक्षा प्रयासों में वृद्धि के साथ भारत सरकार को करतारपुर कॉरिडोर के खुलने के बाद से खालिस्तानी सोशल मीडिया गतिविधि में वृद्धि का मुकाबला करने के लिए सुरक्षा प्रयासों को बढ़ाना चाहिए। आर्थिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने के लिए राज्य को फिर से विकास के रास्ते पर लाने के लिए घरेलू स्तर पर पंजाब और केंद्र सरकार और सुरक्षा बलों को राज्य की आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए सहयोग करना चाहिए।

कश्मीर रहा है सनातन हिंदू संस्कृति का गढ़

भारत को अंग्रेजों से राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई तब धर्म के नाम पर भारत के एक बड़े भूभाग को अलग कर पाकिस्तान बना दिया गया था उस समय भी जम्मू, कश्मीर और लद्दाख ये तीनों अलग अलग क्षेत्र थे और यह तीनों क्षेत्र एक ही राजा के अधीन थे तथा 26 अक्टोबर 1947 को इस क्षेत्र के शासक महाराज हरी सिंह ने अपने क्षेत्र के भारतीय संघ में विलय समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए थे। विभाजन की इस त्रासदी के समय भी पाकिस्तानी सेना ने कबाईलियों के साथ मिलकर जम्मू कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर इसके बहुत बड़े भू भाग पर कब्जा कर लिया था। इस आक्रमण का भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब देते हुए कब्जा मुक्ति का अभियान बहुत सफलतापूर्वक चला रही थी लेकिन बीच में ही तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा कर दी जिसके कारण लगभग आधा जम्मू कश्मीर आज भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। यह तत्कालीन नेहरू सरकार की सबसे बड़ी राजनैतिक भूल मानी जाती है, जिसके चलते यह क्षेत्र पिछले लगभग 70 वर्षों तक अशांत क्षेत्र बना रहा है।

अतिप्राचीन भारत में कैलाश पर्वत के आसपास भगवान शिव के गणों की सत्ता थी। उक्त इलाके में ही दक्ष राजा का भी साम्राज्य था। ऐसा माना जाता है कि कश्यप ऋषि कश्मीर के पहले राजा थे। कश्मीर को उन्होंने अपने सपनों का राज्य बनाया था और कश्यप ऋषि के नाम पर ही कश्यप सागर (कैस्पियन सागर) और कश्मीर का प्राचीन नाम पड़ा था। शोधकर्ताओं के अनुसार कैस्पियन सागर से लेकर कश्मीर तक ऋषि कश्यप के कुल के लोगों का राज फैला हुआ था। कश्यप की एक पत्नी कद्रू के गर्भ से नागों की उत्पत्ति हुई जिनमें प्रमुख 8 नाग थे- अनंत (शेष), वासुकि, तक्षक, कर्कोटक, पद्म, महापद्म, शंख और कुलिक। इन्हीं से नागवंश की स्थापना हुई। आज भी कश्मीर में इन नागों के नाम पर ही कई स्थानों के नाम हैं। कश्मीर का अनंतनाग नागवंशियों की राजधानी हुआ करता था। हाल में अखनूर से प्राप्त हड़प्पा कालीन अवशेषों तथा मौर्य, कुषाण और गुप्त काल की कलाकृतियों से जम्मू के प्राचीन इतिहास का पता चलता है। 1184 ईसा पूर्व के राजा गोनंद से लेकर राजा विजय सिम्हा (1129 ईसवी) तक के कश्मीर के प्राचीन राजवंशों और राजाओं के प्रमाणिक दस्तावेज उपलब्ध हैं। जम्मू कश्मीर और लद्दाख क्षेत्र पहले हिन्दू शासकों और फिर बाद में मुस्लिम सुल्तानों के अधीन रहा। बाद में यह क्षेत्र अकबर के शासन में मुगल साम्राज्य का हिस्सा बन गया। वर्ष 1756 से अफगान शासन के बाद वर्ष 1819 में यह क्षेत्र पंजाब के सिख साम्राज्य के अधीन हो गया था। जब भारत को अंग्रेजों से राजनैतिक स्वतंत्रता प्राप्त हुई तब धर्म के नाम पर भारत के एक बड़े भूभाग को अलग कर पाकिस्तान बना दिया गया था। उस समय भी जम्मू, कश्मीर और लद्दाख ये तीनों अलग अलग क्षेत्र थे और यह तीनों क्षेत्र एक ही राजा के अधीन थे तथा 26 अक्टोबर 1947 को इस क्षेत्र के शासक महाराज हरी सिंह ने अपने क्षेत्र के भारतीय संघ में विलय समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए थे। विभाजन की इस त्रासदी के समय भी पाकिस्तानी सेना ने कबाईलियों के साथ मिलकर जम्मू कश्मीर क्षेत्र पर आक्रमण कर इसके बहुत बड़े भू भाग पर कब्जा कर लिया था। इस आक्रमण का भारतीय सेना मुंहतोड़ जवाब देते हुए कब्जा मुक्ति का अभियान बहुत सफलतापूर्वक चला रही थी लेकिन बीच में ही तत्कालीन प्रधानमंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू ने एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा कर दी जिसके कारण लगभग आधा जम्मू कश्मीर आज भी पाकिस्तान के अवैध कब्जे में है। यह तत्कालीन नेहरू सरकार की सबसे बड़ी राजनैतिक भूल मानी जाती है, जिसके चलते यह क्षेत्र पिछले लगभग 70 वर्षों तक अशांत क्षेत्र बना रहा है। हालांकि कश्मीर सनातन हिंदू संस्कृति का गढ़ रहा है परंतु कश्मीर का इतिहास और भूगोल दोनों ही बदल दिए गए हैं। हमें ऐसा आभास कराया जाता है कि कश्मीर क्षेत्र इस्लाम के कब्जे के क्षेत्र रहा है। तत्कालीन नेहरू सरकार की जम्मू कश्मीर से सम्बंधित दूसरी सबसे बड़ी गल्ती थी राज्य में धारा 370 लागू करवाना। इस धारा के अंतर्गत केंद्र सरकार को रक्षा, विदेश एवं संचार जैसे कुछ क्षेत्रों को छोड़कर शेष समस्त क्षेत्रों के लिए भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू करने के लिए राज्य सरकार की अनुमति लेना आवश्यक होता था। अतः भारत सरकार के कानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होते थे। इसका परिणाम यह निकलता था कि भारत के अन्य राज्यों से कोई भी भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर की सीमा के अंदर जमीन या सम्पत्ति नहीं खरीद सकता था। जम्मू कश्मीर के लिए भारतीय तिरंगा के अलावा एक अलग राष्ट्रीय ध्वज भी होता था, इसलिए वहां के नागरिकों द्वारा भारतीय तिरंगा के सम्मान नहीं करने पर उन पर कोई अपराधिक मामला दर्ज नहीं हो सकता था। यहां तक कि जम्मू और कश्मीर के सम्बंध में भारत की सुप्रीम कोर्ट द्वारा यदि कोई आदेश दिया जाता है, तो वहां के लिए यह जरूरी नहीं है कि वे इसका पालन करें। जम्मू और कश्मीर की कोई महिला यदि भारत के किसी अन्य राज्य के किसी व्यक्ति से शादी कर लेती है, तो उस महिला से उसके कश्मीरी होने का अधिकार छिन जाता था। इसके विपरीत यदि कोई कश्मीरी महिला पाकिस्तान में रहने वाले किसी व्यक्ति से निकाह करती है, तो उसकी कश्मीरी नागरिकता पर कोई असर नहीं होता था। साथ ही, कोई पाकिस्तानी नागरिक यदि कश्मीरी लड़की से शादी करता था और फिर कश्मीर में आकर रहने लगता था तो उस व्यक्ति को भारतीय नागरिकता भी प्राप्त हो जाती थी। यह किस प्रकार के नियम बनाए गए थे जिनके अनुसार एक भारतीय नागरिक जम्मू कश्मीर में नहीं बस सकता था परंतु एक पाकिस्तानी नागरिक यहां बस सकता था और आतंकवाद फैला सकता था। कुल मिलाकर धारा 370 के चलते, नागरिकों के हितार्थ पूरे देश में भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही कई योजनाओं का लाभ जम्मू कश्मीर एवं लद्दाख के नागरिकों को नहीं मिल पा रहा था एवं इन क्षेत्रों का विकास भी नहीं हो पा रहा था क्योंकि अत्यधिक आतंकवाद के चलते कोई भी उद्योगपति अपना निवेश इस क्षेत्र में करने को तैयार ही नहीं होता था।

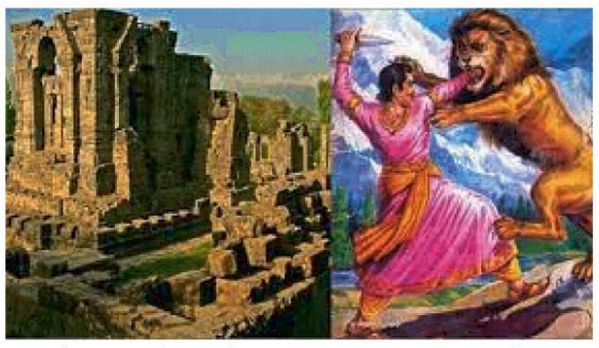

देश दुनीया से

सर्जिकल और एअर स्ट्राइक से पाक तो कुछ दिनों बाद संभल गया था, मगर कांग्रेस अब तक नहीं संभल पाई है

देश पर दशकों तक शासन करने वाली पार्टी कांग्रेस को पता है कि देश की रक्षा-सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए लेकिन कांग्रेस है कि मानती नहीं। सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक को फर्जी बता कर कांग्रेस नेता तमाम अवसरों पर सेना के शौर्य पर सवाल उठाते रहे हैं। अब कांग्रेस के नेता जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के एक साक्षात्कार में कही गयी बात पर विश्वास करते हुए पुलवामा हमले के लिए मोदी सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस ने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान एक पूर्व सेना अधिकारी के दावों के हवाले से सर्जिकल स्ट्राइक को संदिग्ध बनाने का प्रयास किया था और अब सत्यपाल मलिक के हवाले से वह पुलवामा हमले को संदिग्ध बनाने का प्रयास कर रही है। यहां कांग्रेस से कुछ सवाल हैं-

कांग्रेस के नेता जम्मू-कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के एक साक्षात्कार में कही गयी बात पर विश्वास करते हुए पुलवामा हमले के लिए मोदी सरकार को दोषी ठहरा रहे हैं। हम आपको याद दिला दें कि कांग्रेस ने पिछले लोकसभा चुनावों के दौरान एक पूर्व सेना अधिकारी के दावों के हवाले से सर्जिकल स्ट्राइक को संदिग्ध बनाने का प्रयास किया था और अब सत्यपाल मलिक के हवाले से वह पुलवामा हमले को संदिग्ध बनाने का प्रयास कर रही है। यहां कांग्रेस से कुछ सवाल हैं- जब भी चीन और पाकिस्तान से जुड़ा मुद्दा होता है तब कांग्रेस देश के साथ क्यों खड़ी नजर नहीं आती? इसके अलावा क्या पुलवामा हमले को लेकर कांग्रेस के आरोप एक तरह से पाकिस्तान को क्लीन चिट देना नहीं है? क्योंकि पाकिस्तानी मीडिया कांग्रेस नेताओं के बयानों को चौबीसों घंटे दिखा रहा है। सर्जिकल और एयर स्ट्राइक से पाकिस्तान तो कुछ दिनों बाद संभल गया था मगर शायद कांग्रेस अब तक नहीं संभल पाई है। यही नहीं, जो कांग्रेस नेता वर्तमान सरकार की आतंकवाद से निबटने संबंधी नीति पर सवाल उठा रहे हैं और पुलवामा में सैनिकों की दुखद मौत के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं उन्हें बताना चाहिए कि जब उनके शासन में हमारे जवानों की गर्दन काट कर सीमा पार आतंकवादी भाग जाया करते थे तब क्या बदला लिया गया था? कांग्रेस को यह भी बताना चाहिए कि 26/11 के मुंबई हमले के बाद सेना को पाकिस्तान पर जवाबी कार्रवाई करने से क्यों रोका गया था? कांग्रेस को बताना चाहिए कि क्यों उसके शासन में भीड़भाड़ वाले इलाकों में ही नहीं बल्कि आलीशान होटलों और अदालत परिसरों में भी श्रृंखलाबद्ध बम विस्फोट होना आम बात थी? कांग्रेस बताये कि क्यों उसके राज में पूर्वोत्तर उग्रवाद और कश्मीर आतंकवाद से जूझता रहता था और देश के कई दर्जन जिले माओवाद की समस्या से ग्रसित थे? कांग्रेस को समझना चाहिए कि वक्त बदल चुका है। भारत का स्पष्ट संदेश है कोई छेड़ेगा तो छोड़ेंगे नहीं। आपको याद ही होगा कि पुलवामा हमले के तुरंत बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा कर दिया था कि भारत तगड़ी जवाबी कार्रवाई कर सकता है। भारत ने कार्रवाई की और ऐसी की कि दुश्मन देश के सेनाध्यक्ष के हाथ पैर कांप रहे थे। कांग्रेस के राज में हर जगह एक ही उद्घोषणा होती थी कि लावारिस वस्तु बम हो सकती है लेकिन उरी, पुलवामा, डोकलाम, गलवान और तवांग के बाद हर दुश्मन को यह स्पष्ट हो गया है कि भारत को आजमाने की कोशिश मत करना।

अमृत कलश

विचारों का आदर

दूसरों के विचारों को अवश्य सुनें,हो सकता है उसके विचार अच्छे हों, बात ऊँचे स्तर का हो, नयी बात हो, तभी तो नया सीखेंगे। तभी तो एक दूसरे से बोलना सीखेंगें।-किसी के विचारों से सहमत होना एक बात है और किसी के विचारों को सुनना दूसरी बात। विचार किसके हैं ? से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि विचार कैसे हैं ? मित्र भी अगर बुरे विचारों को रखकर गलत यानी तर्कहीन सलाह देता हो तो उस सलाह को त्यागदेना ही हितकर है। और शत्रु भी यदि अच्छी सलाह देता है तो वो भी श्रेयस्कर है। विचार का सही गलत का आंकलन मित्र या शत्रु से न करके ,विवेक या तर्क से करना ही उचित है I इस का प्रमाण यह नीति श्लोक भी है I

युक्तियुक्तं वचो ग्राह्यं बालादपि शुकादपि ।
अयुक्तमपि न ग्राह्यं साक्षादपि बृहस्पतेः ॥

तर्कयुक्त वचन बालक या तोते से भी ग्राह्य है किन्तु तर्कहीन वचन यदि साक्षात बृहस्पति भी कहें तो नहीं मानना चाहिए । यदि लोगों के बीच आप ही बात करते रहोगे तो आप केवल वही दुहरायेंगे जो आप जानते हैं परन्तु दूसरों को सुनोगे तो जरूर कुछ नया सीखने को मिलेगा। आप भले ही दूसरों के विचारों से सहमत न हों कोई बात नहीं, लेकिन एक बार दूसरों के विचारों को सुन अवश्य लेना चाहिए। जिन्दगी की आधी शिकायतें ऐसे ही दूर हो जाएँ अगर लोग एक दूसरे के बारे में बोलने के वजाय एक दूसरे से बोलना सीख जाएँ। दूसरों के विचारों को प्रगट करने की अभिव्यक्ति का जरूर सम्मान करें ।

बोध कथा

भगवान की शरण, भक्त की पुकार

अभिमन्यु की पत्नी उत्तरा महल में झाड़ू लगा रही थी तो द्रौपदी उसके समीप गई उसके सिर पर प्यार से हाथ फेरते हुए बोली, 'पुत्री भविष्य में कभी तुम पर घोर से घोर विपत्ति भी आए तो कभी अपने किसी नाते-रिश्तेदार की शरण में मत जाना। सीधे भगवान की शरण में जाना।' उत्तरा हैरान होते हुए माता द्रौपदी को निहारते हुए बोली, 'आप ऐसा क्यों कह रही हैं माता ? द्रौपदी बोली, 'क्योंकि यह बात मेरे ऊपर भी बीत चुकी है। जब मेरे पांचों पति कौरवों के साथ जुआ खेल रहे थे, तो अपना सर्वस्व हारने के बाद मुझे भी दांव पर लगाकर हार गए। फिर कौरव पुत्रों ने भरी सभा में मेरा बहुत अपमान किया। मैंने सहायता के लिए अपने पतियों को पुकारा मगर वो सभी अपना सिर नीचे झुकाए बैठे थे। पितामह भीष्म, द्रोण धृतराष्ट्र सभी को मदद के लिए पुकारती रही मगर किसी ने भी मेरी तरफ नहीं देखा, वह सभी आँखें झुकाए आँसू बहाते रहे। सबसे निराशा होकर मैंने श्रीकृष्ण को पुकारा।" 'आपके सिवाय मेरा और कोई भी नहीं है, तब श्रीकृष्ण तुरंत आए और मेरी रक्षा की।' जब द्रौपदी पर ऐसी विपत्ति आ रही थी तो द्वारिका में श्री कृष्ण बहुत विचलित होते हैं। क्योंकि उनकी सबसे प्रिय भक्त पर संकट आन पड़ा था। रूकमणि उनसे दुखी होने का कारण पूछती हैं तो वह बताते हैं मेरी सबसे बड़ी भक्त को भरी सभा में नग्न किया जा रहा है।

नागरिक बोध

बिहार में मौजूदा कानुन व्यवस्था की उड़ रही है धज्जियां

बिहार में कानून व्यवस्था चरमरा जाने से उपद्रवियों के हौसले बुलंद है। प्रदेश में प्रशासन की कमजोरी पड़ती धाक के चलते बिहार में अनेक घटनाए आकार ले रही है। बिहार के मुख्यमंत्री कानून व्यवस्था की ढीली पकड़ को विपक्ष की चापलूसी और बदले की भावना का आरोप लगाते रहते है। बिहार में लालू की राजद से जब से गठबन्धन किया है उसके बाद बिहार में घटनाओ का अंबार लगा है। हररोज दहशतगर्दी से लोग जीवन गुजार रहे है। ख़ौफ़ज़दा जनता के मन मे भय व्याप्त है। बिहार में घटने वाली घटनाओं को सरकार हल्के में ले रही है। इन वारदातों से बड़े पैमाने पर असामाजिक तत्वों द्वारा भ्रम फैलाया जा रहा है। पूर्वी चंपारण में जहरीली शराब में 30 से ज्यादा लोगो की मौत के बाद प्रशासन ने कई पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया है। जहरीली शराब में हुई मौतों के लिए बिहार सरकार ने मृतकों के परिवार को चार चार लाख रुपए देने का ऐलान कर पिछली बार जहरीली शराब से मरने वाले शराबियों के परिजनों को मदद नही की गई। आरा के कृष्णगढ़ थाना क्षेत्र में विवाहिता की हत्या कर दी गई। बिगड़ती कानून व्यवस्था के कारण पुलिसकर्मियों पर सवालिया निशान लगाया जा रहा है। यू तो बिहार में कानून व्यवस्था पर कोई टिपण्णी करते पाये जाते है तो विपक्ष को आड़े हाथ लेकर कोसा जाता है, बडबोलेपन के आदि उपमुख्यमंत्री तेजस्वी विपक्ष में रहते नीतीश सरकार की कानून व्यवस्था पर बहुत आरोप लगाए ,गठबंधन में आने के बात नीतीश भी लालू के परिवार के साथ घनिष्ट संबंध बढ़ने के साथ ही तेजस्वी के नवजात बच्चे को दुलार करते देखे गए है। कानून व्यवस्था की दुहाई देने वाले नेताओं पर प्रदेश को लेकर कोई औचित्य नही है। जिस तरह खनन को रोकने के लिए खनन इंस्पेक्टर पुलिस काफले के साथ ट्रक लोडिंग के स्थान पर जाकर रुकवाने की कोशिश करती है तो हमलावरों ने महिला इंस्पेक्टर पर लाठिया भांजी गई। पुलिस का जरा भी ख़ौफ़ होता तो हिरासत में लिए गए हमलावरों के परिजनों के उपद्रव को शांत करने में पुलिस अपनी भूमिका निभा सकती थी।लेकिन हमलावरो की पैरवी करने वाली नीतीश सरकार को निष्पक्षता के साथ महिला इंस्पेक्टर पर हमले को लेकर उपद्रवियों को पाठ पढ़ाने के लिए चट्टी का दूध याद दिलाना चाहिए। कानून हाथ मे लेने का किसी का हक नही है। महिला अधिकारी को हमलावरो के बीच घिरती देख पुलिस भागने में सफल रही । उल्लेखनीय हैं कि भीम आर्मी के नेता को गोलीमार कर हत्या जैसे संगीन जुल्मों से बिहार में वारदाते बढ़ती जा रही है। नीतीश जब एनडीए के गठबंधन के साथ थे तो पुलिस प्रशासन उनके विचारधारा से चलती थी। लेकिन अब लालू और तेजस्वी सरंक्षण में हमलावर आजाद घूम रहे है। सरकार को ध्यान देना चाहिए।

अनवारुल हक बने पीओके के नए पीएम, उच्च न्यायालय को धमकाने के लिए पूर्व पीएम तनवीर को खोना पड़ा था पद

इस्लामाबाद ।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के सांसद चौधरी अनवारुल हक को पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर का प्रधानमंत्री चुना गया। गौरतलब है, पूर्व प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास को हाईकोर्ट ने अवमानना मामले में दोषी साबित किया था। साथ ही कोर्ट ने उनको विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया था। इसके बाद से ही यह पद खाली था।

हक को सदन में उपस्थित सभी 48 सदस्यों का विश्वास प्राप्त हुआ है। इनमें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज सहित सभी प्रमुख दल शामिल हैं। इससे पहले प्रधानमंत्री चुनने के लिए आयोजित एक विधानसभा सत्र को बिना किसी मतदान के स्थगित कर दिया था। वहीं पूर्व पीएम सरदार तनवीर ने इस्लामाबाद में एक समारोह में अप्रत्यक्ष रूप से न्यायपालिका पर उनकी सरकार के कामकाज को प्रभावित करने और स्थगन आदेशों के माध्यम से कार्यपालिका के क्षेत्र में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया था।

यह है मामला – पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के प्रधानमंत्री सरदार तनवीर इलियास को हाईकोर्ट ने अवमानना मामले में दोषी साबित किया था। साथ ही कोर्ट ने उनको विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया था। बता दें कि सरदार तनवीर पीओके के पहले ऐसे नेता हैं, जिन पर कार्रवाई हुई। हाईकोर्ट का ये फैसला उस वक्त आया, जब पीओके के सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट ने एक साथ तनवीर इलियास के खिलाफ धमकी भरे लहजे में एक भाषण देने पर समन भेजा था। हाईकोर्ट ने तनवीर इलियास को अयोग्य ठहराते हुए पीओके के मुख्य चुनाव आयुक्त अब्दुल रशीद सुलेहरिया से नए प्रधानमंत्री के लिए चुनाव कराने को कहा था। अदालत ने इलियास को किसी भी सार्वजनिक कार्यालय को संभालने के लिए भी अयोग्य घोषित कर दिया है। अदालत ने कहा कि प्रधानमंत्री तनवीर इलियास ने सीधे तौर पर उच्च न्यायालय को धमकी दी है और एक जनसभा में उनके भाषण की भाषा बेहद अपमानजनक, अनुचित और अभद्र शब्दों वाली है। कोर्ट ने इलियास के ताजा बयानों के साथ-साथ उनके पुराने ट्रैक रिकॉर्ड को भी खंगाला। इसके बाद कोर्ट ने कहा था कि उन्होंने पहले भी आपत्तिजनक, अशोभनीय और अनुचित बयान दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा का प्रस्ताव अदालत ने किया खारिज, 30 दिन में आ जाएगा फैसला!

वॉशिंगटन । साल 2008 के मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के स्टेट्स कॉन्फ्रेंस प्रस्ताव को अमेरिका की अदालत ने खारिज कर दिया है। अदालत ने प्रस्ताव खारिज करते हुए कहा कि अगले 30 दिनों में उसके मामले पर फैसला आने का अनुमान है। बता दें कि तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण मामले पर आखिरी सुनवाई जून 2021 में हुई थी। जिसके चलते तहव्वुर राणा ने अमेरिका की अदालत में स्टेट्स कॉन्फ्रेंस का प्रस्ताव दिया था। स्टेट्स कॉन्फ्रेंस एक कानूनी प्रक्रिया है, जिसके तहत अदालत के आदेश से अभियोजन पक्ष और बचाव पक्ष के बीच बैठक का आदेश दिया जाता है, जिसमें मामले के विवरण और दोनों पक्षों में सुलह की कोशिश की जाती है। लंबे समय से मामले की सुनवाई ना होने पर तहव्वुर राणा के वकील ने बीते महीने यह प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव में कहा गया था कि मामले पर आखिरी सुनवाई 21 जुलाई 2021 को हुई थी। आरोपी लगातार कैद में है। ऐसे में यह सही रहेगा कि अभियोजन और बचाव पक्ष मिलकर मामले की ताजा स्थिति पर चर्चा करें। लॉस एंजेलेस के यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की जज जैकलीन चूलजियान ने प्रस्ताव को खारिज करते हुए कहा कि दोनों पक्षों को सलाह दी जाती है कि अदालत मानकर चल रही है कि इस मामले में 30 दिनों के भीतर फैसला आ जाएगा। अदालत ने कहा कि स्टेट्स कॉन्फ्रेंस की मांग को खारिज किया जाता है क्योंकि अदालत को लगता है कि इस तरह की कार्यवाही बेवजह है और इससे अदालत को कोई मदद नहीं मिलेगी।

यूक्रेन को समय पर हथियार नहीं दे पा रहा अमेरिकाः यूएस की कंपनियों को रॉकेट मोटर बनाने में परेशानी, 17 हजार करोड़ का है कॉन्ट्रैक्ट

वॉशिंगटन । रूस से लड़ने के लिए अमेरिका ठीक से यूक्रेन को हथियारों की सप्लाई नहीं कर पा रहा है। इसका खुलासा वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में हुआ है। इसमें बताया गया है कि पिछले कुछ समय से अमेरिकी कंपनियां यूक्रेन की मांग के मुताबिक रॉकेट मोटर नहीं बना पा रही हैं। इससे स्पलाई चेन में दिक्कत आ रही है। वहीं, यूक्रेन जंग की वजह से हथियार बनाने वाली अमेरिकी कंपनियों की सेल यानी बिक्री में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। 18 अप्रैल को रिलीज की गई रिपोर्ट में हिमरास मिसाइल सिस्टम बनाने वाली लॉकहीड कंपनी ने बताया कि साल की पहली तिमाही में उसने एक लाख करोड़ रुपए की कमाई की है। हालांकि, प्रोडेक्शन में दिक्कत आने से वो प्रोजेक्टाइल यूक्रेन नहीं भेज पा रहे हैं। प्रोजेक्टाइल का इस्तेमाल हिमारस मिसाइल सिस्टम में किया जाता है। ये हिमरास में लगने वाली मिसाइल और रॉकेट होते हैं। दरअसल, अमेरिका ने रूस से लड़ने के लिए यूक्रेन को 38 हिमरास मिसाइल सिस्टम दिए हैं। जो अब बिना प्रोजेक्टाइल के बेकार साबित होंगे। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक यूक्रेन को अमेरिका से अब तक 5 हजार से ज्यादा प्रोजेक्टाइल मिले हैं। वहीं, पिछले हफ्ते ही एयरोजेट कंपनी से पेंटागन ने 17 हजार करोड़ रुपए का कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है।

भारतीय मूल के सांसद बोले- एच-1बी वीजा की संख्या बढ़ाने की जरूरत; इन दो देशों को मिल सकता है फायदा

वॉशिंगटन । भारतीय मूल के अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने एच-1बी वीजा की संख्या बढ़ाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने आव्रजन के लिए कानूनी रास्ते भी बढ़ाने की मांग की है। थानेदार ने यह अपील यूएस होमलैंड सिक्योरिटी के मंत्री एलेजांदरो मेयरकास से की है। बता दें कि भारतीय पेशेवरों में एच-1बी वीजा की सबसे ज्यादा मांग है। ऐसे में अगर अमेरिकी सांसद की मांग को मानकर एच-1बी वीजा की संख्या बढ़ाई जाती हैं तो इसका फायदा भारतीयों को मिल सकता है। अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने वित्तीय वर्ष 2024 में होमलैंड सिक्योरिटी की बजट मांग पर अमेरिकी कांग्रेस (संसद) में चर्चा के दौरान कहा कि हमें आव्रजन के लिए कानूनी रास्तों में विस्तार करने की जरूरत है। साथ ही एच-1बी वीजा की संख्या बढ़ाने की भी जरूरत है। थानेदार ने कहा कि आव्रजन व्यवस्था की असफलता के चलते ही अमेरिका की सीमाओं पर चुनौती बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा के लिए सीमाओं को सुरक्षित करना बेहद जरूरी है।

चीन को लेकर बढ़ती जा रही हैं अमेरिका की चिंताएं, कूटनीतिक क्षेत्र में भी निकला आगे

वॉशिंगटन ।

अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव की सशस्त्र सेवा समिति ने चीन की बढ़ रही सैनिक और तकनीकी शक्ति की जो तस्वीर पेश की है, उससे अमेरिका के रक्षा हलकों में चिंता बढ़ गई है। हाउस के सामने अमेरिका के इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल जॉन अक्विलिनो ने बताया कि चीन पहले ही हाइपरसोनिक हथियारों के क्षेत्र में काफी आगे निकल चुका है। वह जिस 'गति से उन्नत क्षमताओं' का प्रदर्शन कर रहा है, वह चिंताजनक है।

कमांड से जुड़े कुछ दूसरे अधिकारियों ने बायो-टेक्नोलॉजी क्षेत्र में चीन की तेज प्रगति का जिक्र किया और कहा कि इस क्षमता का उपयोग चीन जैविक और रासायनिक हथियार बनाने में कर सकता है। अमेरिका ने पिछले एक साल के दौरान सेमीकंडक्टर क्षेत्र में चीन की प्रगति रोकने के लिए कई कदम उठाए हैं।

चीन को ऐसी तकनीक बेचने पर उसने प्रतिबंध लगा दिए हैं। विश्लेषकों के मुताबिक हाउस के सामने जो जानकारियां रखी गईं, उनसे अमेरिका की बढ़ रही आशंकाओं को और बल मिला है। इसके बाद संभव है कि चीन के सैनिक-औद्योगिक ढांचे की आधुनिक तकनीक तक पहुंच सीमित करने के उपाय और सख्त किए जाएं।

विश्लेषकों के मुताबिक रूस के साथ चीन की बढ़ती निकटता के कारण चीन की सैनिक क्षमताओं को लेकर पश्चिमी देशों की चिंता हाल में और गहरा गई है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मार्च में मास्को की यात्रा की थी। उसके बाद इसी हफ्ते चीन के रक्षा मंत्री ली शांगफू ने मास्को की यात्रा की। चीनी रक्षा मंत्री की यात्रा के दौरान दोनों देशों ने निकट सैनिक संबंध बनाने का फैसला किया।

उन्होंने मिलिट्री थिएटर, मिलिट्री सेवाओं और सैनिक अकादमियों में संयुक्त पहल करने का निर्णय लिया है। समझा जाता है कि इससे दोनों देशों के सैनिक रिश्ते अधिक मजबूत हो जाएंगे।

अमेरिकी मीडिया ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट में इस बात का हवाला दिया गया है कि अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने विज्ञान और तकनीक में चीन की प्रगति से अमेरिका के लिए बढ़ रही चुनौतियों का जिक्र किया था।

उन्होंने कहा था कि विज्ञान एवं तकनीक की उन्नति से 21वीं सदी में भू-राजनीतिक परिदृश्य बदल जाएगा। उन्होंने कहा था कि ऐसे में चीन को तकनीक निर्यात पर रोक लगाना एक रणनीतिक उपाय के रूप में सामने आया है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक कूटनीतिक क्षेत्र में चीन को मिल रही सफलताओं से भी अमेरिका चिंतित है। हाल में ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनेसियो लूला दा सिल्वा ने चीन की यात्रा की थी।

वहां उन्होंने अमेरिका पर 'युद्ध भड़काने' का आरोप लगाया। इससे अमेरिका खासा नाराज हुआ है। लूला की यात्रा के बाद जेक सुलिवन ने लूला के विदेश नीति संबंधी सलाहकार सेल्सो अमोरिम को फोन किया। बाद में व्हाइट हाउस ने एक बयान में बताया कि सुलिवन और अमोरिम के बीच विभिन्न द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें यूक्रेन युद्ध भी शामिल है।

ऐसी खबरें भी हैं कि अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन की चीन यात्रा के प्रस्ताव पर चीन ने चुप्पी साध रखी है। ब्लिंकेन ने इसे लेकर चीन को कड़ा संदेश भेजा। उन्होंने कहा कि चीन को यह तय करना होगा कि वह अमेरिका के साथ संवाद कायम रखना चाहता है या नहीं।

यूएस कमांडर बोले

चीन से एक जैसी सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे भारत-अमेरिका, बाइडन सरकार ऐसे पहुंचा रही मदद

वाशिंगटन ।

अमेरिका के टॉप कमांडर ने अपने बयान में कहा है कि भारत और अमेरिका की सुरक्षा चुनौतियां एक जैसी हैं और दोनों देशों को चीन से खतरा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका की जो बाइडन सरकार ना सिर्फ भारत की रक्षा क्षेत्र में सहयोग कर रही है बल्कि भारत में उसके खुद के उद्योग क्षेत्र को भी विकसित करने में मदद कर रही है।

भारत अमेरिका की चुनौती समान

यूएस इंडो पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल जॉन क्रिस्टोफर एक्विलिनो ने कहा कि हम भारत के साथ अपनी साझेदारी की अहमियत समझते हैं और समय के साथ बहुत कुछ किया जा रहा है। हम एक जैसी सुरक्षा चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। हम साथ में काम करने की इच्छा भी रखते हैं चूंकि हम दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र हैं। हमारे मूल्य भी समान हैं और हमारे लोगों के लोगों से संबंध कई सालों से हैं। मैं अपने समकक्ष जनरल चौहान से भी रायसीना डायलॉग के दौरान मिला था और बीते दो साल में मैं पांच बार भारत जा चुका हूं।

भारतीय मूल के सांसद रो खन्ना ने किया था सवाल

बता दें कि यूएस इंडो पैसिफिक कमांडर आर्म्ड सर्विस कमेटी के सदस्यों के हिंद प्रशांत की सुरक्षा सवालों के जवाब दे रहे थे। इस दौरान भारतीय मूल के सांसद रो खन्ना ने एडमिरल से सवाल किया था, जिसके जवाब में कमांडर एक्विलिनो ने उक्त जवाब दिया। रो खन्ना ने पूछा था कि औपनिवेशिक काल के बाद भारत और चीन के रिश्ते अच्छे थे और दोनों देश एशिया की आवाज बनकर उभर रहे थे लेकिन उसके बाद रिश्ते खराब हो गए और अब चीन एशिया के अपने अन्य सहयोगी देशों के साथ जूनियर की तरह व्यवहार कर रहा है।

क्वाड को लेकर क्या बोले अमेरिकी कमांडर

एडमिरल एक्विलिनो ने क्वाड का भी जिक्र किया लेकिन ये भी कहा कि क्वाड कोई सुरक्षा संगठन नहीं है और यह एक कूटनीतिक और आर्थिक संगठन है। उन्होंने कहा कि भारत, अमेरिका का अहम सहयोगी है और दोनों देश अक्सर संयुक्त रूप से युद्धाभ्यास भी करते रहते हैं।

पीएम मोदी पर विवादित टिप्पणी करने वाले पाकिस्तानी विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो भारत आएंगे

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो चार और पांच मई को भारत में रहेंगे। वे यहां गोवा में शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) के सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की। बताया गया है कि बिलावल के साथ अधिकारियों का एक डेलिगेशन भी भारत दौरे पर आएगा। बता दें कि अगर पाकिस्तानी विदेश मंत्री व्यक्तिगत रूप से इस बैठक में भाग लेने आते हैं, तो यह 2011 के बाद से इस्लामाबाद की तरफ से किसी विदेश मंत्री की पहली भारत यात्रा होगी। 2011 में पाकिस्तानी विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने भारत का दौरा किया था। खार वर्तमान में विदेश मामलों की राज्यमंत्री के रूप में सेवारत हैं।

हालांकि, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ मई 2014 में तत्कालीन पीएम के तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत दौरे पर आए थे। इसके बाद दिसंबर 2015 में भारत की तत्कालीन विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने

पाकिस्तान का दौरा किया था और कुछ दिनों बाद पीएम मोदी ने पड़ोसी देश का संक्षिप्त दौरा किया था। इससे पहले दिसंबर 2022 में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर विवादित बयान दिया था। इसके चलते उन्हें अपने ही देश में आलोचनाओं का शिकार होना पड़ा था। दरअसल संयुक्त राष्ट्र की बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान पर आतंकवाद को पालने-पोसने का आरोप लगाया था।

क्वाड जैसे समूहों में भारत के साथ मिलकर काम करने को अमेरिका प्रतिबद्ध, व्हाइट हाउस का बड़ा बयान

वाशिंगटन ।

व्हाइट हाउस ने कहा कि अमेरिका दोनों देशों के लिए आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने और हमारी साझा प्राथमिकताओं के सहयोग का विस्तार करने के लिए क्वाड जैसे समूहों में भारत के साथ मिलकर काम करना जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कारीन जीन-पियरे ने एक प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि हम अपने दोनों देशों के लिए आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने और हमारी साझा प्राथमिकताओं के सहयोग का विस्तार करने के लिए क्वाड जैसे समूहों में एक साथ काम करना जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बता दें कि क्वाड एक रणनीतिक मंच है जिसमें भारत, जापान, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। इसका प्राथमिक उद्देश्य हिंद-प्रशांत क्षेत्र में महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों को किसी भी प्रभाव से मुक्त रखने के लिए एक नई रणनीति विकसित करना है। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं, और इसमें व्यापार भी शामिल है।

इस बीच, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में कहा था कि भारत और अमेरिका एक मजबूत, शांतिपूर्ण और सामंजस्यपूर्ण वैश्विक समुदाय की नींव बना रहे हैं। उन्होंने कहा था कि वह यह भी चाहती है कि दोनों देशों के बीच संबंध मजबूती से बढ़ें। इससे पहले, अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू ने कहा कि अमेरिका भर में भारतीय समुदाय के सदस्य द्विपक्षीय वाणिज्यिक, आर्थिक और लोगों से लोगों के संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

अमेरिका ने यूक्रेन के लिए नई सैन्य सहायता में 325 मिलियन अमेरीकी डॉलर की घोषणा की

संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक पैकेज में यूक्रेन के लिए नई सैन्य सहायता में 325 मिलियन अमरीकी डालर की घोषणा की, जिसमें हाई मोबिलिटी आर्टिलरी रॉकेट सिस्टम के लिए अधिक आर्टिलरी राउंड और रॉकेट शामिल होने की उम्मीद है।

पंजाब में चुनाव टालने के लिए 'राजनीतिक संवाद' को ढाल बना रहे हैं शहबाज शरीफ

इस्लामाबाद ।

पंजाब में प्रांतीय असेंबली के चुनाव के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट से राहत न मिलने के बाद अब पाकिस्तान के सत्ताधारी गठबंधन की सारी उम्मीदें विपक्ष से बातचीत पर टिक गई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ कर दिया कि 14 मई को प्रांतीय चुनाव कराने के अपने आदेश में वह मौजूदा हालात के बीच कोई फेरबदल नहीं करेगा।

लेकिन कोर्ट ने संकेत दिया कि अगर चुनाव टालने के बारे में सभी राजनीतिक दलों के बीच आम सहमति बन जाए, तो वह इस मामले में रियायत देने पर विचार कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश उमर अता बंदियाल के नेतृत्व वाली तीन जजों के सामने सरकार की तरफ से दलील दी गई कि राजनीतिक वार्ता पंजाब और खैबर पख्तूनवा प्रांतों में चुनाव को लेकर चल रहे विवाद को हल करने का वैकल्पिक मार्ग हो सकती है। अटार्नी जनरल मंसूर अवान ने कोर्ट को बताया कि विदेश मंत्री और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के नेता बिलावल भुट्टो जरदारी ने इस सिलसिले में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से मुलाकात की है। उसके बाद सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट (पीडीएम) में शामिल दलों के नेताओं की बैठक भी हुई है। भुट्टो जरदारी पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) से संवाद कायम करने की वकालत कर रहे हैं।

लेकिन कोर्ट ने स्पष्ट किया कि

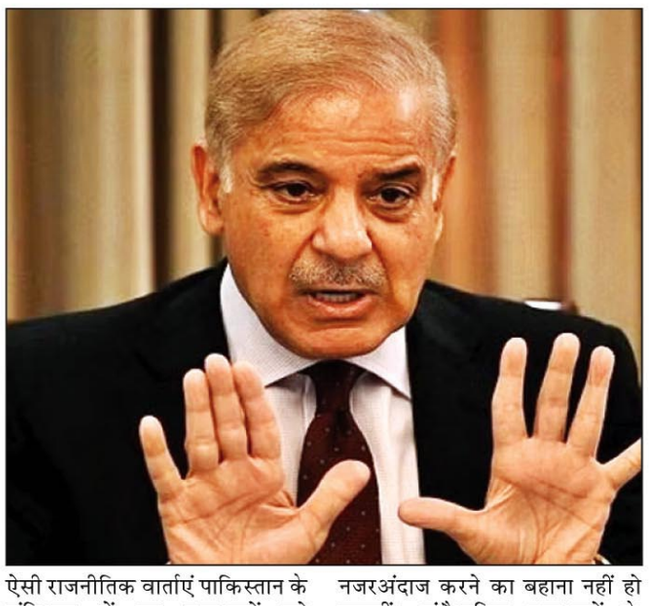

ऐसी राजनीतिक वार्ताएं पाकिस्तान के संविधान में तय प्रावधानों को नजरअंदाज करने का बहाना नहीं हो सकतीं। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक किसी सदन के भंग होने के बाद 90 दिन में उसका आम चुनाव कराना अनिवार्य है। कोर्ट ने इस विवाद पर विभिन्न राजनीतिक दलों की राय प्रत्यक्ष रूप से जानने की पहल भी की है। उसके तहत उसने विभिन्न दलों को नोटिस जारी कर उनसे अपने अधिकृत प्रतिनिधि कोर्ट के सामने भेजने का निर्देश दिया है।

प्रधानमंत्री शरीफ ने अपने आवास पर पीडीएम में शामिल नेताओं के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। उसमें देश की मौजूदा हालत पर विचार किया गया। साथ ही सुप्रीम कोर्ट के सख्त रुख से पैदा हुए 'संवैधानिक संकट' के बीच आगे का रास्ता तय करने पर बातचीत की गई।

सत्ताधारी गठबंधन के नेताओं ने तय किया कि ईद के बाद सभी राजनीतिक दलों के नेता इकट्ठे होंगे। उस बैठक में उन दलों के नेताओं को भी बुलाया जाएगा, जिनकी नुमाइंदगी नेशनल असेंबली में नहीं है। बैठक का मकसद राजनीतिक आम सहमति तैयार करना होगा।

पीडीएम नेताओं ने बैठक के बाद बताया कि सत्ताधारी गठबंधन पहले ही अगले आम चुनाव के बारे में राय-मशविरे की प्रक्रिया शुरू कर चुका है। प्रधानमंत्री ने इसके लिए एक समिति का गठन किया है। बिलावल भुट्टो जरदारी और जमात-ए-उलेमा (एफ) के नेता मौलाना फजलुर रहमान के अलावा जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख को भी इस समिति का हिस्सा बनाया गया है। पीडीएम ने कहा है कि वह तटस्थ सरकार की देखरेख में एक साथ पूरे देश में आम चुनाव कराने के लिए वचनबद्ध है।

लेकिन पर्यवेक्षकों के मुताबिक पीडीएम अभी भी पंजाब में मई में चुनाव कराने को तैयार नहीं दिख रहा है। इसीलिए वह अक्तूबर में नेशनल असेंबली के साथ-साथ चारों प्रांतों की असेंबलियों का चुनाव कराने की वकालत भी कर रहा है।

मजबूत लोकतंत्र के लिए लोक सेवकों की भूमिका अहम : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि देश में मजबूत लोकतंत्र के लिए लोक सेवकों की अहम भूमिका है। लोक सेवकों की भागीदारी से ही संवेदनशील, पारदर्शी एवं जवाबदेह सुशासन संभव है। उन्होंने कहा कि 2030 तक राजस्थान को देश का प्रथम राज्य बनाने की राज्य सरकार की परिकल्पना को साकार करने में लोक सेवकों का योगदान महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री गुरुवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सिविल सेवा दिवस-2023 के अवसर पर *प्रतिबद्ध प्रशासन, राज्य में सुशासन* की थीम पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने सभी लोक सेवकों को सिविल सेवा दिवस की बधाई दी। गहलोत ने कहा कि पंडित नेहरू एवं सरदार पटेल जैसे महापुरुषों की सोच से देश में एक उत्कृष्ट सिविल सेवा की नींव पड़ी, जिसका सम्मान उत्तरोतर बढ़ा है। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री राजीव गांधी ने सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश को 21वीं सदी से जोड़ने का सपना देखा था। इसी का परिणाम है कि देश आज आईटी के क्षेत्र में नए आयाम हासिल कर रहा है। उन्होंने कहा कि आईटी के लिए राज्य में 3 प्रतिशत बजट का प्रावधान किया गया है, इससे राजस्थान आईटी के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य बनकर उभरा है। गहलोत ने कहा कि देश में संवैधानिक संस्थाओं का बढ़ता दुरूपयोग चिंता का विषय है। लोक सेवकों का यह कर्तव्य है कि देश में असंवैधानिक एवं अलोकतांत्रिक परिस्थितियों का निर्माण ना हो। उन्होंने कहा कि लोक सेवकों को अपनी भूमिका केवल राजकीय सेवा तक सीमित ना रखकर समाज हित के कार्यों में भी भाग लेना चाहिए। गहलोत ने 24 अप्रैल से शुरू होने जा रहे महंगाई राहत शिविरों के सफल क्रियान्वयन के लिए लोक सेवकों का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज 11.04 की आर्थिक विकास दर के साथ राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। कोरोना महामारी के दौरान प्रदेश में किए गए शानदार प्रबंधन की सराहना पूरे देश में की गई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा जन घोषणा पत्र में किए गए लगभग 90 प्रतिशत वादे पूरे किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों के कल्याण के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना राज्य सरकार का ध्येय है। मुख्य सचिव उषा शर्मा ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि लोक सेवक राज्य सरकार की नीतियों और योजनाओं के क्रियान्वयन में योगदान देकर राज्य व राष्ट्र का निर्माण में अपनी भूमिका का निर्वहन करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व में राज्य के सभी लोक सेवकों ने प्रदेश के सामाजिक- आर्थिक विकास में उल्लेखनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जिले में कुपोषण एवं एनीमिया से मुक्ति, सामाजिक-आर्थिक उन्नति, महिला सशक्तीकरण, शिक्षा के समान अवसर, जीवन कौशल पर्यावरण, खेल सुविधाओं का विकास जैसे अनेक नवाचार जिला कलेक्टरों द्वारा किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा प्रदायगी सहित विभिन्न क्षेत्रों में पूरे देश में अग्रणी है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व मुख्य सचिव त्रिपुरा एम दामोदरन ने कहा कि सभी अधिकारियों को अपने कार्य के प्रति निष्ठा एवं ईमानदारी रखते हुए पूर्ण समर्पण के साथ काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि लोक सेवक आमजन की अपेक्षाओं का केंद्र हैं तथा उनकी जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। उन्होंने इस दौरान अपने प्रशासनिक अनुभवों को अधिकारियों से साझा किया तथा उन्हें नेतृत्व, निर्णय क्षमता, सुशासन के बारे में विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम में लोक सेवा में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए *मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार-2023* भी प्रदान किए गए। आयोजना विभाग के संयुक्त शासन सचिव सुशील कुमार कुलहरि, निदेशक (प्रोग्राम मॉनिटरिंग), मुख्य सचिव कार्यालय डॉ. नीतीश शर्मा, जिला कलेक्टर, बाड़मेर लोकबंधु, जिला कलेक्टर, पाली नमित मेहता, जिला कलेक्टर, झालावाड़ डॉ. भारती दीक्षित एवं जिला कलेक्टर, उदयपुर ताराचंद मीणा को मुख्यमंत्री उत्कृष्टता पुरस्कार दिए गए। इस दौरान प्रदेश में ई-गवर्नेंस और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए लागू किए गए ई-फाइल सिस्टम और विभिन्न जिलों में किए गए नवाचारों पर आधारित शॉर्ट फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम के उपरांत मुख्यमंत्री ने राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में सिविल सेवा के अधिकारियों द्वारा लिए गए फोटाग्राफ्स एवं बनाए गए चित्रों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया।

कैंसर से जूझ रहीं नवजोत कौर सिद्धू ने किए बाल दान

चंडीगढ़ (हिंस)। कैंसर से जूझ रही पूर्व मंत्री नवजोत कौर सिद्धू ने अपने लंबे बालों को कटवा कर दान कर दिया है। नवजोत कौर पंजाब कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी हैं। नवजोत कौर ने पिछले महीने कैंसर के सैकेंड स्टेज का ऑपरेशन करवाया था। उन्होंने अपने ब्वॉय कट लुक शेयर करते हुए लोगों को भी अपने बाल दान करने को कहा, ताकि कोई जरूरतमंद कैंसर मरीज सस्ती विग प्राप्त कर सके। नवजोत कौर ने ट्विटर पर अपनी पोस्ट शेयर करते हुए कहा कि चीजों को नाले में फेंकना दूसरों के लिए बहुत मायने रखता है। मैंने अभी अपने लिए प्राकृतिक बालों की विग की कीमत के बारे में पूछताछ की, जिसकी मुझे दूसरी कीमोथेरेपी के बाद आवश्यकता होगी तो लगभग 50 हजार से 70 हजार रुपये बताई गई है। इसलिए मैंने एक कैंसर रोगी के लिए अपने बाल दान करने का फैसला किया। डॉ. नवजोत कौर की अब कीमोथेरेपी की जानी है। दूसरी कीमोथेरेपी में उनके बाल झड़ने शुरू हो जाएंगे, जिसके लिए उन्हें विग की आवश्यकता होगी।

सिफारिशों पर कार्रवाई न होने से नाराज हुए गृह मंत्री अनिल विज

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज अब जिला शिकायत निवारण समिति की बैठकों में शामिल नहीं होंगे। विज इन बैठकों के दौरान की जाने वाली सिफारिशों पर कार्रवाई न होने से आहत हैं। विज ने गुरुवार के प्रदेश के मुख्य सचिव को पत्र लिखकर अपनी नाराजगी जताई। विज ने 13 जनवरी को हिसार ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में लोगों की शिकायतों के बाद हांसी के नायब तहसीलदार और सहायक रजिस्ट्रार को सस्पेंड करने के आदेश दिए थे। विज के हस्ताक्षर के बाद उनके निजी स्टाफ ने इस संदर्भ में आगे भी फाइल भेज दी थी लेकिन पिछले लगभग तीन महीनों में भी विज के आदेशों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे आहत विज ने अब मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कहा है कि जब ग्रीवेंस कमेटी की बैठक में लिए फैसलों पर ही कार्रवाई नहीं होती तो इस तरह की बैठकें लेने का कोई औचित्य नहीं है। विज ने लिखा है कि जब तक फैसलों पर एक्शन नहीं होता वह ग्रीवेंस कमेटी की बैठक नहीं लेंगे। विज के पास फिलहाल हिसार जिले की ही कमान है। इससे पहले वे फतेहाबाद, कैथल, पानीपत और रोहतक सहित कई जिलों में ग्रीवेंस के प्रभारी मंत्री रह चुके हैं। विज अपनी दबंगई के लिए जाने जाते हैं। जिला शिकायत निवारण कमेटियों की बैठक के दौरान कई बार विज लापरवाह अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई के आदेश दे चुके हैं। पहले भी कई बार सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाते रहे हैं। अधिकारियों द्वारा सुनवाई नहीं करने और बेवजह फाइलों को रोकने और देरी करने के मामले में वे पूर्व गृह सचिव के खिलाफ भी पत्र लिख चुके हैं।

अवैध खनन करने वालों के खिलाफ अधिकारी करें सख्त कार्रवाई : उपायुक्त

फरीदाबाद (हिंस)। उपायुक्त विक्रम सिंह ने कहा है कि जिले में अवैध खनन करने वालों के खिलाफ संबंधित पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी सख्ती से पेश आएं। इस कार्य की नियमित निगरानी कर समीक्षा करके उसकी प्रगति रिपोर्ट भी ऑनलाइन प्लेटफार्म प्रणाली के जरिए मुख्यालय में प्रस्तुत करें। उपायुक्त गुरुवार को जिला स्तरीय टास्क फोर्स/खनन कार्य की समीक्षा बैठक में प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों को दिशा-निर्देश दे रहे थे।

अमृतसर एयरपोर्ट से खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की पत्नी को लिया हिरासत में

अमृतसर (हिंस)। अमृतसर एयरपोर्ट पर गुरुवार को वारिस पंजाब दे जत्थेबंदी के प्रमुख एवं खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह की पत्नी किरनदीप कौर को हिरासत में लिया गया है। बताया जा रहा है कि किरनदीप कौर विदेश जाने की तैयारी में थी और उसे एयरपोर्ट पर तैनात सुरक्षाकर्मियों एवं एजेंसियों द्वारा रोका गया है। अब उससे पूछताछ की जा रही है। उल्लेखनीय है कि गत 18 मार्च से अमृतपाल सिंह के विरुद्ध पंजाब पुलिस द्वारा शुरू की गई मुहिम के बाद लगातार वह फरार चल रहा है। उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार पंजाब पुलिस द्वारा छापेमारी की जा रही है। कुछ दिन पहले पुलिस ने अमृतपाल सिंह के खास एवं बेहद नजदीकी पप्पलप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया था।

आईआईटी रुड़की में सुपर कंप्यूटर परम गंगा से हुए रूबरू छात्र

हिसार (हिंस)। राजकीय बहुतकनीकी मंडी आदमपुर के कंप्यूटर इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों अपने ऐतिहासिक शैक्षणिक भ्रमण के दौरान आईआईटी रुड़की के सुपर कंप्यूटिंग फैसिलिटी में सुपर कंप्यूटर परम गंगा से रूबरू हुए। कॉर्डिनेटर कपिल भोरिया ने गुरुवार को बताया कि वहां छात्रों ने इस नई तकनीकी के बारे में जाना और इस फैसिलिटी की महत्वता को समझा। आईआईटी रुड़की से डॉ. नवनीत गुप्ता ने छात्रों को विस्तार से परम गंगा से होने वाले विशेष कार्यो के बारे में अवगत करवाया। भ्रमण के दौरान प्राध्यापक राजेन्द्र कुमार, राजकुमार व पारुल शर्मा सभी छात्रों के साथ थे। प्राचार्य डॉ. कुलवीर सिंह अहलावत ने इस भ्रमण के उद्देश्य के बारे में बताया कि इससे छात्रों को ये जानने में मिला कि भारत में निर्मित

घटकों के साथ एक सुपर कंप्यूटर बनाने के पीछे मूल विचार आत्मनिर्भर भारत की ओर मार्ग का नेतृत्व करना और बहु-विषयक डोमेन में समस्या-समाधान क्षमता को एक साथ तेज करना है। इससे छात्रों में कुछ नया करने के प्रति रुझान पैदा होगा। छात्रों में इस भ्रमण पर जाने से बहुत खुशी हुई और उन्होंने प्राचार्य का आभार व्यक्त किया कि इस ऐतिहासिक भ्रमण का उन्हें मौका दिया।

एक साथ दस नई नगरपालिकाओं का गठन, फतेहपुर में नगर परिषद

जयपुर (हिंस)। राजस्थान नगरपालिका अधिनियम 2009 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तय मानकों को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने दस नई नगर पालिकाओं का गठन किया है। इसके साथ ही फतेहपुर नगर पालिका को क्रमोन्नत कर नगर परिषद बनाया है। इस संबंध में स्वायत्त शासन विभाग के निदेशक ह्रदेश कुमार ने अधिसूचना जारी कर दी है। नवगठित सभी नगर पालिकाएं चतुर्थ श्रेणी की होंगी। स्वायत्त शासन विभाग ने बूंदी जिले में दो, दौसा में तीन, करौली, सवाई माधोपुर, झुंझुनू, भीलवाड़ा और जोधपुर में एक-एक नई नगरपालिका बनाई है। नवगठित नगर पालिकाओं में बूंदी में दई व हिंडौली, दौसा में रामगढ़ पचवारा, लवाण व बसवा, करौली में मंडरायल, सवाईमाधोपुर में खिरनी, झुंझुनूं में सिंघाना, भीलवाड़ा में रायपुर तथा जोधपुर में बाप नगर पालिका का गठन किया गया है। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि जिन ग्राम पंचायतों को नगरपालिका बनाया गया है उनके संपूर्ण क्षेत्र के साथ-साथ आसपास राजस्व सीमा क्षेत्र में आने वाली ग्राम पंचायतों को भी जोड़ा गया है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि इन ग्राम पंचायतों में जो ग्राम पंचायत सबसे बड़ी थी, उसका सरपंच नवगठित नगर पालिका में अध्यक्ष होगा। इसके अलावा वार्ड पंचों को वार्ड सदस्य समझा जाएगा। स्थानीय निकाय निदेशालय ने प्रदेश में नगर पालिका के गठन के लिए 2021 में नए मापदंड को तय किए थे, जिसमें जनसंख्या, आजीविका, प्रति व्यक्ति आय और अन्य मानक शामिल किए गए थे।

जस्टिस एजी मसीह होंगे हाईकोर्ट के नए सीजे

जयपुर (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के वरिष्ठ न्यायाधीश एजी मसीह को राजस्थान हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद पर नियुक्त करने की सिफारिश की है। इसके साथ ही अदालत ने पूर्व में तबादला किए मद्रास हाईकोर्ट के न्यायाधीश टी राजा को तत्काल राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीश पद का कार्य ग्रहण करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व में जस्टिस राजा का तबादला राजस्थान हाईकोर्ट किया था। इस पर जस्टिस राजा ने कॉलेजियम को तबादला आदेश पर पुनर्विचार करने को कहा था।

मुख्यमंत्री ले रहे कलक्टर-एसपी की बैठक

जयपुर (हिंस)। प्रदेश में इस साल के अंत तक प्रस्तावित विधानसभा चुनावों के लिए गहलोत सरकार अब चुनावी मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चुनावी मैदान में उतरने से पहले महंगाई राहत शिविरों का आयोजन कर आमजन को बजट में की गई लाभकारी घोषणाओं से लाभान्वित करने का मानस बनाया है। इन शिविरों को सफल बनाने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत गुरुवार को जिला कलक्टरों व पुलिस अधीक्षकों के साथ झालाना स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में फीडबैक ले रहे हैं। साथ ही सरकार की घोषणाओं को धरातल पर लागू करने के निर्देश भी दे रहे हैं। कलेक्टर-एसपी हाई लेवल मीटिंग में संभागीय आयुक्त और पुलिस आईजी रेंज स्तर के अधिकारियों को भी बुलाया गया है। बैठक में सरकार की योजनाओं और घोषणाओं का कितना लाभ जनता को मिल रहा है, इसका भी फीडबैक नौकरशाहों से लिया जा रहा है। मुख्यमंत्री गहलोत ने इस बैठक से पहले ट्वीट कर अपनी बात आमजन तक पहुंचाई। उन्होंने लिखा कि महंगाई राहत की समीक्षा! कलक्टर-एसपी से संवाद में सरकार की योजनाओं के साथ लॉ एंड ऑर्डर पर हो रही बात। आगामी 24 अप्रैल से शुरू हो रहे मंहगाई राहत कैंपों के जरिये लोगों तक ज्यादा से ज्यादा फायदा पहुंचाने की रणनीति और कार्यप्रणाली की समीक्षा की। इस दौरान संबंधित अधिकारियों, सभी जिला कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों को कैंपों के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक निर्देश दिए। एसपी-कलेक्टर बैठक में कानून व्यवस्था पर भी चर्चा हो रही है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत कलेक्टर व एसपी को निर्देश दे सकते हैं कि वे कानून व्यवस्था मजबूत बनाएं और अपराधों के प्रति सरकार की जीरो टॉलरेंस की जो नीति है उसे सख्ती से लागू किया जाए। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कलेक्टर-एसपी की बैठक से पहले बुधवार रात अपने आवास पर नौकरशाहों को रात्रि भोज दिया था। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अच्छे काम के लिए कई अधिकारियों की पीठ थपथपाई थी, तो राजस्थान पुलिस की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन व्रज प्रहार को लेकर भी हाल ही में पुलिस की प्रशंसा की थी। उन्होंने ट्वीट कर लिखा भी कि नागरिकों की सेवा में दिन-रात लगे सिविल सेवकों को समर्पित सिविल सेवा दिवस के लिए आयोजित क्रार्यक्रम के तहत निवास में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ रात्रिभोज के दौरान दिलचस्प चर्चाएं की।

लुवास के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय सम्मेलन में लहराया परचम

हिसार (हिंस)। हिसार स्थित लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने हिमाचल में हुए राष्ट्रीय सम्मेलन में परचम लहराया है। यह कार्यक्रम चौधरी सरवन कुमार हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय पालमपुर में इंडियन एसोसिएशन ऑफ वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजिस्ट्स, इम्यूनोलॉजिस्ट्स एंड स्पेशलिस्ट्स इन इंफेक्शियस डिजीज (आईएवीएमआई) के 35वें राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान हुआ। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व विद्यार्थियों ने सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में शोध प्रस्तुति पर पुरस्कार जीते। आईएवीएमआई के इस राष्ट्रीय सम्मेलन में लुवास के विभिन्न विभागों के वैज्ञानिकों और छात्रों की 13 सदस्यों के दल ने भाग लिया था, जिसमें 10 टीचिंग सदस्य व तीन विद्यार्थी शामिल थे। सम्मेलन के दौरान विभिन्न मौखिक और पोस्टर प्रस्तुति सत्रों में प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीते।

कुलपति प्रो (डॉ.) विनोद कुमार वर्मा ने गुरुवार को संकाय सदस्यों को उनकी वैज्ञानिक उपलब्धियों के लिए बधाई दी और भविष्य में भी इस तरह के शोध कार्य जारी रखने के निर्देश दिए। पशु चिकित्सा महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. गुलशन नारंग, अनुसंधान निदेशक डॉ. नरेश जिंदल, मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. एसएस ढाका ने भी इस अवसर पर पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी। इस सम्मेलन में डॉ. राजेश एचओडी, माइक्रोबायोलॉजी को प्रमुख पेपर प्रस्तुत करने और एक सत्र की अध्यक्षता करने के लिए आमंत्रित किया गया था और डॉ. स्वाति दहिया को रैपपेटियर के रूप में आमंत्रित किया गया था। सम्मेलन में माइक्रोबायोलॉजी विभाग, शरीर विज्ञान और जैव रसायन विभाग और पशु चिकित्सा जन स्वास्थ्य और महामारी विज्ञान विभाग के संकाय और छात्रों ने विभिन्न शोध प्रस्तुत किए। विजेताओं में माइक्रोबायोलॉजी विभाग से डॉ. राजेश, डॉ. जसलीन कौर और डॉ. विनय को मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार, डॉ. अनु मलिक और डॉ. स्वाति दहिया को मौखिक प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार और डॉ. पुनीत सिंह को पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार दिया गया। पशु विज्ञान केंद्रों में कार्यरत डॉ. पंकज कुमार, डॉ. आनंद प्रकाश, डॉ. राहुल यादव और डॉ. वंदना भनोट वैज्ञानिकों की टीम को दो विभिन्न सत्रों में शोध प्रस्तुति के लिए पहला और दूसरा सर्वश्रेष्ठ पोस्टर पुरस्कार मिला। शरीर विज्ञान और जैव रसायन विभाग की डॉ. शालिनी शर्मा को मौखिक प्रस्तुति के लिए पहला पुरस्कार, पशु चिकित्सा जनस्वास्थ्य और महामारी विज्ञान विभाग की डॉ. पल्लवी मुदगिल को पोस्टर प्रस्तुति के लिए तीसरा पुरस्कार मिला।

रेणु भाटिया अपने पद से इस्तीफा दें, मांगे महिलाओं से माफी : प्रियंका अग्रवाल

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भाटिया द्वारा दिए गए बयान ओयो रूम में लड़कियां हनुमान की आरती करने नहीं जाती हैं, को लेकर माहौल गर्माया हुआ है। हरियाणा प्रदेश महिला कांग्रेस की प्रदेश सचिव व बल्लभगढ़ विधानसभा की पीसीसी डेलिगेट प्रियंका मनोज अग्रवाल ने रेणु भाटिया को महिला आयोग अध्यक्ष पद से बर्खास्त करने की मांग की है। उन्होंने जारी बयान में कहा कि हरियाणा में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए गठित महिला आयोग की अध्यक्ष ही जब इस तरह के बयान देंगी तो फिर सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि भाजपा की महिलाओं के प्रति किस तरह की सोच है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मनोहर लाल को तुरंत ऐसी महिला को पद से बर्खास्त कर हरियाणा प्रदेश की महिलाओं से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। प्रियंका अग्रवाल ने कहा कि रेणु भाटिया का महिलाओं के प्रति यह ओछा बयान भाजपा सरकार की संकीर्ण सोच और महिला विरोधी मानसिकता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। जिन्हें इस सरकार ने महिलाओं की आवाज उठाने के लिए हरियाणा महिला आयोग अध्यक्ष के पद पर बैठाया था, आज वही महिलाओं के आत्मसम्मान के साथ शर्मनाक खिलवाड़ करने पर आमादा हैं, इसलिए उन्हें इस पद से तुरंत हटाया जाना चाहिए।

विश्व हीमोफीलिया दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

भिवानी (हिंस)। भिवानी के चौ. बंसीलाल नागरिक अस्पताल में सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य तथा प्रधान चिकित्सा अधिकारी डॉ. एडविन की अध्यक्षता में गुरुवार को विश्व हीमोफीलिया दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान नागरिकों को हीमोफीलिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन डॉ. रघुवीर शांडिल्य ने अस्पताल में थेलेसेमिया एवं हीमोफीलिया डे केयर सेंटर का शुभारंभ भी किया। उन्होंने नागरिकों को बताया कि किसी भी व्यक्ति को चोट लगने पर घाव हो जाता है और घाव से खून बंद नहीं हो रहा हो तो उस व्यक्ति को हीमोफीलिया के लक्षण हो सकते हैं। इसका इलाज टीके होते हैं, जिन्हें फेक्टर बोलते हैं। किसी भी आदमी को अगर इस बीमारी के लक्षण हैं तो उसको फेक्टर लगाए जाते हैं। उन्होंने बताया कि हीमोफीलिया बीमारी से ग्रस्त व्यक्ति को खेलते समय या कोई कार्य करते समय बहुत ध्यान रखने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि सभी सरकारी अस्पतालों में टीके मुफ्त में लगाए जाते हैं, अगर किसी को भी हीमोफीलिया के लक्षण लगे तो तुरंत सरकारी अस्पताल में जाकर चिकित्सक से संपर्क करें और अपना इलाज मुफ्त में करवाएं। इस मौके पर पीएमओ डॉ. एडविन ने बताया कि हीमोफीलिया रोग सामान्य तौर पर दो प्रकार का होता है। हीमोफीलिया ए और हीमोफीलिया बी। हीमोफीलिया बी का सामान्य प्रकार है कि इसमें रोगी के रक्त में थक्के बनने के लिए आवश्यक फेक्टर 8 की कमी हो जाती है। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति को अगर खून ज्यादा समय तक बहता है तो वह व्यक्ति सामान्य नहीं है। उसे कोई न कोई बीमारी अवश्य है। अत: उस व्यक्ति को समय पर जांच अवश्य करवा लेनी चाहिए। नोडल ऑफिसर डॉ. बबली गोयल ने बताया की हीमोफीलिया के हरियाणा में 290 तथा भिवानी में 35 मरीज हैं।

नेपाल की अन्नपूर्णा चोटी से गिरा पर्वतारोही तीन दिन बाद मिला जिंदा

अजमेर (हिंस)। नेपाल स्थित दुनिया की दसवीं सबसे ऊंची चोटी माउंट अन्नपूर्णा से लापता हुए किशनगढ़ निवासी पर्वतारोही अनुराग मालू (34) को इंडो-नेपाल आर्मी ने तीन दिन बाद ढूंढ लिया है। गुरुवार सुबह करीब दस बजे इंडो-नेपाल आर्मी ने उन्हें रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया है। मालू के जिंदा मिलने से किशनगढ़ निवासी उनके परिवार ने राहत की सांस ली है। किशनगढ़ निवासी अनुराग मालू 24 मार्च को नेपाल के लिए रवाना हुए थे। किशनगढ़ से जयपुर और जयपुर से दिल्ली होते हुए काठमांडू गए थे। इसके बाद अनुराग ने अन्नपूर्णा चोटी पर चढ़ाई शुरू की थी। 17 अप्रैल को मालू चढ़ाई के दौरान छह हजार मीटर ऊंचे पहाड़ों के बीच की दरार में गिर गए थे। बाद में उनकी कोई जानकारी नहीं मिली। अनुराग मालू के लापता होने के बाद टीम ने सर्च अभियान चलाया, लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों को सूचना दी। भाई आशीष मालू

सहित अन्य परिजन वहां पहुंच गए। इसके बाद लगातार सर्च जारी रहा। मालू की तलाश के लिए अजमेर से सांसद भागीरथ चौधरी ने शेरपा और थर्मल ड्रोन जल्द से जल्द उपलब्ध करवाने की मांग की थी। इसके लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और नेपाल के काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास को पत्र लिखा था। अजमेर कलेक्टर ने भी पत्र लिखा था। लोकेशन ट्रेस होने पर इंडियन आर्मी व नेपाल आर्मी के साथ अन्य संगठन ने गुरुवार को फिर उनकी तलाश शुरू की। रेस्क्यू टीम को गुरुवार सुबह सफलता मिल गई। इंडियन आर्मी व नेपाल आर्मी के संयुक्त रेस्क्यू अभियान चलाकर मालू को निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। पर्वतारोही के पिता ओमप्रकाश मालू ने बताया कि भगवान का शुक्र है कि बेटा सकुशल मिल गया। उसे पोखरा के मणिपाल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभी वह बात करने की स्थिति में नहीं है। उसकी हालत ठीक बताई जा रही है। अनुराग ने बीटेक किया है। वह युवाओं की काउंसलिंग भी करता रहता है। छोटा भाई आशीष सीए है। पिता ओमप्रकाश ने बताया कि अनुराग ने पर्वतारोहण की पूरी ट्रेनिंग ले रखी थी। मालू पर्वतारोहण के लिए प्रसिद्ध पर्वतारोही बछेंद्री पाल के स्टूडेंट हैं। उल्लेखनीय है कि माउंट अन्नपूर्णा पर्वतारोहियों के लिए सबसे खतरनाक पर्वतों में से एक माना जाता है। अनुराग ने पिछले साल ही नेपाल स्थित माउंट अमा डबलाम पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की थी। वे माउंट एवरेस्ट, अन्नपूर्णा और ल्होत्से पर चढ़ने की योजना बना रहे हैं। मालू कर्मवीर चक्र से भी सम्मानित हो चुके हैं। वह भारत से अंटार्कटिक यूथ एंबेसडर बने थे।

यूनिकॉर्न एवं गजेल की संख्या के लिहाज से भारत तीसरा बड़ा देश

नई दिल्ली।
दुनिया में यूनिकॉर्न एवं गजेल की संख्या के लिहाज से अमेरिका व चीन के बाद भारत तीसरा सबसे बड़ा देश है। हुरुन ग्लोबल-500 कंपनियों की संख्या के मामले में यह पांचवें स्थान पर काबिज है। वहीं, रूस और सऊदी अरब जैसे 9 देशों में एक भी यूनिकॉर्न नहीं हैं। वहीं भारत में कुल 138 यूनिकॉर्न हैं और रूस व सऊदी अरब जैसे देशों में एक भी नहीं है।

हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स-2023 के मुताबिक, भारत में 138 यूनिकॉर्न हैं। इनमें 70 की शुरुआत भारतीय सह-संस्थापकों ने किए हैं, लेकिन इनके मुख्यालय भारत के बाहर हैं। वहीं, कुल भारतीय स्टार्टअप में 68 यूनिकॉर्न का मुख्यालय देश में ही है।

रूस व सऊदी अरब के अलावा जहां एक भी यूनिकॉर्न नहीं हैं, उनमें पोलैंड, इरान, वेनेजुएला, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, पाकिस्तान व रोमानिया हैं। यूनिकॉर्न का मूल्यांकन एक अरब डॉलर या अधिक होता है। गजेल का मूल्यांकन 50 करोड़ डॉलर से एक अरब डॉलर के बीच होता है।

70 के मुख्यालय विदेश में हैं दुनिया के 10 सबसे बड़े यूनिकॉर्न बाइटडांस, स्पेसएक्स, एंट ग्रुप, शीन, स्ट्राइप, वीबैंक, डाटाब्रिक्स, टेलीग्राम, रिवोल्ट और कैनिआवो।

सबसे बड़े निवेशक - सिकोइया कैपिटल, टाइगर ग्लोबल मैनेजमेंट व सॉफ्टबैंक सबसे बड़े निवेशक हैं। इन्होंने क्रमशः 238, 179 और 168 यूनिकॉर्न में निवेश किया है।

भारत के आगे बढ़ने की संभावना - भारत व चीन के अगले पांच वर्षों में हुरुन ग्लोबल-500 की रैंकिंग में आगे बढ़ने की संभावना बन रही है। फ्रांस, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया अपना स्थान खो सकते हैं क्योंकि यहां स्टार्टअप बनने की रफ्तार घट रही है।

आर्थिक सुस्ती के बावजूद शानदार प्रदर्शन - हुरुन रिपोर्ट के चेयरमैन एवं मुख्य शोधकर्ता रुपर्ट हूगवेर्फ ने कहा, कोविड-19 शुरू होने के बाद तीन साल का इतिहास यूनिकॉर्न के प्रदर्शन के लिहाज से शानदार रहा है। इस दौरान प्रतिदिन एक यूनिकॉर्न बने। आर्थिक सुस्ती के बावजूद एक साल में दुनिया में 500 से ज्यादा नए यूनिकॉर्न सामने आए।

देश के शीर्ष-5 यूनिकॉर्न - बायजू देश का सबसे बड़ा और दुनिया का 14वां बड़ा यूनिकॉर्न है। इसका मूल्यांकन 22 अरब डॉलर है।

ड्रीम11 और स्विगी 8-8 अरब डॉलर के मूल्यांकन के साथ देश के दूसरे बड़े यूनिकॉर्न हैं। ठुओला और रेजरपे तीसरे स्थान पर हैं, मूल्यांकन 7.5-7.5 अरब डॉलर है।

ओयो 6.5 अरब डॉलर के साथ चौथे और क्रेड 6.4 अरब डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर है।

बायजू दुनियाभर के उन शीर्ष-10 यूनिकॉर्न में भी शामिल है, जिसके मूल्यांकन में कोविड-19 महामारी से पहले के समय से ही भारी उछाल देखने को मिला।

न्यूज ब्रीफ

2023-24 में 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है सेवाओं का निर्यात, एसईपीसी ने जताई उम्मीद

नई दिल्ली। देश से सेवाओं का निर्यात 2023-24 में 400 अरब डॉलर पर पहुंच सकता है। सेवा निर्यात संवर्द्धन परिषद (एसईपीसी) ने यह उम्मीद जताई है। 2022-23 के दौरान सेवा निर्यात में उल्लेखनीय उछाल से उत्साहित एसईपीसी ने कहा कि वृद्धि का मजबूत रुख जारी रहेगा। वाणिज्य मंत्रालय के शुरुआती आंकड़ों के अनुसार, 2022-23 में देश का सेवा निर्यात 2021-22 के 254 अरब डॉलर से 42 फीसदी बढ़कर 322.72 अरब डॉलर पर पहुंच गया है। एसईपीसी के चेयरमैन सुनील एच तलाती ने कहा, सेवा क्षेत्र ने 300 अरब डॉलर के निर्यात का लक्ष्य रखा था। अब यह 322 अरब डॉलर पहुंच गया है। अंतिम आंकड़ों में यह 350 अरब डॉलर को छू सकता है। सरकारी इस्पात कंपनियों ने सूक्ष्म, लघु व मझोले (एमएसएमई) उपक्रमों का बकाया चुका दिया है। इन कपंनियों ने 2022-23 में विभिन्न एमएसएमई को 7,673.95 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। यह राशि 2021-22 में चुकाए गए 5,511.07 करोड़ से 39.3 फीसदी ज्यादा है। इस्पात मंत्रालय ने कहा, इस्पात क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों ने मार्च, 2023 में एमएसएमई को 876.10 करोड़ का भुगतान किया है। म्यूचुअल फंड उद्योग में सिस्टमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) के जरिये निवेश 2022-23 में 25 फीसदी की वृद्धि के साथ 1.56 लाख करोड़ पहुंच गया। इससे पता चलता है कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद एसआईपी पर खुदरा निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। एम्फी के अनुसार, 2021-22 में एसआईपी से 1.24 लाख करोड़ और 2020-21 में 96,080 करोड़ रुपये जुटाए गए थे।

गोल्ड लोन मार्केट में बढ़ा कॉम्पिटिशनः बैंकों की ब्याज दरें एनबीएफसी से 19प्रतिशत तक कम, इसलिए एनबीएफसी का पोर्टफोलियो घटा

नई दिल्ली। गोल्ड लोन मार्केट में कॉम्पिटिशन काफी बढ़ गया है। नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनी के दबदबे वाले इस मार्केट में बड़े बैंक आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। ये एनबीएफसी से 19प्रतिशत तक कम ब्याज पर गोल्ड लोन दे रहे हैं। बैंकों की ब्याज दर जहां 7प्रतिशत से 17प्रतिशत है, वहीं एनबीएफसी के इंटरेस्ट रेट 26प्रतिशत तक हैं। दरअसल, गोल्ड लोन सिक्योर्ड कैटेगरी में आता है, जिसे देना आसान होता है। देश की 93प्रतिशत वर्किंग पॉपुलेशन अन-ऑर्गेनाइजेशन सेक्टर से जुड़ी हुई है, जिनकी इनकम अस्थायी है। ऐसे लोग छोटी-मोटी जरूरतों के लिए गोल्ड लोन लेते हैं। इसीलिए बैंकों को इस सेगमेंट में जोरदार बिजनेस की संभावना नजर आ रही है। एनबीएफसी की दिक्कत यह है कि ये बैंकों से कर्ज लेकर लोगों को लोन देती हैं। रेपो रेट बढ़ने से इनका कर्ज महंगा हो गया है। इसकी वजह से ये सस्ते इंटरेस्ट रेट पर गोल्ड लोन नहीं दे सकती हैं। इसके चलते गोल्ड लोन मार्केट में बैंकों के लिए मौके बढ़ रहे हैं।

बंदरगाहों पर अटकने से बढ़ सकती है खाद्य तेल की कीमत, एसईए ने कहा- सीमा शुल्क की समस्या सुलझाए केंद्र

नई दिल्ली। बंदरगाहों पर माल अटकने से आने वाले दिनों में घरेलू बाजार में खाद्य तेल की कमी हो सकती है।इससे कीमतों में तेजी का अनुमान है।इसे देखते हुएसॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) ने सरकार से अनुरोध किया है कि बंदरगाहों पर अटके माल को तुरंत जारी करे। देश के कई बंदरगाहों पर सूरजमुखी और सोयाबीन तेल की खेप सीमा शुल्क निकासी के मुद्दों के कारण अटकी है। सरकार ने 2022-23 के दौरान शून्य शुल्क पर कच्चे सूरजमुखी और सोयाबीन तेल के आयात के लिए टैरिफ दर कोटा (टीआरक्यू) की अनुमति के साथ शिपमेंट को 20 जून, 2023 तक निकासी की अनुमति दी थी। बशर्ते बिल ऑफ लैडिंग डेट 31 मार्च हो।

भारत की आबादी 142.86 करोड़

काम करने वालों की बढ़ी आबादी अर्थव्यवस्था के लिए अच्छे संकेत, चुनौतियां भी लेंगी जन्म

नई दिल्ली।
भारत विश्व में सर्वाधिक आबादी वाला देश बन गया है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) की स्टेट ऑफ वर्ल्ड पॉपुलेशन रिपोर्ट ने यह दावा किया। संगठन के डैशबोर्ड के अनुसार, भारतीयों की आबादी 142.86 करोड़ और चीन की 142.57 करोड़ है। रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका इन दोनों से बहुत पीछे 34 करोड़ के साथ तीसरे नंबर पर है। भारत की आबादी का बड़ा हिस्सा युवाओं का होगा, जो लंबी अवधि में हितकारी माना जा रहा है।

बड़ा युवा वर्ग न केवल कामकाजी वर्ग के रूप में, बल्कि एक बड़े उपभोगकर्ता वर्ग के रूप में भी देखा जा रहा है। एक अनुमान के अनुसार, देश में कामकाजी आबादी 97 करोड़ के करीब है। इसे अच्छा संकेत माना जा रहा है।बड़ी आबादी में समृद्धि बढ़ाने से स्थानीय उपभोग बढ़ेगा, यह अर्थव्यवस्था को बाहरी झटके को सहने की क्षमता देगा। समृद्ध आबादी के ज्यादा उपभोग से नए अवसर भी पैदा होंगे।

संयुक्त राष्ट्र के फरवरी 2023 तक के डाटा के आधार पर विभिन्न विशेषज्ञों ने दावा किया था कि अप्रैल 2023 में भारत आबादी में चीन को पीछे छोड़ देगा। हालांकि, इसकी कोई निश्चित तारीख रिपोर्ट में नहीं है। संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों का मानना है कि चीन व भारत से मिले डाटा की अनिश्चितता से तारीख बताना संभव नहीं। भारत में 2011 के बाद अगली जनगणना लंबित है।

वर्ष 2050 तक आठ देशों में दुनिया की 50 फीसदी आबादी - रिपोर्ट में बताया गया है कि वर्ष 2050 तक भारत, पाकिस्तान, कांगो, मिस्र, इथोपिया, नाइजीरिया, फिलीपीन व तंजानिया में दुनिया के 50 प्रतिशत नागरिक रह रहे होंगे, रोचक ढंग से चीन इन 8 देशों में नहीं है।

अजरबैजान में 100 लड़कियों पर 113 लड़कों और चीन में 112 लड़कों का जन्म यहां की आबादी में बड़े पैमाने पर बढ़ती लैंगिक असमानता बताता है। वैश्विक औसत 100 लड़कियों पर 106 लड़कों का जन्म है। बीते 3 दशकों में जिन 12 देशों में यह अनुपात ज्यादा बिगड़ा उनमें भारत भी शामिल है।

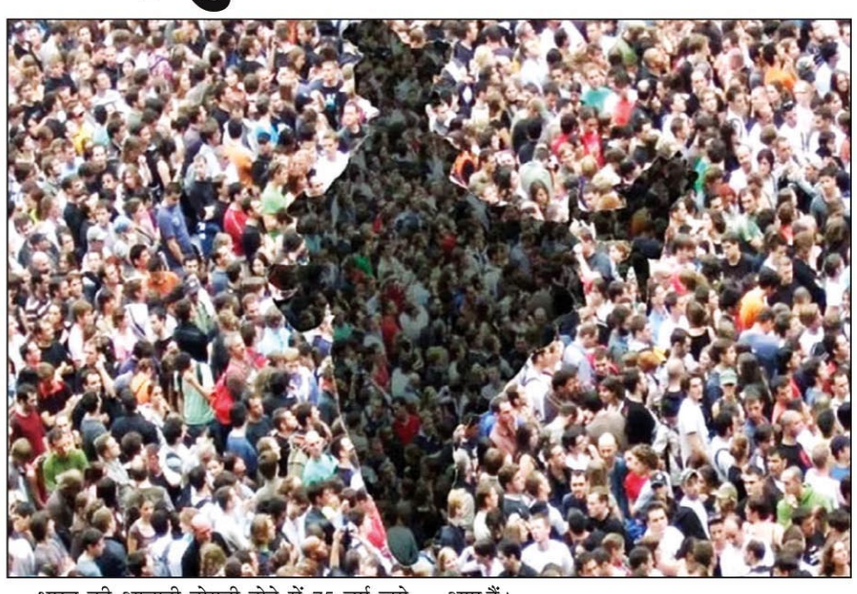

भारत की आबादी दोगुनी होने में 75 वर्ष लगे, विश्व को भी 76 वर्ष ही लगे। यानी देश की जनसंख्या वृद्धि दर वैश्विक औसत के करीब रही।

बढ़ती आबादी से चिंतित भारतीय - रिपोर्ट में 1007 भारतीयों सहित करीब 7.8 हजार लोगों पर किए सर्वे के हवाले से कहा गया कि 63 प्रतिशत भारतीयों में बढ़ती जनसंख्या से चिंताएं घर कर चुकी हैं। वे इसकी वजह से कई आर्थिक मसले खड़े होते देख रहे हैं। आर्थिक के साथ-साथ भारतीयों को पर्यावरण, मानवाधिकार, यौन अधिकार व प्रजनन स्वास्थ्य पर भी इसका दुष्प्रभाव नजर आ रहा है। हालांकि, रिपोर्ट में इससे चिंता न करने की बात कही गई है।

रिपोर्ट में बताया गया कि 2021 में भारत ने जबरन परिवार नियोजन पर अपना विरोध सामने रखा था। संसद में कहा गया कि सरकार ऐसी नीतियों का समर्थन नहीं करती, क्योंकि इनके नुकसान ही सामने आए हैं।

भारत और चीन दोनों देशों में घट रही आबादी, इसलिए चिंता की जरूरत नहीं - रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया की कुल 804.5 करोड़ आबादी में से एक-तिहाई लोग चीन व भारत में रहते हैं। लेकिन अब दोनों ने ही जनसंख्या वृद्धि को धीमा किया है। चीन में बीते छह दशकों में पहली बार आबादी घटी है। वहीं, भारत में वर्ष 2011 में जनसंख्या की सालाना वृद्धि दर 1.2 प्रतिशत रही। इसमें भी कमी दर्ज की गई। यह आंकड़ा इससे पहले के दशक में 1.7 प्रतिशत था।

कौशल विकास समान शिक्षा पर देना होगा जोर - एजेंसी की भारत प्रतिनिधि आंद्रिया वोग्नर के अनुसार बड़ी आबादी से डरने की जरूरत नहीं है। नागरिकों को अधिकार मिलते रहें, तो इसे प्रगति और विकास का चिह्न मानना चाहिए। आंद्रिया के अनुसार, सवाल उठाने के बदले 140 करोड़ लोगों को 140 करोड़ अवसरों की तरह देखना चाहिए।

यहीं माधुरी दीक्षित के साथ एपल के सीईओ टिम कुक ने खाया वड़ा पाव, एशिया के टॉप 50 में शामिल है ये रेस्टोरेंट

मुंबई।
देश की आर्थिक राजधानी में स्वाति स्नैक्स रेस्टोरेंट से कोई अनजाना नाम नहीं है। मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लैक्स का यह रेस्टोरेंट देश में तब चर्चा में आया जब एपल के सीईओ टीम कुक ने यहां बॉलीवुड एक्ट्रेस माधुरी दीक्षित के साथ वड़ा पाव खाया। इस रेस्टोरेंट के शुरू होने की कहानी भी उतनी ही दिलचस्प है, जितना की टिम कुक का सफर। यह रेस्टोरेंट 60 साल पहले साल 1963 में एक सिंगल मदर मीनाक्षी झावेरी ने अपने घर के कुक के साथ मिलकर शुरू किया था। तब यहां चार आने में खाने की चार वैरायटी मिलती थी। ये थी- सेव पुरी, भेल पुरी, रगड़ा पेटिस और पानी पुरी। आज यह एसेंस और एशिया की लिस्ट में शामिल है। इस लिस्ट में एशिया के 50 सबसे बेहतरीन रेस्टोरेंट्स को ही शामिल किया गया है। यह लिस्ट बेहतरीन शेफ तैयार करते हैं।

मुंबई के अलावा अहमदाबाद में रेस्टोरेंट के 2 ब्रांच

1979 में मीनाक्षी के मौत के बाद उनके बच्चों आशा और आनंद ने रेस्टोरेंट को आगे बढ़ाया। आशा ने रेस्टोरेंट के मेन्यू में कई सारी डिश को ऐड किया। अब इस रेस्टोरेंट के 4 ब्रांच है, जिसमें से 2 ब्रांच अहमदाबाद और 1 मुंबई के नरीमन प्वाइंट में है। साथ ही, सांताक्रूज में एक क्लाउड किचन भी शुरू किया गया है। आज स्वाति स्नैक्स में देश के जाने माने लोग पहुंचते हैं, जिसमें मुकेश अंबानी और तबला वादक जाकिर हुसैन भी हैं। जाकिर हुसैन जब भी मुंबई में हुआ करते थे, आमतौर पर यहां आते रहते थे। भारत दौरे पर आए एपल के सीईओ टिम कुक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। टिम ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद ट्वीट कर फोटो शेयर की और कहा कि, गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद। हम भारत के भविष्य पर टेक्नोलॉजी के पॉजिटिव इम्पेक्ट के आपके विजन को शेयर करते हैं - शिक्षा और डेवलपर्स से लेकर मैन्युफैक्चरिंग और पर्यावरण तक, हम देश भर में ग्रोथ और निवेश के लिए कमिटेड हैं। कुक के ट्वीट पर जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आपसे मिलकर बेहद खुशी हुई। कई विषयों पर विचारों का आदान-प्रदान करके अच्छा लगा।

गौतम अडाणी मुंबई में शरद पवार से मिलेः दो घंटे चली मीटिंग; एनसीपी प्रमुख ने कहा था- हिंडनबर्ग केस में विपक्ष की जेपीसी मांग बेकार

मुंबई।
भारत के दूसरे अमीर कारोबारी गौतम अडाणी ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार से उनके मुंबई स्थित आवास पर मुलाकात की। ये बैठक करीब 2 घंटे चली। सुबह 10 बजकर 10 मिनट पर मीटिंग शुरू हुई और 12 बजे तक चली। इस मीटिंग को काफी कॉन्फिडेंशियल रखा गया था। इसलिए डीटेल्स अभी सामने नहीं आई है।

ये मीटिंग शरद पवार के उस बयान के बाद हुई है जिसमें उन्होंने कहा था कि राजनीतिक फायदा उठाने के लिए मुकेश अंबानी और गौतम अडाणी जैसे उद्योगपतियों पर हमला करना सही नहीं है। अडाणी-हिंडनबर्ग मामले की जांच के लिए विपक्ष केंद्र सरकार से जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी की लगातार मांग कर रहा है।

जेपीसी की मांग को शरद पवार ने गलत बताया था

जेपीसी पर पवार ने कहा था, पहले भी कई जेपीसी बनी हैं। मैं इनमें हेड भी रहा हूं, लेकिन इसमें बहुमत की ही बात मानी जाती है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट की नियुक्त कमेटी ज्यादा प्रभावी

होगी। इसका रिजल्ट भी निकलेगा। हिंडनबर्ग वैसे भी विदेशी है। हम इसकी रिपोर्ट को इतना महत्व क्यों दें। 24 जनवरी को अमेरिकी फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने अडाणी ग्रुप को लेकर एक रिपोर्ट पब्लिश की थी। इस रिपोर्ट में अडाणी ग्रुप पर अकाउंटिंग फ्रॉड और स्टॉक मैनिपुलेशन जैसे कई गंभीर आरोप लगाए गए थे। इसके बाद अडाणी ग्रुप के ज्यादातर स्टॉक 60प्रतिशत से ज्यादा गिर गए थे। पवार बोले- हिंडनबर्ग केस में विपक्ष की जेपीसी की मांग बेकार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) प्रमुख शरद पवार ने अडाणी-हिंडनबर्ग केस में विपक्ष की जेपीसी (जॉइंट पार्लियामेंट्री कमेटी) की मांग को बेकार बताया है।

ट्विटर के देसी विकल्प कू में भी छंटनी, कंपनी ने 30 फीसदी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला

नई दिल्ली।
भारतीय अधिकारियों के साथ ट्विटर के विवाद के बीच कई सरकारी अधिकारियों, क्रिकेट सितारों, मशहूर हस्तियों और आम लोगों ने स्थानीय विकल्प के रूप में कू का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया था।भारत में ट्विटर इंक की प्रतिद्वंद्वी कू ने हाल के महीनों में अपने लगभग एक तिहाई कर्मचारियों को बाहर कर दिया है माना जा रहा है कि फर्म ने घाटे और धन जुटाने में असमर्थता के कारण यह फैसला लिया है। टाइगर ग्लोबल की ओर से समर्थित कंपनी के एक प्रवक्ता ने मीडिया को बताया कि तीन साल पुराने माइक्रोब्लॉगिंग ऐप ने अपने लगभग 260 श्रमिकों में से 30प्रतिशत की छंटनी कर दी है। कंपनी ने यह जानकारी देते हुए कहा कि फिलहाल पूरी दुनिया में विकास से अधिक दक्षता पर फोकस किया जा रहा है। कंपनियों को अपनी वित्तीय स्थिति को ठीक करने की ज्यादा जरूरत है। वैश्विक स्तर पर आईटी सेक्टर के शेयरों में गिरावट से कंपनी को नुकसान शुरुआत में ट्विटर और सरकार के साथ विवाद के कारण बेंगलुरु स्थित माइक्रोब्लॉगिंग कंपनी को फायदा हुआ पर जैसे-जैसे लोग फिर ट्विटर की ओर लौटने लगे कंपनी की समस्याएं बढ़ने लगी। हालांकि, नकदी के मामले में कंपनी के सामने मौजूदा संकट वैश्विक बाजार में आईटी कंपनियों के प्रति मंदी का रुख बढ़ने के कारण पैदा हुआ है। एक लंबी उड़ान भरने वाले स्टार्टअप के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले कू के मुल्यांकन में इस दौरान बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। कंपनी खुद को प्रॉफिट मेकिंग बनाने में जुटी कंपनी के सह-संस्थापक मयंक बिदावतका ने एक साक्षात्कार में कहा कि छह करोड़ से अधिक डाउनलोड के साथ कू के पास अच्छी पूंजी है और यह मुद्रीकरण प्रयोगों के साथ लाभप्रदाता कंपनी बनने की कोशिशों में जुटी है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अन्य सोशल मीडिया कंपनियों की तुलना में राजस्व भी सबसे अधिक है। रिसर्च फर्म ट्रैक्सन के मुताबिक, कू जो अपने निवेशकों में एक्सेल और कलारी कैपिटल को भी गिनती है, ने पिछले साल 273 मिलियन डॉलर के मूल्यांकन पर धन जुटाया था। प्रवक्ता ने कहा कि स्टार्टअप ने निकाले गए कर्मचारियों को मुआवजा पैकेज, विस्तारित स्वास्थ्य लाभ और नई नौकरियां खोजने में सहायता जैसी सुविधाएं मुहैया करायी है।

मस्क ने माइक्रोसॉफ्ट के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दी

ट्विटर के डेटा का अवैध रूप से उपयोग करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली।
ट्विटर के सीईओ एलन मस्क ने माइक्रोसोफ्ट को कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। मस्क ने आरोप लगाया कंपनी ने ट्विटर का डेटा अवैध रूप से उपयोग किया है। मस्क का ये बयान एक ट्वीट की प्रतिक्रिया थी, जिसमें बताया गया था कि माइक्रोसोफ्ट का विज्ञापन प्लेटफॉर्म अब ट्विटर का समर्थन नहीं करेगा। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, उन्होंने अवैध रूप से ट्विटर डेटा का उपयोग करके प्रशिक्षण दिया। अब मुकदमे का समय। असल, ट्विटर ने लगभग दो महीने घोषणा की थी कि उसके एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस यूजर्स को कम से कम .42 हजार डॉलर प्रति माह चार्ज देना होगा। इसके बाद माइक्रोसॉफ्ट ने अपनी प्रोग्रामिंग के लिए शुल्क का भुगतान करने से इनकार कर दिया था।

माइक्रोसॉफ्ट ने ट्विटर को अपने विज्ञापन प्लेटफॉर्म से हटाया - इसके बाद माइक्रोसॉफ्ट ने ट्विटर को अपने विज्ञापन प्लेटफॉर्म से हटाने की बात भी कही थी। कंपनी ने कहा था कि विज्ञापन के लिए उसका सोशल मीडिया प्लानिंग और शेड्यूलिंग टूल अब ट्विटर को सपोर्ट नहीं करेगा।

माइक्रोसॉफ्ट ने कहा था कि 25 अप्रैल से यूजर्स ट्वीट और ड्राफ्ट जैसे काम नहीं कर पाएंगे। वह पिछले ट्वीट्स और अटेचमेंट्स भी नहीं देख पाएंगे। माइक्रोसॉफ्ट की ये स्मार्ट कंपसेशन सर्विस विज्ञापनदाताओं को फेसबुक, इन्सटाग्राम और लिंक्डइन की सर्विसेस पर सोशल मीडिया कैम्पैन मैनेज करने में मदद करती है।

मस्क का आरोप - इस सबके बाद मस्क ने माइक्रोसॉफ्ट पर उसके आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस मॉडल चैटजीपीटी को प्रशिक्षित करने के लिए ट्विटर के डेटा का अवैध रूप से यूज करने का आरोप लगाया। माइक्रोसॉफ्ट सबसे बड़े निवेशकों में से एक थे। वे 2018 में कंपनी से अलग हो गए थे। मस्क द्वारा सह-स्थापित एक अनुसंधान प्रयोगशाला है। माइक्रोसॉफ्ट की ओर से मस्क के आरोप के बाद कोई टिप्पणी नहीं आई है।

मस्क कई मौकों पर की आलोचना कर चुके हैं मस्क - मस्क ने झूठ बोलने की ट्रेनिंग देने का आरोप लगाते हुए आलोचना की थी। उन्होंने कहा था कि अब केवल मुनाफे के लिए क्लोज्ड सोर्स वाला प्लेटफार्म बन गया है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफार्म लाएंगे मस्क

अब मस्क अपना एआई बनाने की कोशिश कर रहे हैं। हाल ही में मस्क ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्लेटफार्म लॉन्च करने की घोषणा की थी। इसके जरिए मस्क ओपनएआई के चैटजीपीटी और गूगल के बार्ड को टक्कर देंगे। साथ ही मस्क ने गूगल के को-फाउडर लैरी पेज पर एआई की सेफ्टी को गंभीरता से नहीं लेने का आरोप लगाया था।

सेफ्टी का सबसे अच्छा तरीका होगा ट्रूथजीपीटी - एलन मस्क ने कहा, मैं कुछ ऐसा शुरू करने जा रहा हूं जिसे मैं ट्रूथजीपीटी या मैक्सिमम ट्रुथ सर्च करने वाला एआई कहता हूं। ये यूनिवर्स के नेचर को समझने की कोशिश करेगा। ट्रूथजीपीटी से ह्यूमन्स को किसी तरह का कोई खतरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि लॉन्च के बाद ट्रूथजीपीटी गूगल और प्लेटफार्म के अलावा एक और नया ऑप्शन देगा। एलन मस्क ने अपने प्लेटफॉर्म को सेफ बताया लेकिन वो ये भी मानते हैं कि एआई में सिविलाइजेशन को खत्म करने की क्षमता है। उन्होंने कहा, एआई किसी किसी खराब एयरक्राफ्ट डिजाइन और खराब कार प्रोडक्शन से भी ज्यादा खतरनाक है। साथ ही, एआई में सिवलिजेशन डिस्ट्रक्शन करने की भी क्षमता है।

मोदी के पीएलआई से प्रेरित होकर एप्पल ने 72 फीसदी महिलाओं को दिया काम

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली फेमस कंपनी एप्पल ने एक लाख से अधिक नौकरियां सृजित की हैं। जानकारी के अनुसार एप्पल ने पिछले दो साल के दौरान एक लाख से ज्यादा डायरेक्ट नौकरियां जनरेट की हैं जिसमें 72 फीसदी महिला कर्मचारी हैं। ये नौकरियां मैन्युफैक्चरिंग डिपार्टमेंट में दी जा रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने अपने ट्वीट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीएलआई योजना से प्रेरित होकर एप्पल ने 24 महीने में 1 लाख से ज्यादा मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में नौकरी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल के फैक्ट्रियों में काम करने वाले 70 से 72 फीसदी तक महिलाएं हैं। वहीं एक लाख नौकरियों में से 19 से 24 साल की 70 फीसदी महिलाएं शामिल हैं। इस आंकड़े के साथ ही एप्पल भारत में महिलाओं को नौकरी देने के मामले में सबसे बड़ा सिंगल ब्रांड बन गया है। इसमें से सबसे ज्यादा नौकरियां 20 महीने के दौरान दी गई हैं। वहीं ऐसे महिलाओं की संख्या ज्यादा है, जो पहली बार घर से निकलकर काम करने पहुंची हैं। 1 लाख नौकरियों में से ज्यादातर ने सिर्फ इंटर की पढ़ाई की है, जबकि कुछ ने डिप्लोमा की डिग्री ली है। वहीं ज्यादातर को ये नौकरी आईफोन एसेंबल करने पर भी मिली है।

तापसी की फिल्म हसीन दिलरूबा फिर से चर्चाओं में

-नेगेटिव किरदार में नजर आएंगी तापसी

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू फिल्म हसीन दिलरूबा का सीक्वल फिर आई हसीन दिलरूबा लेकर आने वाली हैं। तापसी पन्नू इस फिल्म से पहले बदला में पूरी तरह से नेगेटिव किरदार में नजर आई थी। यहाँ हसीन दिलरूबा में रानी के तौर पर उनका किरदार ग्रे शेड लिए हुए है। शादीशुदा होने के बावजूद उनका किरदार पति के एक परिचित की ओर फिसलता है। फिर किसी का मर्डर होता है।

इस बार पार्ट-2 में निमार्ताओं ने क्राइम का तडका रखते हुए कुछ और भी गढने की कोशिश की है। फिल्म से जुड़े सूत्रों ने बताया कि पिछले भाग की कहानी दिल्ली और हरिद्वार में ट्रैवल करती है। इस बार कहानी को आगरा और मथुरा में सेट किया गया है। पिछली बार जहाँ हर्षवर्धन राणे के किरदार के चलते तापसी और विक्रांत मैसी की जिन्दगी में भूचाल आता है। इस बार तकरीबन वैसा काम सनी कौशल के किरदार से होता है। इस बार पुलिस अधिकारी के किरदार में जिम्मी शेरगिल नजर आएंगे। सीआईडी फेम आदित्य श्रीवास्तव भी कुछेक अहम हिस्सो में दिखाई देंगे। जिम्मी कलर येलो प्रोडक्शन की फिल्मों में लगातार रहे हैं। इस बार उन्हें अहम रोल दिया गया है। वे डीएसपी के रोल में हैं। फिल्म में वे भोजपुरी एक्सेंट में बोलते नजर आएंगे। भोजपुरी फिल्मों के ख्यातनाम सितारे मनोज टाइगर को भी फिल्म में लिया गया है।

वो विलेन और कॉमेडियन के तौर पर नजर आते रहे हैं। फिल्म का निर्देशन जयप्रद देसाई कर रहे हैं जो हॉटस्टार के लिए कौन प्रवीण तांबे नामक बायोपिक बना चुके हैं। पिछले दिनों उनकी जी5 पर प्रदर्शित हुई फिल्म मुखबिर को भी काफी सराहना मिली है। उसे उन्होंने शिवम नायर के साथ बनाया था। फिर आई हसीन दिलरूबा की कहानी मौजूदा समय में ही सेट है, क्योंकि इस फिल्म की शूटिंग में जिन फिल्मों के पोस्टर घर या गली की दीवारों पर इस्तेमाल हो रहे थे, वो हाल के समय की हैं। मिसाल के तौर पर इसी बैनर की आई फिल्म एन एक्शन हीरो के पोस्टर इस फिल्म में यूज हुए हैं। फिल्म की कहानी आगरा-मथुरा के साथ-साथ नैनीताल में भी ट्रैवल करती है। नैनीताल में मूल रूप से तापसी के सनी कौशल और विक्रांत मैसी के साथ रोमांटिक सीन फिल्माए गए हैं। बता दें कि अमूमन रोमांटिक कॉमेडी और इंटेंस रोमांटिक जोनर की फिल्में बनाने वाले बैनर कलर येलो प्रोडक्शन ही इसका प्रोड्यूसर है। यह बैनर हालांकि इस फिल्म से अपनी पहचान क्राइम ड्रामा वाली लव स्टोरी बनाने के तौर पर विकसित कर रहा है।

मैं अपने काम व फिल्म के बारे में बात करना चाहूंगा, प्यार के लिए वक्त नहीं : राघव जुयाल

शहनाज गिल संग डेटिंग की खबर पर राघव ने तोड़ी चुप्पी
सलमान ने दोनों के अफेयर पर किया था इशारा

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड डांसर और एक्टर राघव जुयाल इन दिनों आने वाली फिल्म किसी का भाई किसी की जान के प्रमोशन में व्यस्त हैं। वह पहली बार सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आएंगे। फरहाद सामजी की निर्देशित इस फिल्म में पूजा हेगड़े, शहनाज गिल, पलक तिवारी, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, भूमिका चावला, जगपति बाबू और वेंकटेश दग्गुबाती भी हैं। ट्रेलर हाल ही में लॉन्च किया गया था और इसे दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। प्रमोशन्स के बीच राघव ने हाल ही में शहनाज के साथ डेटिंग की अफवाहों पर रिएक्ट किया। ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान सलमान ने शहनाज गिल को आगे बढ़ने और मूव ऑन करने के लिए कहा और इस पर शहनाज ने जवाब दिया कि कर गई मैं मूव ऑन। कुछ ही समय में यह अनुमान लगाया गया कि वह राघव को डेट कर रही हैं और सलमान ने उनके रिश्ते पर इशारा किया। हालांकि, अब राघव जुयाल ने दावों को खारिज किया है और कहा कि उनके पास प्यार के लिए समय नहीं है। उन्होंने कहा कि जो इंटरनेट की चीजें हैं, वो मेरे तक नहीं आती। मुझे नहीं पता कि वो सच है या झूठ, जब तक मैं वो देख ना लूं या सुन ना लूं नहीं मानूंगा। हम चाहते हैं कि काम बोले। राघव ने कहा कि मैं फिल्म के लिए आया हूं और मैं चाहता हूं कि लोग मुझे एक एक्टर एवं एक डांसर के रूप में लोग एक होस्ट बनते देखें। मेरा काम बोले, बस! बाकी ये सब चीजे होती रहती हैं। ऐसा कुछ नहीं है और ये होगा भी नहीं, क्योंकि मेरे पास वक्त नहीं है। मैं डबल शिफ्ट में काम कर रहा हूं। अभी मेरी हालत ऐसी है कि वक्त ही नहीं, इन सब चीजों के लिए। मैं अपने काम और फिल्म के बारे में बात करना चाहूंगा, बस। वहीं शहनाज ने अब तक अफवाहों पर चुप्पी नहीं तोड़ी है। कपिल शर्मा के शो में आने के दौरान सलमान ने सोशल मीडिया पर सिडनाज को ट्रेंड कराने वाले यूजर्स को हवा दे दी। उन्होंने कहा कि यह शहनाज को ये सब इफेक्ट करता है और उन्हें आगे नहीं बढ़ने देता। इस बीच किसी का भाई किसी की जान ईद के मौके पर 21 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

धर्मा प्रोडक्शंस और डिज्नी ब्रह्मास्त्र से पीछे हटे

- जियो स्टूडियोज के साथ बन सकती है ब्रह्मास्त्र

मुंबई (ईएमएस)। धर्मा प्रोडक्शंस और डिज्नी फिल्म ब्रह्मास्त्र के निर्माण से पीछे हट गए हैं। ऐसे में अयान मुखर्जी अब जियो स्टूडियो से हाथ मिला सकते हैं। जानकारी के अनुसार डिज्नी भारत में अपनी कंटेंट की रणनीति के पुनर्गठन पर काम कर रहा है। उन्होंने डिज्नी प्लस हॉटस्टार के लिए काम को धीमा कर दिया है और फिल्म निर्माण भी कम ही कर रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में कई बैठकों के बाद अब डिज्नी ने ब्रह्मास्त्र फ्रेंचाइज से पीछे हटने का फैसला किया है। स्टूडियो ब्रह्मास्त्र फ्रेंचाइज के अधिकार अयान को बेचने के लिए तैयार था, जो पहले से ही इसके आंशिक मालिक हैं। अयान के पास अपनी फिल्मों के भविष्य के लिए एक रूपरेखा तैयार है और वह रणबीर कपूर के साथ इस पर जियो स्टूडियोज के साथ करोड़ों रुपए की बड़ी डील करने के कगार पर हैं। गौरतलब है कि ब्रह्मास्त्र के प्रदर्शन के बाद से ही सिने गलियारों में बहती हवाओं ने यह कहना शुरू कर दिया था कि करण जौहर अब अयान मुखर्जी के साथ काम करने के इच्छुक नहीं हैं। वजह यह बताई जा रही थी कि अयान मुखर्जी अपनी फिल्म बनाने में बहुत ज्यादा समय लेते हैं जो करण को सही नहीं लग रहा था।

इन्हीं हवाओं ने यह भी कहा था कि अयान को यशराज फिल्म्स अपने साथ जोडऩे का इच्छुक है। पिछले दिनों यह बात सही साबित हुई जब यशराज ने अपने स्पाई यूनिवर्स की अगली फिल्म वॉर-2 की घोषणा अयान मुखर्जी के नाम के साथ की। अब देखने वाली बात यह है कि क्या जियो अयान मुखर्जी को अपने साथ जोडकर ब्रह्मास्त्र की अगली दो किश्तों को पूरा करता है या फिर कहीं अयान मुखर्जी अपने साथ इस प्रोजेक्ट के लिए भी यशराज फिल्म्स से हाथ मिलाते हैं। यह सब तो आने वाला वक्त ही बताएगा। बता दें कि अयान मुखर्जी के निर्देशन में बनी ब्रह्मास्त्र पार्ट वन शिवा ने प्रदर्शन के बाद ही बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन व्यवसाय करने में सफलता प्राप्त की थी। कुछ समय पूर्व इसके निर्देशक अयान मुखर्जी ने घोषणा की थी कि ब्रह्मास्त्र-2 को दिसम्बर 2026 और ब्रह्मास्त्र-3 को दिसम्बर 2027 में प्रदर्शित किया जाएगा।

अभिनेता ने की दृश्यम 3 की पुष्टि

दो फिल्मों की सफलता को देखते हुए, दक्षिण भारतीय निमार्ता एंटनी पेरुम्बवूर ने हाल ही में एक पुरस्कार समारोह में अभिनेता मोहनलाल ने की दृश्यम 3 की आधिकारिक पुष्टि की। जानकारी के मुताबिक, तीसरे भाग पर काम चल रहा है और फिल्म की स्क्रिप्टिंग पर काम चल रहा है। इसके अलावा, भोला स्टार को स्पष्ट रूप से लगता है कि दृश्यम 1 और 2 के रीमेक बड़ी हिट साबित हो रहे हैं, यह बेहतर है कि तीसरी किस्त मलयालम के साथ ही बनाई जाए। इसलिए, फिल्में - हिंदी के साथ-साथ मलयालम में भी एक ही समय में रिलीज हो सकती हैं। मालूम हों कि दृश्यम 1 और 2, मूल संस्करण में मोहनलाल और इसके हिंदी रूपांतरण में अजय देवगन को दर्शकों के साथ-साथ आलोचकों द्वारा भी व्यापक रूप से स्वीकार किया गया था।

अभिनेत्री सामंथा की फिल्म शाकुंतलम प्रदर्शित

- भारी प्रमोशन के बावजूद बॉक्स ऑफिस को निराश किया

मुंबई (ईएमएस)। साउथ की अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म शाकुंतलम प्रदर्शित हुई है। इस फिल्म के भारी भरकम प्रमोशन के बाद भी शाकुंतलम ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस को निराश किया है। पैन इंडिया के तौर तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम और हिन्दी भाषा में प्रदर्शित हुई इस फिल्म ने पहले दिन सामंथा रुथ प्रभु की पिछली फिल्म यशोदा से बेहतरीन कारोबार करने में सफलता प्राप्त की है। पौराणिक कथानक पर आधारित सामंथा रुथ प्रभु की इस फिल्म ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर सभी भाषाओं में मिलाकर 5 करोड़ का कारोबार करने में सफलता प्राप्त कर ली है। इस फिल्म ने तेलुगू में 33 प्रतिशत ऑक्यूपेंसी के साथ अपनी शुरूआत की है। अदाकारा ने मायसोटिस बीमारी से रिकवरी के बीच ही अपनी इस फिल्म का धमाकेदार प्रमोशन शुरू किया था, जिसके बाद फिल्म स्टार की इस फिल्म से हर किसी को उम्मीद थी। फिल्म के पहले दिन के कारोबार को देखते हुए यह उम्मीद की जा रही है कि शाकुंतलम शनिवार और रविवार को बॉक्स ऑफिस पर 15 करोड़ के लगभग कारोबार करने में सफल हो जाएगी। अपने पहले सप्ताहांत तक इसका कारोबार 20 करोड़ से ऊपर जाने की सम्भावना है।

गौरतलब है कि इसके साथ ही अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म शाकुंतलम ने उनकी पिछली रिलीज फिल्म यशोदा के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है। बीते साल रिलीज हुई अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु की पिछली रिलीज फिल्म यशोदा ने सिनेमाघरों से पहले दिन कुल 3 करोड़ रुपये की कुल कमाई हासिल की थी। अदाकारा सामंथा रुथ प्रभु और देव मोहन अभिनीत यह फिल्म कालीदास के महाकाव्य अभिज्ञानशाकुंतलम की कहानी पर आधारित है। अदाकारा ने इस फिल्म में महाराज दुष्यंत की पत्नी शकुंतला का किरदार निभाया है। जो ऋषि दुवार्सा के श्राप के कारण अपने प्यार के लिए तरसती है। इस बेहद खूबसूरत पौराणिक कहानी को पर्दे पर बिल्कुल परियों की कहानी की तरह उतारा गया है। जो अब दर्शकों का दिल जीतने में सफल होती दिख रही है। बता दें कि इस फिल्म को लेकर बॉक्स ऑफिस काफी आशान्वित नजर आ रहा था। फिल्म को सफल बनाने के लिए सामंथा ने इसका जबरदस्त प्रमोशन किया था। उम्मीद की जा रही थी कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बेहतरीन शुरूआत करेगी लेकिन ऐसा नहीं हो सका है।

अक्षय और परेश रावल के साथ ही बनेगी हेरा फेरी 3

बालीवुड फिल्म हेरा फेरी 3 किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी हुई है। सभी अटकलों पर विराम लगाते हुए, सुनील शेट्टी ने आखिरकार खुलासा किया कि फिल्म में, वह अक्षय कुमार के साथ और परेश रावल अपने लोकप्रिय पात्रों, श्याम, राजू और बाबूराव को क्रमशः दोहराते हुए दिखाई देंगे। फिल्म जल्द ही एक और विवाद में आ गई जब प्रशंसकों ने फरहाद सामजी को फिल्म के निर्देशक के रूप में साइन करने के फैसले पर अपनी निराशा और अस्वीकृति दिखाई, क्योंकि उन्होंने ट्विटर पर हैशटैग हेरा फेरी से फरहाद सामजी को हटा दें ट्रेंड किया। निर्देशक ने बाद में एक साक्षात्कार में इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त की और कहा हर कोई अपनी पूरी कोशिश करता है और अगर किसी को कोई समस्या है, तो वे बेहतर फिल्म बनाकर और बेहतर पंच लिखकर इसे ठीक करने की कोशिश करेंगे। बता दें कि पहले यह कयास थे कि फिल्म में कौन-कौन शामिल हैं, जिसमें यह भी शामिल है कि कार्तिक आर्यन को एक महत्वपूर्ण भूमिका के लिए चुना गया था।

फिल्म जोगीरा सारा रा रा में नजर आएंगे नवाजुद्दीन

-फिल्म का टीजर हाल ही में किया गया रिलीज

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी जल्द ही रोमांटिक फिल्म जोगीरा सारा रा रा में नजर आएंगे। एक्टर ने साझा किया है कि जहां उनके फैंस उन्हें डार्क किरदार में देखना पसंद करते हैं, वहीं उन्हें लाइट रोल करना पसंद है। फिल्म एक ऐसे कपल की कहानी है, जो प्यार में नहीं पड़ने के लिए द्रढ़ संकल्पित है। फिल्म का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया। फिल्म के बारे में बात करते हुए, नवाज ने कहा, जहां मेरे फैंस मुझे डार्क किरदार निभाते हुए देखना पसंद करते हैं, वहीं मुझे लाइट रोल करने में मजा आता है।

मुझे विश्वास है कि इस बार भी वे इस अजीबोगरीब जोड़ी के साथ हंसी-मजाक का आनंद लेंगे, जो एक-दूसरे के लिए अपना दिल नहीं खोने के लिए द्रढ़ हैं, चाहे कुछ भी हो जाए। फिल्म को गालिब असद भोपाली ने लिखा है और कुशन नंदी ने डायरेक्ट किया है। इसमें नेहा शर्मा, जरीना वहाब, संजय मिश्रा और महाक्षय चक्रवर्ती भी सहायक भूमिकाओं में हैं। नेहा ने कहा, इस फिल्म की शूटिंग करना एक यादगार अनुभव था। जब फिल्म की शूटिंग पूरी हुई तो हम दुखी थे क्योंकि हम सबको शूटिंग करने और एक दूसरे के साथ बहुत मजा आ रहा था। अब, मैं आप सभी की प्रतिक्रिया का इंतजार नहीं कर सकता। इस फिल्म का आप पूरे परिवार के साथ आनंद ले सकते हैं। नईम ए सिद्दीकी द्वारा निर्मित, किरण श्याम श्रॉफ रचनात्मक निमार्ता के रूप में, फिल्म की शूटिंग लखनऊ, बाराबंकी, रहीमाबाद, वाराणसी और मुंबई जैसी जगहों पर की गई है।

यह 12 मई को रिलीज होने वाली है। बता दें कि गैंग्स ऑफ वासेपुर, रईस, बजरंगी भाईजान और अन्य जैसी फिल्मों के लिए पहचाने जाने वाले नवाजुददीन आजकल अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चचाओं में बने रहते हैं।

भूल भुलैया 3 में फिर बाबा बनेगें कार्तिक आर्यन

भूल भुलैया 3 में कार्तिक आर्यन रूह बाबा की अपनी भूमिका को पुनर्जीवित करेंगे। अपने सोशल मीडिया हैंडल का सहारा लेते हुए अभिनेता ने एक पोस्ट किया और भूल भुलैया 2 से अपने लोकप्रिय संवाद की विशेषता वाला एक छोटा वीडियो भी साझा किया। यह फिल्म दिवाली 2024 के अवसर पर रिलीज होगी लेकिन फिल्म एक ब्लॉकबस्टर साबित हुई, जिसने कोविड के बाद लोगों को अपने घरों से बाहर निकाला। फ्रेंचाइजी की पहली फिल्म में अक्षय कुमार और विद्या बालन थे। विद्या बालन मुख्य भूमिका में थी, जबकि आर्यन के साथ कियारा आडवाणी ने दूसरे भाग में दो दिग्गजों की जगह ली, जो दर्शकों को शुरू में पसंद नहीं आई।

नहीं रही फिल्म निर्माता यश चोपड़ा की पत्नी पामेला चोपड़ा

मुंबई, (हि.स.)। मशहूर फिल्म निमार्ता यश चोपड़ा की पत्नी तथा निमार्ता एवं गायिका पामेला चोपड़ा का 74 साल की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने गुरुवार सुबह को अंतिम सांस ली। हाल ही में पामेला नेटफ्लिक्स की यशराज फिल्म्स की विरासत और इतिहास पर बनी डॉक्यूमेंट्री "द रोमैंटिक्स" में दिखाई दी थीं। उनकी मौत के कारणों के बारे में अभी और जानकारी आना बाकी है। वह पिछले 15 दिनों से मुंबई के एक अस्पताल में भर्ती थीं। उनको कथित तौर पर निमोनिया की शिकायत थी। डॉ. प्रह्लाद प्रभुदेसाई ने कहा, "आज उनका निधन हो गया। वह 15 दिनों के लिए लीलावती अस्पताल में वेंटिलेटर पर थीं। उन्हें निमोनिया था।" गौरतलब है कि यश चोपड़ा ने 2012 में अंतिम सांस ली थी। पामेला वास्तव में यश की मार्गदर्शक और आधार स्तंभ थीं। उन्होंने न केवल यश चोपड़ा के लिए कहानियां लिखीं बल्कि प्रोडक्शन, संगीत, कॉस्ट्यूम डिजाइन और कास्टिंग का काम भी देखा। उन्होंने कई हिट हिंदी फिल्मों में अपनी आवाज दी। पामेला ने 1989 की हिट फिल्म चांदनी के गाने "मैं ससुराल नहीं जाऊंगी" को अपनी आवाज दी थी । बाद में उन्होंने बेटे आदित्य के डेब्यू डायरेक्शन "दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे" में " घर आजा परदेसी" गाया था।

सूडोकु नवताल- 6407

मध्यम

6	3	7		1	5	4		9
	8						2	
		1		4	8			6
	6			9	7	1		
7	2						5	3
		5	6	3			9	
5			8	2		3		
	4						7	
1		3	7	5		2	6	8

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6406 का हल

5	9	4	1	7	2	6	3	8
6	8	1	4	3	5	2	7	9
2	3	7	8	9	6	1	4	5
9	2	3	7	5	1	4	8	6
4	7	6	9	2	8	5	1	3
1	5	8	3	6	4	9	2	7
8	6	2	5	4	3	7	9	1
7	1	5	2	8	9	3	6	4
3	4	9	6	1	7	8	5	2

शब्दजाल - 7154

गु	मी	रा	कु	मा	र	अ	फा	न	प	रा	
न	ला	क	प	इं	डो	र्जु	शि	या	ड़	म	
अ	दा	म	ला	र	ग	न	द	द	प	वि	
प्र	ग	ल	न	ब	दू	सिं	प	या	लि	ला	
त	ण	अ	सौ	बी	जा	ह	कि	नि	ला	स	
आ	इ	व	मो	व	आ	व	त	धि	लू	पा	
ग	जी	ल	मु	व	प	जा	न	मा	प्र	स	
र	रि	भा	र	ख	प	स	द	र	सा	वा	
क	म	ल	ना	थ	र्जी	ज	जी	न	द	न	
न	ट	व	र	सिं	ह	ब्रा	स्र	अ	प	श	
ब	शि	वा	जी	पा	टि	ल	त्ता	प	क	र	

शब्द जाल में 10 केंद्रीय मंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

प्रणव मुखर्जी, अर्जुन सिंह, रामविलास पासवान,गुलाम नबी आजाद, शिवाजी पाटिल,नटवर सिंह,कमलनाथ,मीरा कुमार, लालू प्रसाद, दयानिधी मारन

शब्दजाल - 7153 का हल

अ	क	मु	ग	ल	ए	अ	ला	तु	र	व
द	ह	ल	प्रे	व	बु	स	द	ह	कां	ड़
र	स	म	म	दी	छ	ल	आ	र्म	ख	क
इं	स	ल	द	दि	वा	स	ढा	ल	श	क
डि	आ	दो	ग	न	ज़	ना	प	णा	झ	ड़
य	ना	द	र	दि	ग	उ	र	ण	दे	क
ती	व	ग	मी	या	प	र	भ	नां	व	को
सो	एं	ऊ	पु	द	ब	क	णी	ए	श	ल्हा
क	ग	ल	प	र	गी	स	री	औ	प	पु
क	ग	ली	प	लि	जी	त	ऐ	ओ	प	र
क	अ	म	रा	व	ती	स	व	र्धा	प	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग - 6107

3		4	6	7		
	23	2	31		39	
	5	1			7	4
6	33		29	3	36	
	3		4			2
7	37		36	5	29	
	5	7	6		2	3

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6106 का हल

3	6	2	4	1	7	5
1	25	3	31	5	37	7
2	1	7	6	3	5	4
7	37	6	40	2	24	3
6	3	5	7	4	1	2
5	33	4	37	6	29	1
4	5	1	3	7	2	6

Jagrutidaur.com, Bangalore

स्मृति मंधाना ने डब्ल्यूपीएल में किया संघर्ष : नाइट

दुबई।

इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने कहा कि स्मृति मंधाना ने भले ही 2019 के बाद से अंतरराष्ट्रीय मैचों में भारतीय महिला टी20 टीम का नेतृत्व किया हो, लेकिन हाल ही में समाप्त हुई महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के दौरान मंधाना ने बहुत अधिक दबाव महसूस किया और कप्तानी संभालने के लिए संघर्ष किया। मंधाना की रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम की साथी हीथर नाइट ने कहा, डब्ल्यूपीएल के दौरान मंधाना ने काफी संघर्ष किया।

100 प्रतिशत क्रिकेट पॉडकास्ट पर बोलते हुए नाइट ने कहा कि एक हाई-प्रोफाइल टीम की कप्तानी के साथ आने वाले दबाव ने मंधाना को प्रभावित किया, जिनकी टीम आठ मैचों में सिर्फ दो बार जीती।

नाइट ने आईसीसी 100 प्रतिशत क्रिकेट पॉडकास्ट में नासिर हुसैन और फ्रेंकी मैके को बताया, मैं स्मृति को अच्छी तरह से जानता हूं। मैं उसके साथ वेस्टर्न स्टॉर्म और होबार्ट हरिकेंस में कुछ साल पहले खेल चुका हूं।

नाइट ने कहा, मैं उसकी अच्छी दोस्त हूं। मैंने कई बार महसूस किया कि वह दबाव में है, वह शायद इससे पहले किसी ने अनुभव नहीं किया था।

मंधाना को आरसीबी ने 3.4 करोड़ पर साइन किया था। इस साल की शुरुआत में डब्ल्यूपीएल नीलामी में सबसे अधिक जीतने वाली बोली और भूमिका में अनुभव की कमी के बावजूद उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया था। उसने आठ मैचों में 18.62 की औसत और 111.19 की स्ट्राइक रेट से 149 रन बनाया।

नाइट ने कहा, उस पर दबाव बहुत अधिक है और मुझे लगता है कि इससे वह बहुत कुछ सीखेगी, और इसके कारण एक बेहतर कप्तान बनेगी।

वह काफी शांतकप्तान है और निश्चित रूप से पूरी टीम को एक साथ लाना चाहती है। उप-कप्तान के रूप में भारतीय पक्ष में उनकी भूमिका समूह को एक साथ लाने और युवा खिलाड़ियों और पुराने खिलाड़ियों को एक साथ लाने की रही है।

आईसीसी की वेबसाइट पर एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आरसीबी के संघर्ष के बावजूद, नाइट ने डब्ल्यूपीएल में अपने अनुभव का आनंद लिया।

न्यूज ब्रीफ

स्लो ओवर रेट के लिए केएल राहुल पर 12 लाख रुपए का जुर्माना

जयपुर। लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के.एल. राहुल पर जुर्माना लगाया गया है। ये जुर्माना राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल मैच के दौरान उनकी टीम के स्लो ओवर रेट के लिए लगाया गया है। आईपीएल ने एक बयान में बताया कि जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले गए 26वें मैच में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए राहुल की खिंचाई की गई। आईपीएल ने एक विज्ञप्ति में कहा, चूंकि यह आईपीएल की आचार संहिता के तहत स्लो ओवर रेट का पहला अपराध था, इसलिए राहुल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया। राजस्थान रॉयल्स ने यशस्वी जायसवाल और जोस बटलर के बीच 87 रन की शुरूआती साझेदारी की थी, लेकिन आवेश खान के 3/25 और मार्कस स्टोइनिस के 2/28 की शानदार गेंदबाजी से लखनऊ सुपर जायंट्स दस रन से जीत गई। काइल मेयर के 51 रन बनाने के बावजूद राजस्थान ने लखनऊ को 154/7 पर समेट दिया था। 11वें ओवर तक राजस्थान ने कोई विकेट नहीं गंवाया था और लक्ष्य की ओर बढ़ती दिख रही थी। लेकिन स्टोइनिस ने दोनों सलामी बल्लेबाजों को आउट कर मैच को लखनऊ के पक्ष में कर दिया। राजस्थान ने 12-17 ओवर में 32 रन पर चार विकेट गंवा दिए। लखनऊ के गेंदबाजों ने राजस्थान के रनों की रफ्तार रोक दी और आस्किंग रन रेट काफी ऊपर चला गया जिसके चलते राजस्थान 20 ओवरों में 144/6 पर ही सिमट कर रह गया। लखनऊ सुपर जायंट्स को जीत से अंक तालिका में अपना दूसरा स्थान बनाए रखने में मदद मिली है।

ओन्स जाबौर, कोको गॉफ और सबालेंका स्टटगार्ट के क्वार्टरफाइनल में

स्टटगार्ट। ओन्स जाबौर,कोको गॉफ और आर्यना सबालेंका ने स्टटगार्ट ओपन के क्वार्टरफाइनल में

जगह बना ली है। जाबौर ने 2022 सत्र में विम्बलडन और यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचकर इतिहास बनाया था लेकिन 2023 में उन्हें संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने चोट से उबरने के बाद महिला टूर में वापसी की। 28 वर्षीय जाबौर ने 2022 सत्र को विश्व की नंबर दो खिलाड़ी के रूप में समाप्त किया था। उन्हें जनवरी में सांप ने काट लिया था। उन्हें ऑस्ट्रेलियन ओपन में दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा और हलकी सर्जरी कराने के लिये उन्हें सत्र से हटना पड़ा। जाबौर पोर्श टेनिस ग्रां प्री से जल्दी बाहर होने से मात्र चार अंक दूर थीं लेकिन उन्होंने वापसी करते हुए 22वीं सीड येलेना ओस्तापेंको को 1-6, 7-5, 6-3 से हराकर लगातार दूसरी बार स्टटगार्ट के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। नंबर दो सीड सबालेंका भी अगले दौर में पहुँच गयी हैं। उन्होंने चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिकोवा को 6-2, 6-3 से हराया जबकि छठी सीड कजाखस्तान की एलेना रिबाकिना ने जर्मनी की जूल नैमिएर को 7-5, 6-3 से और यूनान की मारिया सकारी ने चेक गणराज्य की कैरोलिना प्लिसकोवा को 6-2, 6-3 से हराया। इस बीच पांचवीं सीड कोको गॉफ ने पोर्श टेनिस ग्रां प्री में अपनी पहली करियर जीत हासिल की। उन्होंने दो घंटे 45 मिनट के संघर्ष में वेरोनिका कुदेरमेटोवा को 6-2, 4-6, 7-6(3) से पराजित किया।

पहली बार भारत में खेला जाएगा अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन

चेन्नई। भारत में पहली बार अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन (डब्यूएसएल) का आयोजन इसी साल अगस्त में होगा। अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन मामल्लापुरम में 14 से 20 अगस्त तक खेला जाएगा। इसमें एशिया और ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता के आयोजन की घोषणा करते हुए तमिलनाडु के खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि यह खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य सरकार का एक और कदम है और इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता से भारतीय खिलाड़ियों को अपनी क्षमता और प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर मिलेगा। उदयनिधि ने कहा, ''सर्फिंग ओलंपिक खेल है इसलिए यह प्राथमिकता बन गया है। यह अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता हमारे खिलाड़ियों को अपनी क्षमता दिखाने और हमारे देश को गौरवांवित करने का शानदार मंच देगा। वहीं भारतीय सर्फिंग महासंघ और तमिलनाडु सर्फिंग महासंघ के अध्यक्ष अरूण वासु ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सर्फ ओपन डब्ल्यूएसएल क्यूएस 3000 प्रतियोगिता है जिसमें 12 से 14 देशों के 80 से 100 खिलाड़ी भाग लेंगे। इस अवसर पर उदयनिधि ने तमिलनाडु सरकार की ओर से स्वीकृत दो करोड़ 67 लाख रुपये का एक चेक वासु को सौंपा।

मैनचेस्टर सिटी ने बायर्न म्यूनिख को किया बाहर इंटर मिलान 13 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली ।

इंग्लैंड के क्लब मैनचेस्टर सिटी ने यूईएफए चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सिटी ने छह बार की चैंपियन बायर्न म्यूनिख को बाहर कर दिया। दोनों टीमों के बीच बायर्न के होमग्राउंड एलियांज एरीना में क्वार्टर फाइनल का दूसरा लेग 1-1 की बराबरी पर छूटा। इससे पहले सिटी ने पिछले हफ्ते पहले लेग में 3-0 की जीत हासिल की थी। इस तरह दो मुकाबलों के स्कोर को जोड़कर सिटी 4-1 से क्वार्टर फाइनल को जीतने में सफल रहा।

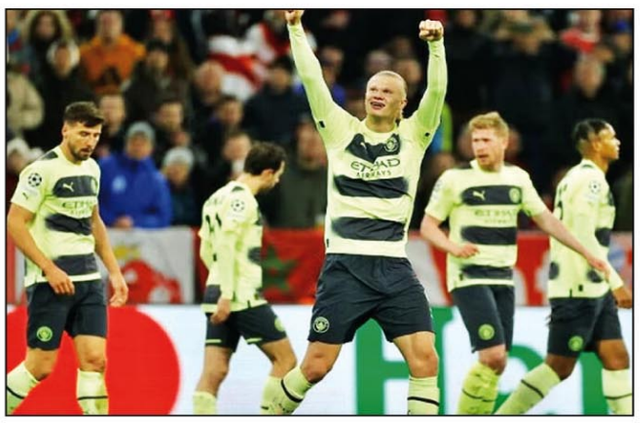

सिटी की टीम लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में पहुंची है। वह कुल चौथी बार सेमीफाइनल में खेलेगी। 2015-16 में वह इसी राउंड में बाहर हुई थी। उसके बाद 2020-21 में चेल्सी के खिलाफ फाइनल में हार मिली। वहीं, 2021-22 में रियल मैड्रिड ने उसे सेमीफाइनल में हरा दिया था। लगातार दूसरे साल रियल और सिटी के बीच सेमीफाइनल मैच होगा। इस बार पेप गॉर्डियोला की टीम पिछले सीजन में मिली हार का बदला लेना चाहेगी।

बायर्न ने दी टक्कर

मैनचेस्टर सिटी की टीम जब पहले लेग में 3-0 की जीत के बाद बायर्न के होमग्राउंड पर दूसरे लेग में उतरी तो शुरुआती मिनटों में उसने कई गलतियां की। बायर्न के फैंस स्टेडियम में काफी शोर कर रहे थे। वह अपनी टीम का हौसला बढ़ा रहे थे। बायर्न ने पहले हाफ में कई मौके बनाए, लेकिन किस्मत ने साथ नहीं दिया।

हालैंड ने पेनल्टी गंवाई

35वें मिनट में डिफेंडर ओपमेकानो की गलती के कारण मैनचेस्टर सिटी को पेनल्टी मिल गई। उसके बाद मैच में बड़ी बढ़त बनाने का सुनहरा मौका था। सिटी के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड पेनल्टी लेने आए। इस दौरान बायर्न के खिलाड़ी और फैंस ने उनके ऊपर काफी दबाव बनाया। यह बायर्न के काम भी आया। हालैंड दबाव को नहीं झेल पाए और गेंद को गोलपोस्ट में नहीं डाल सके। उनका शॉट गोलपोस्ट के काफी ऊपर से निकल गया।

हालैंड ने दिलाई बढ़त

पहले हाफ में पेनल्टी चूकने के बाद एर्लिंग हालैंड ने दूसरे हाफ में जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 57वें मिनट में गोल कर मैनचेस्टर सिटी को मैच में 1-0 की और कुल स्कोर में 4-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद बायर्न को 81वें मिनट में सिटी के अकांजी की गलती के कारण पेनल्टी मिली। उसके कप्तान जोशुआ किमिच ने गोल कर मैच को 1-1 की बराबरी पर ला दिया, लेकिन यह काफी नहीं था। बायर्न को कुल स्कोर में बराबरी करने के लिए तीन गोल और करने थे। यह उसके लिए असंभव साबित हुआ। बायर्न की टीम लगातार तीसरे सीजन में क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई।

इंटर मिलान ने बेनफिका को किया बाहर

इंटर मिलान की टीम दूसरे लेग में 2-0 की बढ़त के साथ उतरी। बेनफिका ने उसके होमग्राउंड पर अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन वह चमत्कार नहीं कर सकी। दोनों टीमों के बीच दूसरे लेग का मुकाबला 3-3 गोल की बराबरी पर छूटा। इंटर के लिए निकोलो बरेला ने 14वें, लोटारो मार्टिनेज ने 65वें और जोआकिन कोरेया ने 78वें मिनट में गोल किया। वहीं, बेनफिका के लिए फ्रेडिक ऑर्सनेस ने 38वें, एंटोनियो सिल्वा ने 86वें और पीटर मूसा ने इंजरी टाइम (90+5वें मिनट) में गोल किया। मैच 3-3 की बराबरी पर रहने के बाद इंटर मिलान ने 5-3 के कुल स्कोर के साथ सेमीफाइनल में जगह बनाई।

इंटर और एसी मिलान में होगा मुकाबला

सेमीफाइनल में इटली के क्लब इंटर मिलान का मुकाबला अपने ही देश के क्लब एसी मिलान से होगा। दोनों ही टीमों का होमग्राउंड एक ही स्टेडियम है। मिलान के सैन सिरो स्टेडियम में इंटर और एसी मिलान की टीमें अपने-अपने घरेलू मैच खेलती हैं। अगले साल इस स्टेडियम को गिराया जाएगा। उससे पहले फैंस को एक बड़ा मुकाबला देखने को मिला। चिर-प्रतिद्वंद्वी इंटर और एसी मिलान की टीमें सेमीफाइनल में जब एक-दूसरे के खिलाफ खेलेंगी तो सैन सिरो स्टेडियम का महौल अलग ही होगा।

इंटर मिलान की टीम 2009-10 के बाद इस राउंड में खेलेगी। वहीं, एसी मिलान ने 2006-07 के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई है। एसी मिलान सात और इंटर तीन बार चैंपियंस लीग जीत चुकी है।

आईपीएल 2023 में हैट्रिक लेने वाले राशिद खान बोले

विदेशी लीग में अच्छा करने वालों को आईपीएल में मौका मिलने की उम्मीद ज्यादा

अहमदाबाद।

गुजरात टाइटंस के उपकप्तान और दुनिया के नंबर-1 टी-20 गेंदबाज राशिद खान मौजूदा आईपीएल में हैट्रिक लेने वाले एकमात्र गेंदबाज हैं। वे इस लीग में 97 मैच खेल चुके हैं और 123 विकेट ले चुके हैं। उनका मानना है कि विदेशी लीग में अच्छा प्रदर्शन कर खिलाड़ी आईपीएल में जगह तो बना लेता है, लेकिन यहां बने रहने के लिए निरंतरता जरूरी है। राशिद ने कहा कि गैरी कर्स्टन की वजह से उनकी बल्लेबाजी में काफी सुधार हुआ है। पेश हैं उनसे बातचीत के मुख्य अंश आप जल्द ही आईपीएल में 100वां मैच खेलेंगे, कैसा अनुभव रहा

किसी विदेशी के लिए आईपीएल में 100 मैच खेलना बड़ी बात है। पहले 5 साल सनराइजर्स हैदराबाद से खेला। अब गुजरात का हिस्सा हूं। आप विदेशी लीग में प्रदर्शन करके आईपीएल में जगह बना सकते हैं, लेकिन यहां सबसे बड़ी चुनौती खुद को बनाए रखना और लगातार अच्छा प्रदर्शन करते रहना है।

क्या इम्पैक्ट प्लेयर के नियम से ऑलराउंडर की जगह खतरे में है

हां, मुझे ऐसा लगता है। अब बैटिंग ऑलराउंडर को बैटिंग में 70प्रतिशत और बॉलिंग में 30प्रतिशत देना होगा जबकि बॉलिंग ऑलराउंडर को बॉलिंग में 70प्रतिशत और बैटिंग में 30प्रतिशत देना होगा। अब थोड़ी बॉलिंग और थोड़ी बैटिंग

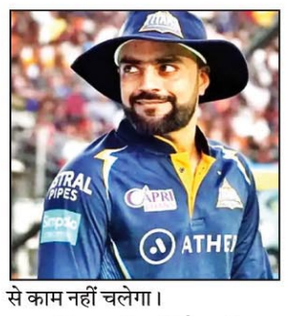

से काम नहीं चलेगा।

क्या होम-अवे फॉर्मेट की वापसी से घरेलू टीम को फायदा नहीं मिल रहा

पहले टीमें सेट हो गई थीं। अब टीमें और खिलाड़ी बदल चुके हैं। नए खिलाड़ियों को घरेलू मैदान की परिस्थितियों से तालमेल बिठाने में समय लगेगा। खिलाड़ियों को मौसम से भी सामंजस्य बिठाना होगा। 2-3 साल बाद टीमें घरेलू मैदान पर फिर से अच्छा करने लगेंगी। आईसीसी टी20 गेंदबाजी रैंकिंग के टॉप-10 में अफगानिस्तान के तीन खिलाड़ी हैं इस पर क्या कहना है इन तीन में एक तेज गेंदबाज हैं फजल हक फारूकी। यह अफगान के लिए अच्छा संकेत है। पहले हमारे स्पिनर अच्छा कर रहे थे। अब तेज गेंदबाज भी अच्छा कर रहे हैं। फारूकी के अलावा हमारे पास नवीन उल हक भी हैं। फारूकी पहले चेन्नई के नेट गेंदबाज थे, जिससे उन्हें फायदा हुआ। वे हैदराबाद के लिए भी खेले। बड़े स्तर पर खेलने से खिलाड़ी काफी कुछ सीख पाते हैं। जुलाई में अफगानिस्तान टीम भारत आएगी, आप इसे कैसे देखते हैं।

इंग्लैंड में वार्नर का बल्ला रहा है खामोश, भारतीय टीम को मिलेगा लाभ

सिडनी।

टेस्ट क्रिकेट में पिछले कुछ समय से खराब प्रदर्शन के बाद भी ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज डेविड वार्नर को भी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम में जगह मिली है। इसका लाभ भारतीय टीम को मिलेगा। इसका कारण ये है कि वार्नर आईपीएल से पहले भारतीय टीम के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में नाकाम रहे थे। इसके अलावा यह भी देखा गया है कि इंग्लैंड में आमतौर पर वार्नर रन नहीं बना पाते हैं। इससे भारतीय टीम के गेंदबाजों के लिए उन्हें आउट करना आसान रहेगा।

टेस्ट क्रिकेट में करियर औसत 45 का है लेकिन बात जब इंग्लैंड में खेलने की होती है तो यह गिरकर महज 26 का रह जाता है। इंग्लैंड में 13 मैचों की 25 पारियों में वार्नर 651 रन ही बना पाए हैं। उनके नाम इंग्लैंड में एक भी शतक नहीं है। खराब फार्म के कारण ही उन्हें एशेज सीरीज और इंग्लैंड में होने वाले आगामी डब्ल्यूटीसी फाइनल से पहले उन्हें रिटायरमेंट की सलाह दी जा रही थी पर इसके बाद भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया सीए ने उन्हें अवसर दिया है।

विराट कोहली की कप्तानी वाली भारतीय टीम पिछली बार डब्ल्यूटीसी टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में खिताब जीतने में असफल रही थी। अब उसका रोहित शर्मा की कप्तानी में भारतीय टीम का लक्ष्य कंगारुओं पर जीत हासिल कर खिताब अपने नाम करना रहेगा। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के दौरान भारतीय टीम इंडिया ने अपनी ही धरती पर ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था। इस दौरान भी वार्नर का बल्ला भी खामोश ही रहा था। भारत को इसका सीधे तौर पर फायदा मिला था। ऐसे में वार्नर का ऑस्ट्रेलिया की टीम में होना भारत के लिए अच्छी खबर है।

ओएनजीसी और आईओसीएल ने पीएसपीबी टेबल टेनिस में पुरुष और महिला खिताब जीते

नई दिल्ली।

गत चैंपियन टीम ओएनजीसी ने आईओसीएल को इंदिरा गाँधी स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स के केडी जाधव इंडोर हाल में 3-1 से हराकर 41वें पीएसपीबी अंतर इकाई टेबल टेनिस टूर्नामेंट में पुरुष टीम खिताब जीत लिया जबकि गत महिला चैंपियन आईओसीएल ने टीम ऑयल को 3-2 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा। टीम ओएनजीसी ने एचपीसीएल को 3-0 से हराकर वेटरन टीम खिताब जीता।

पुरुष टीम चैंपियनशिप में ओएनजीसी ने मजबूत शुरूआत की और हरमीत देसाई ने अचंत शरत कमल को 3-1 से हरा दिया। आईओसीएल ने अगला मैच जीता जब मानव ठक्कर ने मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन जी सत्यन को 3-0 से पराजित कर दिया। हालांकि ओएनजीसी ने अगले दो मैच जीतकर खिताब अपने नाम किया। एंथनी अमलराज ने प्रियानुज

भट्टाचार्य को 3-0 से और जी सत्यन ने शरत कमल को 3-1 से हराया।

महिला टीम चैंपियनशिप में मुकाबला काफी नजदीकी रहा। आईओसीएल की

अर्चना कामथ ने वेटरन खिलाड़ी ऑयल की मौमा दास को 3-2 से हराया। युवा खिलाड़ी यशस्विनी घोरपड़े ने अपनी क्षमता दिखाते हुए ऋत्विका सिन्हा रॉय को 3-1 से हराया। रीथ रिश्या ने तृषा गोगोई को 3-1 से हराकर आईओसीएल की वापसी कराई। अर्चना कामथ और घोरपड़े के बीच मुकाबला दिलचस्प रहा। घोरपड़े ने अर्चना को 3-2 से हराकर दोनों टीमों को 2-2 की बराबरी पर ला दिया।

निर्णायक गेम में ऋत्विका ने मौमा दास को 3-0 से हराकर खिताब आईओसीएल की झोली में डाल दिया।

वेटरन वर्ग में ओएनजीसी ने एचपीसीएल को आसानी से 3-0 से हरा दिया।

कई आईपीएल स्टार खटखटा रहे टीम इंडिया का दरवाजा

रिंकू अब रसेल से बेहतर फिनिशर, बटलर को टक्कर दे रहे यशस्वी जायसवाल

नई दिल्ली।

इंडियन प्रीमियर लीग के 16वें सीजन के 26 मैच खेले जा चुके हैं। इस सीजन की अब तक की खासियत रही है भारत के युवा सितारों का शानदार प्रदर्शन। इन सितारों ने अपने दमदार प्रदर्शन से टीम इंडिया की दावेदारी भी ठोंक दी है। इनमें कुछ ऐसे हैं जो भारत के लिए अब तक नहीं खेले हैं। वहीं, कुछ जिन्हें भारतीय टीम में दो-चार मौके मिले लेकिन जल्द ही बाहर कर दिया गया।

रिंकू सिंह : 5 बॉल में 5 छक्के नहीं भूलेंगे फैंस - इस सीजन के 13वें मैच में गुजरात टाइटंस के खिलाफ कोलकाता नाइट राइडर्स को रोमांचक जीत दिलाने वाले रिंकू सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ के रहने वाले हैं। रिंकू यूपी के लिए खेलते हैं। रिंकू सिंह ने गुजरात के खिलाफ आखिरी ओवर में लगातार पांच गेंदों पर 5 छक्के जड़े और कोलकाता को जीत दिलाई थी। उन्होंने मैच में 21 गेंदों पर 48 रन ठोककर नाबाद पारी खेली। एक विस्फोटक बैटर होने के चलते रिंकू को साल 2013 में उत्तर प्रदेश की अंडर-16 टीम में जगह दी गई थी। बाद में वो अपने स्टेट की अंडर-19 टीम का भी हिस्सा बने। विजय हजारे ट्रॉफी 2018 में वो त्रिपुरा के खिलाफ 44 गेंदों पर 91 रन ठोककर चर्चा में आए।

यशस्वी जायसवाल : आईपीएल के साथ डोमेस्टिक में भी दमदार परफॉर्मेंस - 21 साल के यशस्वी जायसवाल का आईपीएल के इस सीजन में अभी तक काफी शानदार फॉर्म देखने को मिला है, जिसमें 6 मैचों में 2 अर्धशतकीय पारियां देखने को मिल चुकी हैं। उत्तर प्रदेश के भदोही के रहने वाले यशस्वी का अब तक का आईपीएल करियर काफी प्रभावित करने वाला रहा है। यशस्वी ने साल 2020 में आईपीएल

में डेब्यू किया था। यशस्वी मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलते हैं। यशस्वी भारतीय घरेलू क्रिकेट में पहले ऐसे बल्लेबाज हैं, जिन्होंने एक ही सीजन में दलीप ट्रॉफी और ईरानी ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाने का कारनामा किया है। यशस्वी ने इस साल घरेलू सीजन की शुरुआत में दलीप ट्रॉफी और ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की तरफ से खेलते हुए दोहरा शतक लगाया था। वह लिस्ट ए में दोहरा शतक बनाने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के क्रिकेटर हैं। इस साल राजस्थान ने उन्हें 4 करोड़ में टीम में शामिल किया था।

तिलक वर्मा : 20 साल के खिलाड़ी का शानदार फॉर्म जारी - तिलक वर्मा का इस सीजन में भी शानदार प्रदर्शन जारी है। हैदराबाद के तिलक ने पिछले साल आईपीएल डेब्यू किया था। 20 साल के खिलाड़ी को आईपीएल 2022 में सभी 14 मैचों में खेलने का मौका मिला और उन्होंने 36.09 की औसत से 397 रन बनाए थे। तिलक को मुंबई की टीम ने 1.70 करोड़ में टीम में शामिल किया था। तिलक ने साल 2018-19 के सीजन में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू किया था। इसी साल वह हैदराबाद की ओर से ही सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी खेले और अगले विजय हजारे में भी डेब्यू किया। साल 2020 में हुए अंडर-19 वर्ल्ड कप के लिए उन्हें टीम में चुना गया था। यहां उन्होंने छह मैचों की तीन पारियों में 86 रन बनाए थे।

रवि बिश्नोई : किफायती गेंदबाज हैं, अहम मौकों पर विकेट लेते हैं - टीम इंडिया से बाहर चल रहे रवि बिश्नोई का आईपीएल में इस सीजन में प्रदर्शन अभी तक काफी शानदार रहा है। बिश्नोई इस सीजन में लखनऊ के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले खिलाड़ी हैं। इस खिलाड़ी ने पिछले साल आईपीएल के दम पर ही टीम इंडिया में जगह बनाई थी। लेकिन हाल के समय में ये खिलाड़ी टीम इंडिया में जगह बनाने के लिए जूझ रहा है। आईपीएल 2023 में लखनऊ सुपरजायंट्स की ओर से खेलते हुए इस खिलाड़ी ने अभी तक काफी बेहतरीन खेल दिखाया है। राजस्थान में जन्में रवि ने टीम इंडिया के लिए अब तक एक वनडे और 10 टी-20 खेल चुके हैं। बिश्नोई ने साल 2020 में आईपीएल डेब्यू किया था।

वेंकटेश अय्यर : इंजरी से वापसी की, शतक भी जमाया - कोलकाता नाइट राइडर्स के ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर का इस सीजन में भी शानदार प्रदर्शन जारी है। अय्यर इस सीजन में रन बनाने के मामले में अभी दूसरे स्थान पर हैं। अय्यर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ शानदार शतक लगाया था। अय्यर इस सीजन में शतक लगाने वाले पहले भारतीय हैं। बात करें अय्यर के इंटरनेशनल क्रिकेट करियर के बारे में तो उन्होंने टीम इंडिया के लिए अब तक कुल 11 मुकाबले खेले है। जिसमें नौ टी-20 और दो वनडे शामिल है।

सिगरेट से हुक्का ज्यादा खतरनाक...

इन दिनों हर छोटे बड़े शहरों और मॉल्स में हुक्का बार या शीशा लाउंज पॉपुलर होते नजर आ रहे हैं। युवा हुक्के का एक कश नहीं बल्कि हजार कश लेते हुए दिखते हैं। बहुत से लोग मानते हैं कि हुक्का पीना सिगरेट पीने के मुकाबले बिल्कुल भी हानिकारक नहीं होता।

लेकिन हुक्के से खींचा गया तंबाकू का धुआं पानी से होता हुआ एक लंबे होज पाइप के जरिए फेफड़ों तक पहुंचता है। पानी के बरतन से होते हुए आने के कारण ही यह एक आम भ्रांति है कि हुक्के का धुआं हानिकारक नहीं होता। सच यह है कि हुक्के से निकलने वाला धुआं सिगरेट या बीड़ी के धुएं से अधिक घातक होता है। हुक्का पीना सिगरेट की ही तरह हानिकारक है क्योंकि दोनों उत्पाद के अंत में कार्सिनोजन लगा रहता है जो कि एक कैंसर पैदा करने वाला पदार्थ है।

हुक्के का स्वाद बदलने के लिए केवल उसमें फ्रूट सीरप मिलाया जाता है जिससे उसके फ्लेवर में बदलाव आ जाता है। इसका यह बिल्कुल भी मतलब नहीं है कि हुक्के में किसी भी प्रकार का फल मिलाया गया हो। इसलिए यह आशा न करें कि हुक्के को पी कर आपको विटामिन मिलेगा।

सीने में जलन को ऐसे दूर करता है बेकिंग सोडा

एसिडिटी होने पर कई बार आपको भोजन नली या सीने में जलन की महसूस होती है। कभी-कभार ऐसा होना सामान्य बात है, लेकिन अगर आप लगातार इस तरह की जलन महसूस करते हैं तो यह एक गंभीर समस्या भी हो सकती है। आपकी इस परेशानी का इलाज बेकिंग सोडा में छिपा है। खान-पान और सौंदर्य निखारने के लिए फायदेमंद बेकिंग सोडा आपकी इस परेशानी को दूर करने का बहुत कारगर उपाय है।

स्टैंडिंग साइड क्रंच करने का सही तरीका

स्टैंडिंग साइड क्रंच, ऑब्लिक मसल्स को लक्षित करने वाली स्टैंडिंग एब एक्सरसाइज है। इस एब एक्सरसाइज को अधिक प्रभावी विकल्प के रूप में इस्तेमाल करने के लिए आप नियमित रूप से इस क्रंच को फर्श पर करें या अपने नियमित एब रूटीन में एक किस्म के रूप में जोड़ें। यह एक्सरसाइज आपको अधिक कैलोरी को जलाने, कोर स्ट्रेंथ को बनाने और आपके संतुलन में सुधार करने में मदद करती है। स्टैंडिंग साइड क्रंच के अंतर्गत कई अन्य प्रकार की मसल्स मूवमेंट भी शामिल होते है।

स्टैंडिंग साइड क्रंचेज पीठ के निचले हिस्से और गर्दन की मसल्स के लिए अच्छी तरह से काम करती है। इसमें गर्दन को स्ट्रेच करने या पीठ के बल लेटने की जरूरत नहीं होती है। इसलिए यह एब एक्सरसाइज के दौरान गर्दन में परेशानी या पीठ में दर्द अनुभव करने के कारण एब्डॉमिनल एक्सरसाइज से बचने वाले लोगों के लिए बेहतर होती है। यह एक्सरसाइज डांसर, फाइटर और अन्य एथलीटों के लिए आदर्श है। यह उन लोगों के लिए भी अच्छी एक्सरसाइज है जो फर्श पर आसानी से झुक और उठ नहीं सकते।

स्टैंडिंग साइड क्रंच कैसे करें?

- स्टैंडिंग साइड क्रंच को करने के लिए किसी भी उपकारण की जरूरत नहीं होती।
- इसे करने के लिए आप सीधे खड़े हो जाए और वजन को अपने बाये पैर पर डाल दें।
- अब अपनी दाहिने घुटने को 90 डिग्री के कोण पर मोड़ें।
- फिर अपने दाये पैर को शरीर के पीछे की तरफ उठाएं ताकी आपको घुटना समाने की ओर सीधा हो जाए।
- अब दोनों हाथों को सिर के पीछे लगा लें। सांस को बाहर छोड़ते हुए अपने दाहिनी कोहनी को दाहिने घुटने के पास ले जाएं।
- फिर अपनी कोहनी और घुटने को इतना नजदीक ले जाने की कोशिश करें कि आपकी पसली और दाहिने कूल्हे पर प्रभाव महसूस हो।
- स्टैंडिंग साइड क्रंच को 15-15 क्रंचेज में दोनों तरफ से करें।

स्टैंडिंग साइड क्रंच के लाभ

- इससे गर्दन और पीठ के निचले हिस्से कम दबाव पड़ता है।
- मैट पर होने वाला यह साइड क्रंचेज अधिक कैलोरी जलता है।
- इसके लिए किसी उपकरण की जरूरत नहीं होती, इसे आप कहीं भी, कभी भी कर सकते हैं।
- हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग के लिए अच्छी एक्सरसाइज है।

कार्यात्मक शरीर के विकास को बढ़ावा देता है।

टिप्स

- ऑब्लिक मसल्स को अधिक एक्टिव करने के लिए स्लो और कंट्रोल मूवमेंट करें।
- इस एक्सरसाइज को कार्डियों के लिए उपयोग करने के लिए, हार्ट रेट को बढ़ाने के लिए तेजी से रेप्स करें।
- एक्सरसाइज करते समय, हिप्स को आगे या पीछे स्विंग न करें।
- अपने सिर को हाथों के आगे या बगल से खींचने से बचें।
- रीढ़ की हड्डी को आगे झुकाने से बचें।

दवाओं के दुष्प्रभाव से निपटने के लिए आसान तरीके

दवाएं कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हानिकारक बैक्टीरिया के खिलाफ मुकाबला करने, दर्द से राहत देने और जान बचाने में मदद करती है। दवाएं ऐसे रोगों का भी इलाज करती है जिनका अन्य किसी तरीके से इलाज नहीं हो पाता। लेकिन अफसोस, दवाओं के उपयोग में एक खामी भी है।

दवाएं मानव शरीर के साथ एक नाजुक संतुलन में काम करती हैं, लेकिन इस संतुलन के बिगड़ने पर यह कई प्रकार के साइड इफेक्ट का कारण बन सकती है।

साइड इफेक्ट

लगभग सभी प्रकार की दवाओं के साइड इफेक्ट होते है, लेकिन कुछ लोगों को साइड इफेक्ट का पता नहीं लगता वह इन साइड इफेक्ट के साथ आसानी से डील कर लेते हैं। यहां ऐसी कुछ महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी गई है जो आपको पता होनी चाहिए।

किसे होते हैं साइड इफेक्ट

किसी को भी दवा से साइड इफेक्ट हो सकते हैं, लेकिन कोई भी एक विशेष दवा आपके लिए साइड इफेक्ट का कारण नहीं हो सकता। यह दवा की खुराक, उम्र, लिंग, वजन और आपके द्वारा ली जाने वाली अन्य दवाओं पर निर्भर करता है। बुजुर्गों में जवां लोगों की तुलना में साइड इफेक्ट अधिक होने की संभावना होती है।

कब्ज

कई निर्धारित और काउंटर दवा से कब्ज की समस्या हो सकती है। नियमित रूप से पेनकिलर दवाओं को लेने पर होने वाला यह सबसे आम दुष्प्रभावों में से एक है। हालांकि, आप ब्रान और होल वीट ग्रेन और हाई फाइबर सब्जियां और फल जैसे बींस, सेब और ब्रोकली के सेवन से इसका इलाज कर सकते हैं। इसके साथ ही तरल पदार्थों को खूब सेवन करें और नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।

दिन के समय उनींदापन

कुछ दवाओं के कारण दिन में उनींदापन की समस्या भी हो सकती है, लेकिन शरीर द्वारा दवा के आदि होने पर समस्या आमतौर पर अपने आप ही दूर हो जाती है। अगर समस्या काफी दिनों तक ऐसी ही बनी रहती है तो डॉक्टर से पूछ कर दवा रात के समय लें। साथ ही यह भी सलाह दी जाती है कि उनींदापन महसूस होने पर भारी उपकरण न उठाये और ड्राइविंग करने से भी बचें।

सिरदर्द

कई निर्धारित और गैर निर्धारित दवाएं भी सिरदर्द का कारण हो सकती है। हालांकि शरीर को दवा की आदत हो जाने पर सिरदर्द अपने आप दूर हो जाता है। लेकिन अगर समस्या लंबे समय तक बनी रहती हैं तो बिना देर किये अपने डॉक्टर से संपर्क करें।

आमतौर पर दवा के लाभ मामूली साइड इफेक्ट से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि अधिकांश दवाओं के साइड इफेक्ट अक्सर एक समय के बाद अपने आप दूर हो जाते हैं। लेकिन अगर साइड इफेक्ट लंबे समय तक रहते हैं तो आपको खुद से दवाओं को बंद नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने डॉक्टर से इस विषय पर राय लेनी चाहिए। और अगर दवा लेने के बाद पित्ती, चेहरे, होठों और जीभ पर सूजन या सांस लेने में परेशानी महसूस हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

डायरिया

लगभग सभी दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में डायरिया की समस्या देखने को मिलती है। हालांकि कीमोथेरेपी के लिए इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं जैसे एंटीबॉयोटिक, एंटी-डिप्रेसेंट और एंटासिड डायरिया का कारण बनती है। अगर आपको दवा से डायरिया की समस्या होती है तो अपने आहार में हल्के, फाइबर युक्त जैसे की चावल और दही को शमिल करें। और बेहतर महसूस होने तक मसालेदार और फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों से बचें।

दिल को हेल्दी रखना है तो पियें ब्लैक टी

काली चाय वजन घटाने में मदद करती है, ये बात तो हम सभी जानते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि काली चाय दिल की सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। जी हां, एक नए शोध से यह बात सामने आई है कि काली चाय दिल को दुरुस्त रखने में बहुत मददगार होती है।

दिल के लिए काली चाय

काली चाय दिल की सेहत के लिए बहुत अच्छी होती है। एक ताजा शोध में यह बात सामने आई है। इस शोध में काली चाय में पाए जाने वाले एक विशेष तत्व और उसकी उपयोगिता के बारे में बताया गया है। काली चाय में प्रचुरता से पाया जाने वाला एक प्रकार का फ्लेवनॉयड, र्सटीन, धमनियों को ऑक्सीकरण से होने वाले नुकसान से बचाता है। साथ ही यह हृदयवाहिका से संबंधित बीमारियों की संभावना को भी कम करता है।

एंटीऑक्सीडेंट है फ्लेवनॉयड

फ्लेवनॉयड पौधों में पाए जाने वाले साधारण वर्णक यौगिक होता है। यह एंटीऑक्सीडेंट के तौर पर काम करता है। विटामिन सी के असर को बढ़ाता है और रक्तवाहिकाओं के आसपास संयोजी ऊतकों की रक्षा करता है।

शोध के नतीजे

विश्वविद्यालय के बयान के मुताबिक वार्ड और क्रॉफ्ट ने कहा, भविष्य में हृदय रक्तवाहिकाओं पर फ्लेवनॉयड के असर से सम्बंधित अध्ययनों में अलग-अलग तरह के फ्लेवनॉयड और फ्लेवनॉयड के खाद्य स्रोतों के उपयोग पर विचार किया जाना चाहिए।

क्या कहता है शोध

- प्रोफेसोरियल फेला, केविन क्रॉफ्ट ने चूहों पर किए गए एक प्रयोग के आधार पर कहा कि हमारे निष्कर्ष बताते हैं कि र्सटीन, वाहिकाओं को ऑक्सीडेंट से होने वाले नुकसान से बचाने में सक्षम है।
- शोध पत्रिका बायोकेमिकल फॉर्मेकोलॉजी के मुताबिक पर्यवेक्षकों का कहना है कि इस बात के प्रमाण हैं कि खाद्य फ्लेवनॉयड्स उच्च रक्तचाप को कम कर सकता है और अथेरोस्क्लेरोसिस के विकास को कम कर सकता है।

घरेलू नुस्खों से मिल सकता है आराम

अब किडनी स्टोन के दर्द से मिलेगी राहत

किडनी में पथरी या स्टोन के दर्द को बर्दाश्त करना काफी मुश्किल होता है, कोई भी व्यक्ति इस दर्द को ज्यादा देर तक बर्दाश्त नहीं कर सकता है इसलिए कई डॉक्टर दवाइयां देकर इसे यूरीन के रास्ते बाहर निकालने की कोशिश करते हैं। अगर पथरी ज्यादा बड़ी हो तो डॉक्टर को ऑपरेशन करना पड़ता है, लेकिन अगर आप भी किडनी के स्टोन के दर्द से परेशान हैं तो कुछ घरेलू उपाय अपनाकर किडनी के स्टोन से राहत पा सकते हैं।

कैल्शियम से भरपूर खाना

तुलसी के पत्तों का सेवन करने से किडनी के स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। तुलसी के पत्तों को चबाना, तुलसी की चाय बनाकर पीना, तुलसी के रस में शहद मिलाकर पीने से स्टोन से राहत मिलती है। किडनी में स्टोन की समस्या से राहत पाने के लिए कैल्शियम युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए, जो स्टोन को तोड़ने और बाहर निकालने में मदद करते हैं। दूध, मक्खन, तरबूज का सेवन करना लाभकारी साबित हो सकता है।

नींबू, ओलिव ऑयल और पानी

नींबू का रस चौथाई कप निकालकर उसमें उतना ही ओलिव आयल मिलाकर इसका सेवन करने के बाद पानी पीना चाहिए। दिन में 2 बार ऐसा करने से किडनी स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। किडनी में स्टोन की समस्या से छुटकारा पाने के लिए दिन में कम से कम 10 गिलास पानी जरूर पीना चाहिए। ज्यादा पानी पीने से किडनी में से स्टोन यूरीन के रास्ते बाहर निकल जाता है।

अनार और अजवाइन भी फायदेमंद

फलों का सेवन करना वैसे भी हमारी सेहत के लिए लाभकारी होता है, लेकिन स्टोन की समस्या होने पर अनार या अनार का जूस पीने से स्टोन से छुटकारा पाया जा सकता है। वहीं अजवाइन का सेवन करने से पेट संबंधित कई रोगों से छुटकारा पाया जा सकता है, लेकिन किडनी में स्टोन होने पर भी इसका सेवन कर सकते हैं।

रेसिपी

खट्टा मूंग

सामग्री

1 कप मूंग, 1 कप खट्टा दही, 1 टेबल-स्पून बेसन, 3/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/2 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 2 टेबल-स्पून तेल, 1 टी-स्पून सरसों, 3 से 4 कड़ी पत्ता, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार

सजाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

परोसने के लिए: रोटली/ सादे चावल

विधि

मूंग को धोकर, उपयुक्त मात्रा के पानी में 2-3 घंटे के लिए भिगो दें। छानकर, 11/2 कप पानी डालकर 2 सिटी के लिए प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से पुर्व सारी भाप निकलने दें। एक तरफ रख दें। दही, लाल मिर्च पाउडर और हल्दी पाउडर को एक बाउल में मिलाकर अच्छी तरह फेंट लें। एक तरफ रख दें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें और सरसों, कड़ी पत्ता, हींग और अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालें। जब बीज चटकने लगे, पका हुआ मूंग डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 30 सेकन्ड तक पका कें। दही-बेसन का मिश्रण, नमक और 11/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच में एक बार हिलाते हुए, मध्यम आंच पर 5 से 7 मिनट के लिए पका लें। धनिया से सजाकर सादे चावल या रोटली के साथ गरमा गरम परोसें।

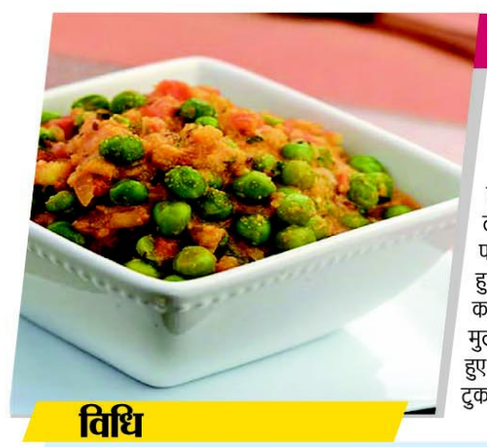

कोवालम मटर

सामग्री

1 1/4 कप उबले हुए हरे मटर, 1 टेबल-स्पून तेल, 1/2 टी-स्पून जीरा, 1 टी-स्पून उड़द दाल, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 1 टी-स्पून लहसून की पेस्ट, 1 टी-स्पून धनिया-जीरा पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च का पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी, 1/2 टी-स्पून बारीक कटा हुआ टमाटर, नमक, स्वाद अनुसार, 1 टेबल-स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, पीस कर नारियल-काजू की मुलायम पेस्ट बनाने के लिए (थोड़े पानी का उपयोग करते हुए), 4 टेबल-स्पून कसा हुआ नारियल, 1 टेबल-स्पून टुकड़ा किया हुआ काजू

विधि

एक नॉन-स्टिक कढाई में तेल गरम करिए और उसमे जीरा और उड़द दाल डालिए। जब जीरा चटखने लगे, तब उसमे प्याज डालिए और मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट भूनिए। उसमे लहसून की पेस्ट, धनिया-जीरा पाउडर, लाल मिर्च का पाउडर, हल्दी, टमाटर, नमक और 2 टेबल-स्पून पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। उसमे बनाया हुआ नारियल-काजू के पेस्ट, हरे मटर, धनिया और 1/2 कप पानी डालिए, अच्छे से मिलाइए और मध्यम आंच पर 2 से 3 मिनट, बिच-बिच में हिलाते हुए पकाइए। गरमा गरम परोसिए।

लहरों के बीच बना सकते हैं बेहतर भविष्य

आजकल के बच्चे काफी सोच समझकर अपने कॅरियर की शुरुआत करते हैं, लेकिन कई बच्चों को समुद्र की लहरों के बीच राफ्टिंग करना बेहद पंसद होता हैं अगर वो चाहें तो इस हॉबी को रोजगार का साधन भी बना सकते हैं, लेकिन इस कॅरियर की शुरुआत सिर्फ साहसी लोग ही कर सकते हैं और इसके लिए शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद जरूरी है।

प्रमुख संस्थान...

- इंडियन माउंटेनियरिंग फाउंडेशन, नई दिल्ली
- हिमालयन रिवर रनर्स, नई दिल्ली

कैसे करें शुरुआत...?

राफ्टिंग का 6 महीने का सर्टिफिकेट कोर्स कई संस्थानों द्वारा करवाया जाता है। सबसे पहले प्रार्थी की शारीरिक जांच करने के बाद उसको राफ्टिंग गाइड के साथ खतरनाक राफ्टिंग ट्रैक पर भेजा जाता है। ट्रेनिंग के दौरान रॉफ्टिंग उपकरणों के प्रयोग करने के बारे में समझाया जाता हैं और साथ ही यह जानकारी भी दी जाती हैं कि नदी में पानी के बहाव, उसकी गहराई की कैसे जांच करनी हैं। राफ्टिंग का सारा प्रशिक्षण लेने के बाद आप राफ्टिंग गाइड भी बन सकते हैं और पर्यटकों को राफ्टिंग का सफर करवा सकते हैं। हालांकि ये कॅरियर कमजोर दिलवालों के नहीं, बल्कि मजबूत इरादे वालों के लिए है। इसलिए ये कॅरियर चुनते समय आप ये डिसाइड कर लें कि कहीं आपको पानी से डर तो नहीं लगता।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**